

विवाह, अंधविश्वास, संदेह... मांगलिक शादी का दोष लेगा एक और जान? नेटफ्लिक्स की नई सीरीज थ्रिल से है भरपूर

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 26
न्यूनतम - 14

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 322 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 11 विक्रमी संवत ● पृष्ठ :12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के घर में आग लगाई

ढाका। बांग्लादेश में अवामी लीग के देशव्यापी बंद के ऐलान के बीच हिंसा भड़क गई है। राजधानी ढाका में सुबह होने से पहले कई जगह देसी बम धमाके हुए। देश के कई हिस्सों में आगजनी, तोड़फोड़ और हमलों की घटनाएं हुई हैं।



प्रदर्शनकारियों ने पिछली अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के चटगांव के पुश्तैनी घर में आग लगा दी। देश के अलग-अलग हिस्सों में उनके ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं में भी आग लगाई गई। ढाका में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर भी हमले हुए। इन हमलों के पीछे प्रधानमंत्री तारिक रहमान की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं का हाथ होने की आशंका है। इसके बाद पुलिस ने राजधानी ढाका में 24 घंटे में 565 लोगों को गिरफ्तार किया।

सोना 1.30 लाख के नीचे, आज 1,179 सस्ता हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। सोना पिछले 7 कारोबारी दिनों में करीब 12 हजार रुपए और चांदी करीब 24 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की



कीमत 1,179 रुपए घटकर 1.30 लाख रुपए से नीचे आ गई। वहीं, एक किलो चांदी का भाव 2,158 रुपए गिरकर 1.62 लाख रुपए रह गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंची कीमतों पर सोना-चांदी बेचने से इनके दाम गिर रहे हैं।

रिकॉर्ड हाई से से 2.18 लाख रुपए गिरी चांदी- इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.80 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई।

चेतावनी भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटेगी, अमेरिका में दोगुनी हो जाएगी

इस्लाम 2035 तक दुनिया का सबसे बड़ा धर्म होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर धार्मिक आबादी में हो रहे बदलावों को लेकर अमेरिका की प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक, दुनिया की आबादी 2050 तक 9.30 अरब पहुंच सकती है, जो 2010 में करीब 6.90 अरब थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 के मुकाबले 2050 तक मुस्लिम आबादी करीब 73% बढ़ सकती है। यानी मुसलमानों की आबादी 1.6 अरब से बढ़कर लगभग 2.76 अरब हो जाएगी। 2020 से 2050 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी 17.6 करोड़ बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, देश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटने का अनुमान है। इसके बावजूद 2070 तक हिंदू भारत की कुल आबादी के तीन-चौथाई से ज्यादा बने रहेंगे।



मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या ज्यादा

प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, पिछले कुछ दशक में भारत की कुल प्रजनन दर में गिरावट आई है। हालांकि, मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या हिंदू महिलाओं से अधिक है। इसके अलावा भारत में मुस्लिम आबादी का आयु वर्ग भी अपेक्षाकृत युवा है। इन दोनों कारणों से आने वाले दशकों में देश की आबादी में मुस्लिमों का अनुपात बढ़ने और हिंदुओं की हिस्सेदारी में मामूली कमी आने का अनुमान है। प्यू रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2035 तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन सकता है। फिलहाल दुनिया में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुस्लिम हैं। अनुमान है कि 2035 तक मुस्लिम आबादी बढ़कर 2.57 अरब और ईसाई आबादी 2.52 अरब हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर सबसे ज्यादा है। 2020 से 2025 के बीच मुस्लिम महिलाओं में प्रति महिला औसतन 3.1 बच्चे पैदा हुए, जबकि ईसाई महिलाओं में यह आंकड़ा 2.5 और अन्य धर्मों में 1.6 रहा। प्यू के अनुमान के मुताबिक 2070 तक दुनिया में मुस्लिमों की आबादी 3.6 अरब से ज्यादा हो सकती है। वहीं ईसाइयों की संख्या 3 अरब से कम रहने का अनुमान है।

अमेरिका में 90 लाख हो जाएगी हिंदू आबादी

अमेरिका में भी हिंदुओं की आबादी दोगुने से ज्यादा होने का अनुमान है। 2020 में यहां करीब 40 लाख हिंदू थे, जिनकी संख्या 2070 तक बढ़कर 90 लाख हो सकती है। इस क्षेत्र की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत होने का अनुमान है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ऐसे क्षेत्र होंगे, जहां हिंदुओं की कुल संख्या में गिरावट आने की संभावना है।

पाकिस्तान में होंगे सबसे ज्यादा मुस्लिम

प्यू का अनुमान है कि मौजूदा रुझान जारी रहने पर 2070 तक पाकिस्तान दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश बन जाएगा। इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का स्थान होगा। फिलहाल इंडोनेशिया में दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम रहते हैं।

● **मोदी बोले-** किसानों-कारोबारियों को गाली देने से देश नहीं बढ़ता

हमने 12 साल में इकोनॉमी बदली

● राहुल ने कहा था- भारत आर्थिक संकट की ओर

नई दिल्ली (एजेंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश आगे नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल में भारत की इकोनॉमी बदली है और 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

पीएम का यह बयान राहुल गांधी के आरोपों के एक दिन बाद आया है। राहुल ने बुधवार को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में कहा था कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं।



50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले- पीएम मोदी ने कहा कि 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था, तब भारत की आबादी करीब 50 करोड़ थी। लेकिन अर्थव्यवस्था पिछले 12-13 साल में बदली है। आज 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम ने कहा कि कुछ कंपनियां विदेशों के लिए बेहतर और भारत के लिए कम गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाती हैं। इस सोच को बदलना होगा। भारतीय ग्राहक भी अच्छी गुणवत्ता वाले सामान के हकदार हैं।

ग्लोबल मार्केट के अवसरों का फायदा उठाएं

प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से घरेलू बाजार तक सीमित न रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कंपनियों को दूसरे देशों की जरूरतों और ग्राहकों की पसंद समझकर उत्पाद तैयार करने चाहिए। मोदी ने कहा कि सरकार रिफॉर्म एक्सप्रेस के जरिए लगातार सुधार कर रही है। उन्होंने कारोबारियों से बिना झिझक अपनी समस्याएं और सुधारों से जुड़े सुझाव देने को कहा। सरकार उनके साथ खड़ी है। पीएम ने कहा कि कंपनियों को ऐसे उत्पाद बनाने चाहिए, जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक हों और इस्तेमाल में आसान हों। इसके लिए बेहतर रिसर्च और नई तकनीक अपनाना जरूरी है।

राहुल अमेरिका में बोले- 2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था: लेकिन चुनाव का कभी बायकॉट नहीं करेंगे

ऐसा करते ही लोकतंत्र खत्म हो जाएगा



न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव वैध नहीं था। इसमें कई फर्जी मतदाता थे। उन्होंने दावा किया कि एक ब्राजीलियाई महिला, जो कभी भारत नहीं आई, उसने एक विधानसभा चुनाव में 23 बार वोट डाला। राहुल से पूछा गया कि चुनाव में गड़बड़ी के बावजूद विपक्ष उनका बायकॉट क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने कहा, 'भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। अगर हमने चुनावों का बायकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है।

● **चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे-** राहुल ने कहा कि हम जानबूझकर चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे हैं और हमें भरोसा है। चुनाव आयोग खुद अब अंदर से हमें जानकारी दे रहा है। इसलिए यह ढांचा कब ढहेगा, यह सिर्फ समय की बात है। चुनाव आयोग में वरिष्ठ लोग अब कह रहे हैं कि हम यह और नहीं कर सकते।' हम गैर-लोकतांत्रिक भारत स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की बात नहीं है।

दाऊद के घर 'मुसाफिरखाना' पर बुलडोजर एक्शन रुका

इमारत मस्जिद का हिस्सा

मुंबई। मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' को गिराने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने 23 नवंबर तक इमारत की मौजूदा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। यह इमारत दक्षिण मुंबई के भिंडी बाजार इलाके की पाकमोडिया स्ट्रीट पर स्थित है। बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी ने आज ही भारी पुलिस सुरक्षा के बीच



इमारत को गिराने की कार्रवाई शुरू की थी। इमारत को गिराने की कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण से भी जुड़ी है। यह मकान मस्जिद का हिस्सा है। बीएमसी ने कहा था कि इमारत का केवल जर्जर हिस्सा गिराया जाएगा। मस्जिद नहीं तोड़ी जाएगी। **1939 में बनी थी इमारत, सी-1 श्रेणी में रखा गया-** हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना नाम की यह इमारत 1939 में बनी थी। बीएमसी ने इसे जर्जर और खतरनाक घोषित करते हुए सी-1 श्रेणी में रखा था। इस श्रेणी में ऐसी इमारतें आती हैं जिन्हें खतरनाक मानकर गिराना जरूरी होता है। बीएमसी ने 18 और 19 नवंबर को इमारत गिराने की योजना बनाई थी।

ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की पहली बार एकसाथ मीटिंग

जिनपिंग बोले- परमाणु हथियार इंसान के सिर पर लटकती तलवार, इन्हें खत्म करें

शेनझेन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति



पुतिन ने चीन के शेनझेन शहर में ऐतिहासिक बैठक की। यह पहली बार हुआ जब तीनों नेताओं ने एक साथ त्रिपक्षीय बैठक की। मीटिंग में सबसे पहले परमाणु हथियारों के खतरों पर बातचीत हुई। जिनपिंग ने परमाणु हथियारों को इंसानियत के सिर पर लटकती तलवार बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए। पुतिन ने कहा कि रूस, चीन और अमेरिका तीनों ने दूसरे विश्व युद्ध में जीत हासिल की थी। इसलिए दुनिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन तीनों देशों की है। ट्रम्प ने कहा कि वे इस बात से बेहद खुश हैं कि तीनों देशों के बीच पहली बार त्रिपक्षीय बैठक हो रही है।

ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की बैठक खत्म



चीन के सरकारी चैनल के मुताबिक, जिनपिंग, ट्रम्प और पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक खत्म होने के बाद ट्रम्प का काफिला किलिन विला से एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। यह बैठक करीब 80 मिनट चली।

सैफ अली को जान से मारने की धमकी

● बाबा सिद्दीकी मर्डर में वांटेड जीशान के नाम से मैसेज आया

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के वांटेड आरोपी जीशान अखतर का नाम सामने आया है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि जीशान अख्तर ने सैफ अली खान को धमकी दी है। हालांकि, पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है कि धमकी उसी ने दी है या किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका नाम इस्तेमाल किया। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि धमकी के पीछे किसी गैंग का हाथ है या कोई शख्स फर्जी पहचान से डर फैला रहा है। फिलहाल, धमकी देने वाले की आधिकारिक पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांटेड जीशान अख्तर को लेकर पुलिस पहले से सतर्क है।



जबलपुर में हादसा: आग ताप रहे लोगों को ट्रक ने रौंदा

तीन की मौत, दो की हालत गंभीर; मौके पर मची चीख-पुकार

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में गुरुवार तड़के तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे आग ताप रहे लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा जबलपुर के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत राज फैमिली ढाबा के पास हुआ।

अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात करीब दो बजे शराब दुकान के कर्मचारी, ढाबा संचालक और उसके कर्मचारी सड़क किनारे आग जलाकर ताप रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे उतर गया। ट्रक ने सबसे पहले ढाबे के सामने खड़ी एक बोलेरो, एक कार और एक पिकअप को टक्कर मारी। इसके बाद आग ताप रहे लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। मक्का की फसल से लदा ट्रक इसके बाद पलट गया।

नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी)



अर्जुन आयंक मिश्रा ने बताया कि हादसे में शराब दुकान के कर्मचारी बलराम (37) और मोनू (32) तथा ढाबे के कर्मचारी धर्मेंद्र (35) की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

उपलब्धि ओडिशा और आंध्रप्रदेश समेत कई राज्यों में प्रशासन ने तैयारियां तेज की

तूफान अकवान से पहले ओडिशा से 80 हजार लोग शिफ्ट

● 6 जिलों में 3 दिन स्कूल-आंगनवाड़ी बंद, ● 10 राज्यों में असर की आशंका, ● 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

विशाखापट्टनम/चेन्नई/भुवनेश्वर। चक्रवाती तूफान अकवान के खतरे को देखते हुए ओडिशा और आंध्रप्रदेश समेत कई राज्यों में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ओडिशा में करीब 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, छह जिलों में 21 नवंबर तक स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। तूफान का असर देश के 10 राज्यों में देखने को मिल सकता है। इससे निपटने के लिए 74 रेस्क्यू टीमों को तैनात किया गया है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, चक्रवात के शुक्रवार को आंध्रप्रदेश के नरसापुर और ओडिशा के पुरी के बीच तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने का खतरा है। इससे पहले गुरुवार को न्यूज एजेंसी एएनआई ने तूफान के तट से टकराने का अनुमान जताया था। चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश में बारिश का दौर शुरू हो गया है। नौसेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

● 110 किमी हवा की रफ्तार



दिखेगा तूफान का असर

- **आंध्र प्रदेश :** चक्रवात का सबसे ज्यादा असर आंध प्रदेश में होने की आशंका है। आज तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- **ओडिशा :** 21 नवंबर तक राज्य में भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी में ज्यादा असर हो सकता है।
- **तमिलनाडु :** उत्तरी तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई सहित तटीय इलाकों में जलभराव की आशंका है। हवा की रफ्तार 60 से 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।
- **पुडुचेरी :** पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में जाने से रोका गया है।
- **तेलंगाना :** राज्य के पूर्वी हिस्सों में आज और कल भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। निचले इलाकों में जलभराव और स्थानीय बाढ़ का खतरा है।
- **पश्चिम बंगाल :** दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिमी मिदनापुर और झारग्राम में आज भारी बारिश हो सकती है।
- **झारखंड :** आज कुछ इलाकों में बारिश और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।

अनमोल वचन

संसार की वर्तमान शोचनीय परिस्थिति को देख निराशा अनुभव करने वाले विचारवान मनुष्यों में बिरला ही कोई ऐसा निकलता है, जो स्वयं को समाज की एक इकाई तथा अभिन्न अंग मानते हुए अपने को भी उन विषम परिस्थितियों के लिए अंशतः उत्तरदायी समझता है, अपने भीतर गहराई से टटोलता है। वह किसी का तिरस्कार नहीं करता, वह घबराता भी नहीं, दुनिया को छोड़कर भागता नहीं, संसार के दुख को अपना दुख समझता है। वह मानता है कि विश्व के प्रत्येक अणु का परस्पर सम्बन्ध है। इस कारण अपने को ऊँचा और दूसरों को नीचा नहीं समझता। समाज व्यवस्था के सारे लाभों का आवश्यकतानुसार समुचित उपयोग करते हुए, उसकी जिम्मेदारी से पलायन करने वाले निष्क्रिय वैराग्य उसे नहीं भाता। वह तो सर्वमान्य नागरिक के नाते इस विश्व कुटुम्ब के एक जिम्मेदार सदस्य के नाते, परमात्मा की एक सुयोग्य सन्तान होने के नाते स्वयं आदर्श जीवन बिताता है, दूसरों के लिए आदर्श बनता है और दूसरों को भी आदर्श जीवन एवं नैतिक मूल्यों की स्थापना के लिए प्रेरित करता रहता है। यह बात अलग है कि कितने लोग उसका अनुसरण कर पाते हैं, फिर भी उसका प्रयास ही सराहनीय है।

अपने बच्चों को खेल और कहानियों के जरिये संस्कार देना चाहिए: शान्तनु महाराज

मरता शरीर है, आत्मा अमर और अजर है, सभी को पशु बुद्धि का त्याग कर जीवन जीना चाहिए

मुजफ्फरनगर। रेशु विहार स्थित रेशु प्रांगण में दिनांक 13 नवम्बर से प्रतिदिन चल रही अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने अपने श्रीमुख से श्रीकृष्ण जी और सदामा जी की मित्रता के साथ ही अनेक सुन्दर प्रसंगों का वर्णन कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इसके साथ ही सातवें दिन अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा को विश्राम दिया गया। दिनांक 20 नवम्बर को रेशू प्रांगण में प्रातः 9 बजे से हवन का आयोजन किया जायेगा, जिसके पश्चात दोपहर 12 बजे से महाप्रसाद का वितरण होगा।

अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा का वर्णन करते हुए कथा व्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के पुत्र के रूप में प्रथम पुत्र प्रद्युम्न जी का जन्म हुआ। शम्बरासुर ने अपनी मृत्यु के भय से बालक प्रद्युम्न जी का हरण कर लिया था, और बाद में प्रद्युम्न जी ने शम्बरासुर का वध करके मायावती (रति के अवतार) से विवाह किया तथा द्वारिका लौट आए। भगवान का दूसरा विवाह जामवन्त जी की पुत्री जाम्बवती से हुआ। महाराज श्री ने कहा कि स्यमंतक मणि की खोज में भगवान श्रीकृष्ण जामवंत की गुफा में पहुँचे, वहां दोनों के बीच लंबे समय तक (भागवत पुराण के अनुसार लगभग 27-28 दिन) युद्ध चला। अंत में जामवंत ने पहचान लिया कि श्रीकृष्ण ही त्रेतायुग के भगवान राम हैं। उन्होंने मणि और अपनी पुत्री जाम्बवती का विवाह श्रीकृष्ण से कर दिया। महाराज श्री ने कहा कि भगवान का तीसरा विवाह सत्राजित की पुत्री सत्यभामा जी के साथ हुआ। भगवान का चतुर्थ विवाह कालिन्दी जी के साथ हुआ है। भगवान का पाँचवाँ विवाह मित्रवृन्दा के साथ हुआ। भगवान का छठां विवाह कौशलनरेश नग्नजित की पुत्री सत्या के साथ हुआ। सातवां विवाह भद्रा के साथ, आठवां विवाह लक्ष्मणा जी के साथ हुआ। इस प्रकार भगवान की ये आठ पटरानियां हुई और भगवान का 16100


सुप्रसिद्ध कवयित्री अनामिका जैन अंबर जी का रेशू एडवरटाइजिंग प्रांगण में चल

विवाह नरकासुर नामक राक्षस की कैद में बन्दी राजकुमारियों के साथ हुआ। कालान्तर में सभी रानियों से दस-दस पुत्र और एक-एक पुत्री का जन्म हुआ और भगवान सानन्द गृहस्थ आश्रम का पालन करते हुए सानन्द रहने लगे।

भगवान अपने बाल गोपाल परिकरों को नित्य संस्कार और शिक्षा देते थे, इसलिये हमें भी अपने बच्चों को खेल और कहानी आदि के माध्यम से संस्कार देना चाहिये। महाराज श्री ने कहा कि भगवान ने जरासंध का भीम जी के हाथों वध करवाया और पाण्डवों के राजसूय यज्ञ को पूर्ण करवाया है। अन्त में शुकदेव जी ने भगवान के दीनबन्धुता की कथा के रूप में सुदामा जी की कथा सुनाई। भगवान के सखा और परम भक्त सुदामा जी विशुद्ध ब्राह्मन वृत्ति से जीवन यापन करते हुए भगवान का भजन करते थे। घर में बहुत विपन्नता थी। सुदामा जी अपनी धर्मपत्नी सुशीला के कहने पर चार मुठ्ठी चावल लेकर भगवान से मिलने गये। भगवान ने अपने मित्र का बहुत स्वागत किया और उनकी पत्नी के मनोभाव को समझते हुए सुदामा जी को धनधान्य से परिपूर्ण कर दिया। अन्त में महाराज जी ने भागवत जी के महात्म्य को बताते हुए विभिन्न भजनों के माध्यम से भगवान का गुणगान करते हुए कथा को विश्राम दिया, जिससे सम्पूर्ण श्रोता समाज आनन्द से परिपूर्ण हो गया।

रेशू प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड नजर आई और यहां पहुंचे समस्त श्रद्धालुओं का रेशु परिवार की ओर से अभिनन्दन किया गया। कथा स्थल पर सुरक्षा, भोग प्रसाद, शुद्ध पेयजल, साफ-सफाई, जूतों के उचित रखरखाव की समुचित व्यवस्था को श्रद्धालुओं ने खूब सराहा। आज की श्रीमद् भागवत कथा में मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार सिंह (आईएएस), नरेंद्र मोदी की लोकसभा क्षेत्र बनारस से बी. पी. गुप्ता, पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सुरेश राणा, विश्व प्रसिद्ध कवित्री श्रीमती अनामिका अम्बर जैन, पूर्व पालिक चेयरमैन श्रीमती अंजू अग्रवाल, शरद, देवराज पंवार, वेद प्रकाश, आलोक, 200 कम्पनी के सीईओ राजेश अग्रवाल, देहरादून की प्रिंटिंग किंग श्रीमती वियोमा जैन, इनकम टैक्स ऑफिसर श्री सतीश शर्मा जी व रेशू परिवार के साथ ही अन्य गणमान्य नागरिकों ने कथा का श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर पूरा माहौल भक्तिमय नजर आया। आपको बता दें कि शान्तनु महाराज का जन्म वर्ष 1985 में उत्तर प्रदेश के जनपद बस्ती में हुआ और उन्होंने यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर पीएचडी की। महाराजश्री अविवाहित हैं और आरएसएस से जुडे हुए हैं। महाराजश्री ने विदेश में सिविल सर्विस प्रोफेसर की नौकरी छोडकर कथावाचक के रूप में सनातन का प्रचार-प्रचार करने का रास्ता अपनाया। श्रीमद्भागवत कथा को विश्राम दिये जाने के पश्चात दिनांक 20 नवम्बर को रेशू प्रांगण में प्रातः 9 बजे हवन का आयोजन किया जायेगा, जिसके पश्चात दोपहर 12 बजे से महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा।

मुज़फ़्फ़रनगर में आयकर विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों का धरना: विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

मेरठ रोड स्थित कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन में जमकर की नारेबाजी



मुज़फ़्फ़रनगर। नगर में मेरठ रोड स्थित आयकर विभाग के कार्यालय पर आज विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों के समर्थन में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन आयकर अधिकारी अमिताभ श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। धरना स्थल पर नारेबाजी कर जताया विरोध

धरने में शामिल आयकर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और अपनी मांगों के पक्ष में जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर विभाग के उच्चाधिकारियों और सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उनकी समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकला है, जिसके कारण उन्हें विवश होकर धरने का रास्ता अपनाना पड़ा।

अमिताभ श्रीवास्तव ने की मांगों की पैरवी प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे आयकर अधिकारी अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारियों की मांगें न्यायसंगत और जायज हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को इन मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और इनके शीघ्र निस्तारण के लिए कदम उठाने चाहिए, ताकि कर्मचारियों में व्याप्त असंतोष दूर हो सके और कामकाज सुचारू रूप से चल सके। मांगो का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

इस दौरान कार्यालय परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द नहीं मानी गईं, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे।

खतौली में गृहकलेश से तंग युवक ने गंगनहर में लगाई छलांग: पत्नी का बचाने का प्रयास विफल, गोताखोर तलाश में जुटे

पुल के पास बरामद हुई चप्पल, पुलिस और गोताखोरों की टीम तलाश में जुटी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। रतनपुरी थाना क्षेत्र के गांव बड़सू में पारिवारिक विवाद के चलते एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने सठेड़ी गंगनहर में छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तत्काल गोताखोरों को बुलाकर गंगनहर में सघन तलाश अभियान शुरू कराया, लेकिन पानी का बहाव अत्यंत तेज होने के कारण समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका था।



बचाने के लिए दौड़ी पत्नी, पुल पर मिली चप्पल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव बड़सू निवासी 40 वर्षीय मनीष का गुरुवार को घर में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बताया जाता है कि इसी गृहकलेश से आहत होकर वह अचानक घर से निकला और सठेड़ी गंगनहर पुल पर पहुंच गया। इससे पहले कि वहां मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उसने नहर में छलांग लगा दी। पति को नहर की ओर जाते देख उसकी पत्नी भी शोर मचाते हुए उसे बचाने के लिए पीछे दौड़ी और रोकने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी।

तेज बहाव के कारण नहीं लग सका सुराग युवक को नहर में कूदता देख आसपास मौजूद राहगीरों और पुल पर तैनात पुलिसकर्मियों ने भी उसे बचाने की कोशिश की, किंतु गंगनहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण वह देखते ही देखते गहरे पानी में लापता हो गया। सूचना पर पहुंची रतनपुरी थाना पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया। तलाशी के दौरान गंगनहर पुल के समीप से मनीष की चप्पल बरामद हुई है।

शादी की खुशियों के बीच परिवार में मचा कोहराम

घटना की खबर मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण सठेड़ी गंगनहर पुल पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि आगामी रविवार को मनीष के चचेरे भाई मोंटी की बारात जानी थी, जिसके चलते घर में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं। शादी की खुशियों के बीच अचानक घटी इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस घर में मंगलगीत और चहल-पहल थी, वहां एकाएक चीख-पुकार मच गई। फिलहाल पुलिस और गोताखोरों की टीम नहर में युवक की तलाश में जुटी हुई है, वहीं परिजन उसके सकुशल मिलने की आस लगाए पुल पर डटे हुए हैं।

दो करोड़ की साइबर ठगी में रकम निकालने वाले आरोपी को अदालत से झटका, जमानत अर्जी खारिज

ठगों के खाते में पहुंचे थे 4.80 लाख रुपये, रकम निकालकर साथियों को देने का आरोप; अक्टूबर से जिला कारागार में बंद है लखनऊ निवासी अनस उर्फ अयान गाजी

मुजफ्फरनगर। मोबाइल कारोबार से जुड़े एक कारोबारी के साथ हुई दो करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में न्यायालय ने आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया है। ठगी की रकम में से 4.80 लाख रुपये जिस आरोपी के बैंक खाते में पहुंचे थे, उसने यह धनराशि निकालकर अपने साथियों को सौंप दी थी। आरोपी की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने उसे निरस्त कर दिया। आरोपी अक्टूबर माह से जिला कारागार में निरुद्ध है।

कर्मचारी को भेजे गए व्हाट्सएप संदेश से रची गई ठगी की साजिश

अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला 20 जुलाई को हुई बड़ी साइबर ठगी से जुड़ा है। साइबर ठगों ने सिविल लाइंस रोड स्थित शांति मदन हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. सहज गर्ग के चचेरे भाई और नई मंडी की पटेलनगर कॉलोनी निवासी कुशाग्र अग्रवाल को निशाना बनाया था। कुशाग्र अग्रवाल फ्यूचर मोबाइल एलएलपी नामक कंपनी में साझेदार हैं। यह कंपनी देशभर में प्रमुख मोबाइल निमार्ता कंपनियों के मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आपूर्ति मुख्य थोक विक्रेता के रूप में करती है। ठगों ने कारोबारी के व्हाट्सएप प्रोफाइल को चोरी कर लिया था। इसके बाद पुरानी बातचीत की कुछ चैट का इस्तेमाल करते हुए कारोबारी के कर्मचारी संजय के मोबाइल फोन पर संदेश भेजे गए। आरोपितों ने खुद को कारोबारी से जुड़ा बताकर कर्मचारी के साथ व्हाट्सएप पर बातचीत की और विश्वास में लेकर भुगतान के लिए बैंक खाते का विवरण भेज दिया। अभियोजन के मुताबिक, ठगों ने कर्मचारी को सुब्रह्मण्यम इंपेक्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम से आईसीआईसीआई बैंक की बेगमपेट शाखा, हैदराबाद का खाता उपलब्ध कराया। कर्मचारी को वास्तविक कारोबारी बातचीत का भरोसा दिलाकर इसी खाते में दो करोड़ रुपये स्थानांतरित करा लिए गए। रकम ट्रांसफर होते ही ठगों ने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। इसके बाद कारोबारी को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला और मामले की शिकायत पुलिस से की गई। आरोपी के खाते में पहुंचे थे 4.80 लाख रुपये मामले की जांच के दौरान साइबर थाना पुलिस ने 15 अक्टूबर को लखनऊ निवासी अनस उर्फ अयान गाजी को गिरफ्तार किया था। आरोपी मूल रूप से गांव जुत्ती गुलालपुर, इटौंजा का रहने वाला है और वर्तमान में मोहम्मदी मस्जिद, नवी नगर, मड़ियांव, लखनऊ में रह रहा था। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम में से 4.80 लाख रुपये आरोपी के बैंक खाते में पहुंचे थे। आरोप है कि उसने खाते में आई रकम निकालकर अपने अन्य साथियों को दे दी थी। गिरफ्तारी के बाद से आरोपी जिला कारागार में निरुद्ध है। उसने न्यायालय में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी। अभियोजन पक्ष ने आरोपी के खाते में ठगी की रकम पहुंचने और उसे निकालकर अन्य साथियों को सौंपने से जुड़े तथ्यों को सामने रखा। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

पेट्रोल पंप पर आग से दो मौतों के पांच साल बाद भी आरोपित को राहत नहीं, दूसरी बार खारिज हुई अग्रिम जमानत

न्यायालय में पेश नहीं होने पर जारी हुए थे गैर जमानती वारंट, रुड़कली के भारत फिलिंग स्टेशन पर छापेमारी में पकड़ा गया था अवैध पेट्रोलियम पदार्थों का भंडारण

मुजफ्फरनगर। गांव रुड़कली स्थित भारत फिलिंग स्टेशन पर लगी आग में दो कर्मचारियों की मौत का मामला एक बार फिर न्यायालय में चर्चा में आया है। हादसे के करीब पांच साल बाद भी इस मामले में आरोपित पेट्रोल पंप संचालक शाहआलम को गिरफ्तारी से राहत नहीं मिल सकी। अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 एवं विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) रेखा सिंह ने उसकी दूसरी अग्रिम जमानत अर्जी भी खारिज कर दी। इस मामले की शुरूआत पेट्रोल पंप पर हुई एक प्रशासनिक छापेमारी से हुई थी। 23 जून 2020 को जानसठ के तत्कालीन एसडीएम के निर्देश पर पूर्ति निरीक्षक अनुज कुमार सिंह ने टीम के साथ रुड़कली स्थित भारत फिलिंग स्टेशन की जांच की थी। मौके पर मिले सेल्समैन नसीम ने पेट्रोल पंप का संचालन शाहआलम निवासी चौरावाला और शाहरून निवासी तेवड़ा द्वारा किए जाने की जानकारी दी थी। जांच टीम को पेट्रोल पंप की डिस्पेंसिंग मशीन और कमरे में रखे कैन में पेट्रोलियम पदार्थ मिले थे। इनके नमूने लेकर सील किए गए और जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला निवाड़ी, गाजियाबाद भेजे गए। प्रयोगशाला की रिपोर्ट में नमूनों में हाई स्पीड डीजल और पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन साल्वेंट की पुष्टि हुई थी।

छापेमारी के बाद हुआ था जानलेवा अग्निकांड

छापेमारी के लगभग एक महीने बाद 21 जुलाई 2020 को इसी पेट्रोल पंप पर अवैध रूप से संग्रहीत पेट्रोलियम पदार्थों में आग लग गई थी। आग इतनी भीषण थी कि इसकी चपेट में आकर रुड़कली निवासी फुरकान और जौली गांव निवासी साजिद की मौत हो गई थी। हादसे में अयाज भी झुलसकर घायल हुआ था। दो कर्मचारियों की मौत के बाद पेट्रोल पंप पर पेट्रोलियम पदार्थों के अवैध भंडारण का मामला गंभीर हो गया था। पुलिस ने विवेचना पूरी करने के बाद तीन सितंबर 2021 को न्यायालय में आरोप-पत्र दाखिल किया था। इसके बाद आरोपित के अदालत में पेश नहीं होने पर उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए। गिरफ्तारी से बचने के लिए शाहआलम ने दूसरी बार अग्रिम जमानत की मांग करते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) रेखा सिंह ने मामले की सुनवाई के बाद शाहआलम की दूसरी अग्रिम जमानत अर्जी भी निरस्त कर दी।

मुजफ्फरनगर में हाईकोर्ट के डंडे से खुला रूद्रा बायोमेडिकल प्लांट का गेट: सवा साल बाद हटा ग्रामीणों का धरना

भोपा रोड पर चांदपुर के पास भारी पुलिस बल के बीच प्रशासन ने हटवाईं ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, रास्ता साफ, कंपनी शुक्रवार से प्लांट शुरू करने का करेगी दावा

मुजफ्फरनगर। इलाहाबाद हाईकोर्ट के कड़े आदेशों के बाद मुजफ्फरनगर प्रशासन ने गुरुवार को भोपा रोड स्थित चांदपुर के निकट बने रुद्रा बायोमेडिकल प्लांट के सामने से सवा साल पुराना ग्रामीणों का धरना और रास्ते की नाकेबंदी खत्म करा दीं।उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शुभम श्रीवास्तव और पुलिस उपाधीक्षक (CO) राजू कुमार साव की अगुवाई में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में प्लांट के रास्ते में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को हटवा दिया गया, जिससे प्लांट तक जाने का रास्ता साफ हो गया। 5 जून 2025 से जारी था विरोध, प्रशासन व पुलिस ने संभाला मोर्चा

ज्ञात हो कि स्थानीय ग्रामीण 5 जून 2025 से प्लांट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे और उन्होंने प्लांट के मुख्य गेट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर रास्ता पूरी तरह से जाम कर दिया था। ग्रामीणों का



आरोप था कि प्लांट से निकलने वाले अपशिष्ट और प्रदूषण से स्वास्थ्य और पर्यावरण को खतरा है।

इस लंबे गतिरोध के चलते प्लांट का संचालन पूरी तरह ठप पड़ा था। प्रशासन की कार्रवाई और कंपनी का दावा मामले के तूल पकड़ने और हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद, अदालत ने प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में गुरुवार को यह प्रशासनिक कार्रवाई की गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और शांतिपूर्ण ढंग से अवरोधकों को हटाया। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया।

शुक्रवार से अपना प्लांट चालू करने का दावा

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, अब कंपनी प्रबंधन शुक्रवार से अपना प्लांट चालू करने का दावा कर रहा है। वहीं, ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीणों को अब अपनी आपत्तियां और पक्ष अदालत के समक्ष रखने का विकल्प दिया गया है।

ग्रामीणों का धरना भी हुआ खत्म अब अदालत में होगी कानूनी लड़ाई सवा साल से चला आ रहा धरना भले ही खत्म हो गया हो और गेट खुल गया हो, लेकिन रुद्रा बायोमेडिकल प्लांट को लेकर ग्रामीणों और कंपनी के बीच की तकरार अब सीधे अदालत के गलियारों में पहुंच गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी लड़ाई जमीन पर खत्म हुई है, लेकिन कानूनी रूप से वे अपनी बात कोर्ट में मजबूती से रखेंगे। फिलहाल, प्लांट के आसपास तनावपूर्ण शांति है और पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

17 साल पुराने पुलिस मुठभेड़ के मुकदमे में बड़ा फैसला, चार आरोपित दोषमुक्त

जीआईसी मैदान में बदमाशों से मुठभेड़ और पुलिस पर जानलेवा हमले का था आरोप, न्यायालय ने पुलिस की कहानी पर उठाए सवाल, स्वतंत्र गवाहों की गैरमौजूदगी और बयानों में विरोधाभास से कमजोर पड़ा अभियोजन पक्ष

मुजफ्फरनगर। पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने, फायरिंग करने और अवैध हथियार रखने के करीब 17 साल पुराने मामले में न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-1 ने चार आरोपितों को दोषमुक्त कर दिया। न्यायालय ने अपने निर्णय में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों को अपर्याप्त और अविश्वसनीय माना। खास बात यह रही कि कथित मुठभेड़ सार्वजनिक स्थान पर होने के बावजूद पुलिस किसी स्वतंत्र गवाह को न्यायालय में पेश नहीं कर सकी। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के बयानों में भी कई महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आए।

जीआईसी मैदान में सात-आठ बदमाशों के मौजूद होने की मिली थी सूचना

अभियोजन के अनुसार, 21 दिसंबर 2009 को एसआई अमन सिंह एंटी ऑटो थेफ्ट सेल की टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में निकले थे। इसी दौरान रोडवेज बस स्टैंड के पास पुलिस टीम को सूचना मिली कि जीआईसी मैदान में पुराने स्टेज के पास सात-आठ बदमाश बैठे हैं। बताया गया था कि यह गिरोह रोडवेज बसों में यात्रियों के बैग और अटैची चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की थी। पुलिस का दावा था कि टीम को देखकर बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से दो फायर किए थे। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर सुबह करीब 5:20 बजे सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से तमंचे, कारतूस, चाकू, नकदी और मोबाइल फोन बरामद होने का दावा किया था। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने वसीम, राशिद, सरफराज, सलीम, इमरान उर्फ वकील, शमशाद और अखलाक के खिलाफ अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए थे।

अलग-अलग होती रहीं पत्रावलियां, लंबी चली न्यायिक प्रक्रिया

मामले की सुनवाई के दौरान आरोपितों की पत्रावलियां अलग-अलग होती रहीं। इमरान की पत्रावली 18 सितंबर 2012 को अलग कर दी गई थी। इसके बाद राशिद की पत्रावली 21 मार्च 2018 को अलग हुई। वहीं शमशाद की मृत्यु हो जाने के कारण 21 मार्च 2022 को उसके खिलाफ न्यायिक कार्रवाई समाप्त कर दी गई थी। इस तरह मामला कई चरणों से गुजरता हुआ न्यायालय तक पहुंचा। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने अभियोजन के साक्ष्यों का परीक्षण किया तो कई अहम कमियां सामने आईं। न्यायालय ने पाया कि कथित घटना स्थल सार्वजनिक स्थान था, इसके बावजूद अभियोजन किसी स्वतंत्र गवाह को पेश नहीं कर सका। पूरा मामला पुलिसकर्मियों की गवाही पर आधारित रहा। पुलिसकर्मियों के बयानों में भी फायरिंग, गिरफ्तारी और बरामदगी को लेकर विरोधाभास पाए गए।

फायरिंग का दावा, लेकिन न घायल मिला और न खोखों का भरोसेमंद साक्ष्य

न्यायालय ने यह भी पाया कि पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग किए जाने का दावा किया गया था, लेकिन इस घटना में किसी पुलिसकर्मी के घायल होने का प्रमाण सामने नहीं आया। मौके से फायरिंग के खोखे बरामद होने के संबंध में भी विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इन परिस्थितियों में अभियोजन पक्ष पुलिस पर जानलेवा हमला किए जाने के आरोपों को ठोस साक्ष्यों के आधार पर साबित करने में विफल रहा।

करीब 17 साल तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-1 ने वसीम, अखलाक सैफी, सलीम और सरफराज को दोषमुक्त कर दिया। न्यायालय ने अभियोजन के साक्ष्यों को अपर्याप्त और अविश्वसनीय मानते हुए आरोप साबित नहीं होना माना। इस फैसले के साथ ही पुलिस पर जानलेवा हमले और अवैध हथियारों से जुड़े इस पुराने मुकदमे में चार आरोपितों के खिलाफ चली लंबी न्यायिक कार्रवाई समाप्त हो गई।

चेक बाउंस के आरोपी को बड़ी राहत, अदालत ने आधा किया अंतरिम मुआवजा, 20 प्रतिशत की जगह अब 10 प्रतिशत ही देना होगा

मुजफ्फरनगर। चेक बाउंस के मामलों में अंतरिम मुआवजे की रकम तय करने को लेकर मुजफ्फरनगर की विशेष अदालत ने महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था स्पष्ट की है। अदालत ने कहा है कि परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 143ए के तहत चेक की रकम का अधिकतम 20 प्रतिशत तक अंतरिम मुआवजा देने का प्रावधान जरूर है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि प्रत्येक मामले में आरोपी पर 20 प्रतिशत मुआवजे का ही बोझ डाला जाए। मुआवजे की दर तय करने के लिए न्यायालय को उचित कारणों पर विचार करना चाहिए। इसी आधार पर विशेष न्यायाधीश (एससी-एसटी एक्ट) डॉ. विजय कुमार की अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले में निचली अदालत द्वारा निर्धारित 20 प्रतिशत अंतरिम मुआवजे को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया। इस आदेश से आरोपी को अंतरिम मुआवजे की देनदारी में सीधे 50 प्रतिशत की राहत मिली है। मामला मेरठ जिले के इंचौली थाना क्षेत्र के गांव रामपुर साधू नंगली निवासी महताब पुत्र नसरुद्दीन और मुजफ्फरनगर के शेरपुर निवासी मौहब्बत अली के बीच लेनदेन से जुड़ा है। परिवादी मौहब्बत अली ने महताब के खिलाफ चेक बाउंस का परिवाद दाखिल किया था। परिवाद के अनुसार, महताब ने कंबल के कारोबार के लिए पांच महीने की अवधि के वास्ते 8.50 लाख रुपये उधार मांगे थे। कारोबारी जरूरत के चलते यह रकम दिए जाने के बाद उसके भुगतान के लिए तीन चेक दिए गए थे। इनमें सात लाख रुपये, एक लाख रुपये और पांच लाख रुपये के चेक शामिल थे। चेक भुगतान को लेकर विवाद होने के बाद मामला न्यायालय पहुंच गया।

निचली अदालत ने 20 प्रतिशत अंतरिम मुआवजा जमा करने का दिया था आदेश

मामले की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त न्यायालय (धारा 138 एनआई एक्ट) ने 17 मई 2024 को आरोपी महताब को कुल धनराशि का 20 प्रतिशत अंतरिम मुआवजा परिवादी को देने का आदेश दिया था। इसके लिए 60 दिन की समयसीमा निर्धारित की गई थी। इस आदेश के तहत आरोपी पर अधिकतम निर्धारित सीमा के अनुसार अंतरिम मुआवजे का भार डाला गया था। आरोपी ने इस आदेश को चुनौती देते हुए आपराधिक निगरानी दाखिल कर दी।

आरोपी ने उठाया पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलने का मुद्दा

आरोपी महताब की ओर से न्यायालय में दलील दी गई कि अंतरिम मुआवजा निर्धारित करने के बिंदु पर उसे अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया। इसके साथ ही 20 प्रतिशत मुआवजा निर्धारित किए जाने के औचित्य पर भी सवाल उठाए गए। आरोपी की ओर से कहा गया कि कानून में 20 प्रतिशत तक मुआवजा देने का प्रावधान है, लेकिन अधिकतम सीमा को प्रत्येक मामले में लागू करना जरूरी नहीं है। इसलिए निचली अदालत के आदेश पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

आपराधिक निगरानी पर सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश (एससी-एसटी एक्ट) डॉ. विजय कुमार ने दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार किया। अदालत ने परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 143ए के प्रावधानों का परीक्षण करते हुए पाया कि इस धारा के तहत चेक की रकम का अधिकतम 20 प्रतिशत तक अंतरिम मुआवजा देने की व्यवस्था है। हालांकि, कानून में अधिकतम सीमा निर्धारित होने का अर्थ यह नहीं है कि न्यायालय प्रत्येक मामले में पूरी 20 प्रतिशत राशि देने का आदेश दे। अदालत ने माना कि अंतरिम मुआवजे की दर निर्धारित करते समय न्यायालय को मामले की परिस्थितियों और उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखना चाहिए। अधिकतम 20 प्रतिशत मुआवजा निर्धारित करने के लिए निचली अदालत ने अपने आदेश में कोई युक्तियुक्त कारण स्पष्ट नहीं किया था।

फर्जी बैनामा व कब्जे के प्रयास में चर्चित तसनीम उर्फ लाल्ला समेत पांच पर मुकदमा

मुजफ्फरनगर। चरथावल कस्बे में जमीन के फर्जी बैनामे तैयार कर अवैध कब्जा करने के प्रयास में चर्चित तसनीम उर्फ लाल्ला की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। न्यायालय सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट संख्या-2 के आदेश पर चरथावल पुलिस ने तसनीम समेत चार नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार कस्बा चरथावल के मोहल्ला मुर्दापट्टी निवासी कुमारी लाईबा पुत्री शमशेर ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने 2 सितंबर 2024 को मौजा चरथावल स्थित खसरा संख्या 3190 में 320 वर्गगज (0.0265 हेक्टेयर) भूमि का बैनामा असल मालिक फुरकान पुत्र अख्तर निवासी कुटेसरा से कराया था। बैनामे के बाद उन्हें मौके पर कब्जा भी मिल गया था। आरोप है कि कस्बा निवासी तसनीम पुत्र मुस्तफा, इन्तजार पुत्र शरफूद्दीन, नौशाद पुत्र अब्दुल करीम और शमशाद पुत्र अब्दुल करीम ने एक राय होकर धोखाधड़ी से उक्त खसरा नंबर में अपने हिस्से से अधिक भूमि के फर्जी बैनामे आपस में करा लिए। इन्हीं अवैध बैनामों के आधार पर आरोपियों ने 26 अगस्त 2026 को पीड़िता की भूमि पर जबरन क



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



पूर्व विधायक शाहनवाज राणा पर 75 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा, दोनों बेटे भी नामजद, फैक्ट्री के फर्जी दस्तावेज दिखाकर लोहा मंगवाने का आरोप

भुगतान मांगने पर हत्या की धमकी देने का दावा, बीएनएस की पांच धाराओं में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चर्चित राजनीतिक और कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखने वाले पूर्व विधायक शाहनवाज राणा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। जीएसटी टीम की कार्रवाई के विरोध में हुए बलवे के मामले में गिरफ्तारी, बाद में जमानत और फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी तथा समन की कार्रवाई के बीच अब उनके खिलाफ 75 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी का नया मुकदमा दर्ज हुआ है। इस मामले में शाहनवाज राणा के साथ उनके दोनों बेटों आजम शाह राणा और अब्दुल अहद राणा को भी आरोपी बनाया गया है। तीनों पर आरोप है कि उन्होंने उत्तराखंड के मंगलौर स्थित एक फैक्ट्री का मालिक बताकर कारोबारी को विश्वास में लिया और उससे दो बार में 75 लाख रुपये का स्क्रैप तथा स्पंज आयरन मंगवा लिया। माल की आपूर्ति के समय 20 दिन में भुगतान करने का भरोसा दिया गया, लेकिन आरोप है कि रकम देने के बजाय लगातार टालमटोल की जाती रही। कारोबारी ने यह भी आरोप लगाया है कि फैक्ट्री के मालिकाना हक से संबंधित कथित फर्जी दस्तावेज दिखाकर उसे झांसे में लिया गया और जब उसने अपनी रकम मांगी तो उसे तथा उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी गई। एसएसपी को दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर नई मंडी कोतवाली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की पांच धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नई मंडी थाना क्षेत्र की भरतिया कॉलोनी निवासी जितेंद्र चौधरी पुत्र राजवीर सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह लोहे के स्क्रैप और स्पंज आयरन की खरीद-फरोख्त का कारोबार करता है।



उसकी पहचान मेरठ रोड सुजडू निवासी शाहनवाज राणा पुत्र बदर राणा से थी। शिकायत के अनुसार सितंबर 2024 में एक विवाह समारोह के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। इसी दौरान शाहनवाज राणा ने उसे अपनी फैक्ट्री यूपी बोन मित्स प्राइवेट लिमिटेड, मंगलौर, जनपद हरिद्वार (उत्तराखंड) आने के लिए कहा। फैक्ट्री में लोहे के कारोबार को लेकर बातचीत करने और आगे व्यावसायिक संबंध बनाने का प्रस्ताव भी दिया गया। शिकायत के मुताबिक शाहनवाज राणा के निमंत्रण पर जितेंद्र चौधरी अपने बेटे भीम चौधरी के साथ मंगलौर स्थित फैक्ट्री पहुंचा था। वहां शाहनवाज राणा के दोनों बेटे आजम शाह राणा और अब्दुल अहद राणा भी मौजूद थे। कारोबारी का आरोप है कि शाहनवाज राणा ने फैक्ट्री को अपनी बताते हुए उससे संबंधित दस्तावेज भी दिखाए। फैक्ट्री और उसके दस्तावेजों के बारे में जानकारी देने के बाद तीनों ने उससे स्क्रैप और स्पंज आयरन की नियमित सप्लाई करने को कहा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि फैक्ट्री में माल पहुंचने के 20 दिन बाद उसका भुगतान कर दिया जाएगा। शिकायतकर्ता का कहना है कि फैक्ट्री के दस्तावेज देखकर और तीनों की बातों पर विश्वास करके उसने माल की आपूर्ति करने का निर्णय लिया। कारोबारी के अनुसार भरोसे के आधार पर उसने सितंबर 2024 में पहली बार करीब 40 लाख रुपये का स्क्रैप और स्पंज आयरन यूपी बोन मित्स प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री में सप्लाई किया। माल की आपूर्ति के समय उसे उम्मीद थी कि तय समय के अनुसार 20 दिन के भीतर भुगतान मिल जाएगा। कारोबारी का कहना है कि उस समय तक उसे किसी प्रकार की गड़बड़ी का अंदेशा नहीं हुआ था।

आरोपियों की ओर से किए गए भुगतान के आश्वासन के आधार पर उसने कारोबार को आगे बढ़ाया और दूसरी खेप की आपूर्ति भी कर दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि सितंबर में 40 लाख रुपये के माल की सप्लाई के बाद नवंबर 2024 में उसने दोबारा करीब 35 लाख रुपये का स्क्रैप और स्पंज आयरन फैक्ट्री में भेजा। इस तरह दोनों खेप में कुल 75 लाख रुपये का माल वहां पहुंचाया गया।

स्कॉर्पियो कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता का गला घोंटकर मारने का प्रयास, घर से निकाला

शादी में 19 लाख रुपये खर्च और 10 लाख नकद देने के बावजूद ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं, अतिरिक्त दहेज में स्कॉर्पियो मांगने का आरोप

मुजफ्फरनगर। शादी में करीब 19 लाख रुपये खर्च करने और 10 लाख रुपये नकद देने के बावजूद ससुराल पक्ष की अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर एक विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल वाले विवाहिता पर स्कॉर्पियो कार लाने का दबाव बना रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की गई और पति ने गला घोंटकर जान लेने की कोशिश की। इसके बाद उसे केवल पहने हुए कपड़ों में घर से निकाल दिया गया। पीड़िता की शिकायत पर शहर कोतवाली पुलिस ने पति, ससुर, सास, चचिया सास और जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी में 19 लाख खर्च और 10 लाख रुपये नकद देने का दावा

शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता की शादी 20 फरवरी 2026 को बागपत जिले के बिराल थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर बिराल निवासी आशीष तोमर के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। विवाहिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शादी के अवसर पर उसके माता-पिता ने करीब 19 लाख रुपये खर्च किए थे। सोने-चांदी के आभूषण, कीमती कपड़े और घरेलू उपयोग का सामान स्त्रीधन के रूप में दिया गया था। इसके अलावा ससुराल पक्ष को 10 लाख रुपये नकद भी दिए गए थे। आरोप है कि शादी में दिए गए सामान और नकदी से पति आशीष तोमर, ससुर सुभाष तोमर, सास मुनेश तोमर, चचिया सास मंजू तोमर और जेठ मिक्की संतुष्ट नहीं थे। शादी के दूसरे दिन से ही कम दहेज लाने के ताने देकर विवाहिता को शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान किया जाने लगा। ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज में स्कॉर्पियो कार की मांग करने लगे। विवाहिता के अनुसार, उसे ताना दिया जाता था कि उनका बेटा यूपी पुलिस में है और शादी में स्कॉर्पियो कार मिलनी चाहिए थी। उससे अपने पिता से कार लेकर आने का दबाव बनाया जाता था। असमर्थता जताने पर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। विवाहिता ने आरोप लगाया कि 8 मार्च 2026 की सुबह उसके जेठ मिक्की, जो यूपी पुलिस में दरोगा बताए गए हैं, ने ससुर से कहा कि बार-बार कहने के बावजूद वह मायके से स्कॉर्पियो कार नहीं ला रही है और उसे जान से मार दिया जाए। इसके बाद जेठ, पति, ससुर और सास सहित अन्य लोगों ने एकराय होकर उसके साथ लात-घूंसों से बुरी तरह मारपीट की। आरोप है कि इसी दौरान पति आशीष तोमर ने जान से मारने की नीयत से उसका गला घोंट दिया। विवाहिता ने किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर शोर मचाया।

केवल पहने हुए कपड़ों में घर से निकाला

शिकायत के मुताबिक, मारपीट के बाद ससुराल वालों ने विवाहिता को केवल पहने हुए कपड़ों में धक्के देकर घर से बाहर निकाल दिया। उसे धमकी दी गई कि यदि ससुराल में रहना है तो मायके से स्कॉर्पियो कार लेकर आना होगा, अन्यथा उसे घर में नहीं रखा जाएगा। विवाहिता ने मायके पहुंचकर अपने परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद उसके पिता ससुराल पहुंचे और परिवार के लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि जेठ मिक्की ने उनके साथ भी गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया।

तीन माह में मुजफ्फरनगर पुलिस ने बरामद किए 256 गुमशुदा मोबाइल, 28 लाख रुपये कीमत के फोन लौटाए

रिजर्व पुलिस लाइन के मंदिर प्रांगण में एसएसपी सूरज कुमार राय ने पत्रकार वार्ता कर दी जानकारी, सीईआईआर पोर्टल और आधुनिक सर्विलांस तकनीक की मदद से विभिन्न स्थानों से बरामद किए मोबाइल; फोन वापस पाकर खिल उठे लोगों के चेहरे

मुजफ्फरनगर। जिले में मोबाइल फोन खोने के बाद उन्हें वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने राहत भरी खबर दी है। पुलिस की सर्विलांस सेल ने आधुनिक तकनीक और भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल की मदद से पिछले तीन माह के भीतर 256 गुमशुदा स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 28 लाख रुपये बताई गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने रिजर्व पुलिस लाइन स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सर्विलांस सेल द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की जानकारी पत्रकारों को दी। इसके बाद एसएसपी ने बरामद सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए।

एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में गुमशुदा और खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ के निकट पर्यवेक्षण तथा सर्विलांस सेल प्रभारी निरीक्षक रवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने लगातार काम किया। पिछले तीन माह के दौरान सर्विलांस सेल और जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस ने आपसी समन्वय बनाकर मोबाइल फोन की तलाश की। तकनीकी जानकारियों के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 256 स्मार्टफोन बरामद करने में सफलता हासिल की गई। खोए हुए मोबाइल फोन की तलाश में भारत सरकार द्वारा संचालित सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल का इस्तेमाल किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर के आधार पर उनकी पहचान और निगरानी की गई। इसके साथ ही आधुनिक सर्विलांस तकनीक से प्राप्त ट्रेसेबिलिटी विवरण के आधार पर मोबाइल फोन का पता लगाने में मदद मिली। पुलिस टीम ने तकनीकी जानकारियों का विश्लेषण करते हुए विभिन्न स्थानों से मोबाइल फोन बरामद किए। इस पूरी कार्रवाई में तकनीकी निगरानी और जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 19 नवंबर को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसएसपी सूरज कुमार राय ने बरामद किए गए सभी 256 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। लंबे समय से अपने मोबाइल फोन की तलाश कर रहे लोगों को जब उनके फोन वापस मिले तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। मोबाइल स्वामियों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए एसएसपी और सर्विलांस सेल की टीम का आभार जताया। कई लोगों के लिए मोबाइल फोन केवल बातचीत का साधन नहीं, बल्कि उनके जरूरी दस्तावेजों, संपर्कों और व्यक्तिगत जानकारियों का भी महत्वपूर्ण माध्यम होता है। ऐसे में खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने से लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ दूसरी परेशानियों से भी राहत मिली।



तेज रफ्तार कार ने भैंसा-बुग्गी में पीछे से मारी टक्कर, चाचा और बाइक सवार गंभीर घायल

तितावी क्षेत्र में नदी के पुल से पहले हुआ हादसा, टक्कर से भैंसा-बुग्गी क्षतिग्रस्त और भैंसे को भी आई गंभीर चोटें; कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से भैंसा-बुग्गी पर सवार व्यक्ति और पास से गुजर रहा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में भैंसा-बुग्गी क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि भैंसे को भी गंभीर चोटें आई हैं। दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में पीड़ित के भतीजे की तहरीर पर पुलिस ने कार के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीछे से तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

गांव बुड़ीना कलां निवासी धर्मेंद्र कुमार ने तितावी थाने में दी तहरीर में बताया कि उसके चाचा नीटू पुत्र सुखबीर सिंह 16 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 1:15 बजे धौलरा से तितावी चीनी मिल की ओर अपनी भैंसा-बुग्गी लेकर जा रहे थे। वह अपनी सही दिशा में चल रहे थे। आरोप है कि नदी के पुल से पहले पीछे से तेज गति से आ रही टाटा टियागो कार ने लापरवाही से चलाते हुए भैंसा-बुग्गी में जोरदार टक्कर मार दी।

भैंसा-बुग्गी क्षतिग्रस्त, भैंसे को भी गंभीर चोटें

टक्कर इतनी जोरदार थी कि भैंसा-बुग्गी क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें जुते भैंसे को गंभीर चोटें आईं। बुग्गी पर बैठे नीटू के शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें लगीं। हादसे के दौरान बुग्गी के बराबर से गुजर रही बाइक भी कार की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बाइक चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाए गए दोनों घायल

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल नीटू और बाइक चालक को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित पक्ष ने कार चालक पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज धर्मेंद्र कुमार की तहरीर पर तितावी थाना पुलिस ने टाटा टियागो कार संख्या एफ26एख1196 के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीएम कार्यालय में सरकारी गाड़ी लगाने के नाम पर 60 हजार रुपये की सिक्योरिटी ली, दो माह का किराया और डीजल का भुगतान भी नहीं किया

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी कार्यालय में बोलेरो गाड़ी लगवाने का अनुबंध होने का झांसा देकर वाहन मालिक से 60 हजार रुपये सिक्योरिटी के नाम पर लेने और दो माह का किराया व डीजल का भुगतान नहीं करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गाड़ी को सरकारी कार्यालय में लगा हुआ बताकर वाहन मालिक को गुमराह किया गया। इतना ही नहीं, बोलेरो के आगे और पीछे फर्जी तरीके से ह्यउत्तर प्रदेश सरकारह्ण भी लिखवा रखा था। जब वाहन मालिक ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जानकारी की तो पता चला कि उसके वाहन का कार्यालय में कोई अनुबंध ही नहीं है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी और गाली-गलौज सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है चरथावल थाना क्षेत्र के गांव दुधली निवासी अंकज शर्मा पुत्र जयचंद शर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी बोलेरो गाड़ी संख्या UP12CF9968 को अंकित पाल पुत्र सतीश कुमार निवासी शाहबुद्दीनपुर रोड, सरोज पैलेस, रामपुरी, मुजफ्फरनगर ने अपने पास लगवाया था। आरोपी ने खुद को पाल इंटरप्राइजेज का संचालक बताते हुए फर्म का जीएसटी नंबर भी बताया था। उसने वाहन मालिक को भरोसा दिलाया था कि उसका जिलाधिकारी कार्यालय में गाड़ी लगाने का अनुबंध है और इसी अनुबंध के तहत उनकी बोलेरो सरकारी कार्यालय में लगाई जाएगी। सिक्योरिटी के नाम पर लिए 60 हजार रुपये, 42 हजार मासिक किराया देने की बात

पीड़ित के अनुसार आरोपी ने 24 फरवरी 2026 को सिक्योरिटी के नाम पर उससे 60 हजार रुपये ले लिए थे। इसके बदले में तय हुआ था कि आरोपी उसे प्रतिमाह 42 हजार रुपये वाहन किराये के रूप में देगा। साथ ही गाड़ी में इस्तेमाल होने वाले डीजल का खर्च भी अलग से भुगतान करने की बात कही गई थी। वाहन मालिक ने आरोपी की बातों पर भरोसा कर अपनी बोलेरो उसके सुपुर्द कर दी। आरोप है कि वाहन का इस्तेमाल करने के बावजूद आरोपी ने दो माह का किराया 84 हजार रुपये और डीजल के 10 हजार रुपये का भुगतान नहीं किया। इस तरह सिक्योरिटी के 60 हजार रुपये सहित कुल 1 लाख 54 हजार रुपये आरोपी पर बकाया हो गए। वाहन मालिक ने कई बार आरोपी से अपने रुपये मांगे, लेकिन हर बार उसे टाल दिया गया और भुगतान नहीं किया गया।

डीएम कार्यालय में पहुंचकर की जानकारी तो खुली पोल

मामले में उस समय नया मोड़ आया, जब वाहन मालिक को आरोपी की बातों पर संदेह हुआ। उसने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी बोलेरो गाड़ी के अनुबंध और वहां लगाए जाने के संबंध में जानकारी की। आरोप है कि कार्यालय की ओर से स्पष्ट कर दिया गया कि बोलेरो संख्या यूपी12सीएफ9968 उनके कार्यालय में लगी ही नहीं है और न ही उक्त वाहन का कोई अनुबंध है। इसके बाद वाहन मालिक को अपने साथ धोखाधड़ी होने का अहसास हुआ। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे सरकारी कार्यालय में गाड़ी लगाने का झांसा देकर गुमराह किया था।

कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को लेकर पुलिस अलर्ट, भाकियू पदाधिकारियों के साथ एसपी देहात ने की अहम बैठक

शुक्रतीर्थ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए तैयारियों पर हुई चर्चा, वाहनों के निर्धारित मार्ग, रूट डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था की दी जानकारी; पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील

मुजफ्फरनगर। शुक्रतीर्थ में आयोजित होने वाले कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के साथ यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मेले की व्यवस्थाओं और यातायात प्रतिबंधों को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पदाधिकारियों को पुलिस एवं प्रशासन की ओर से की गई तैयारियों की जानकारी देते हुए निर्धारित यातायात व्यवस्था का पालन कराने और मेले को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग की अपील की। 19 नवंबर को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने अपने कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक एवं वार्ता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने देना और मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखना रहा। इस दौरान मेले में सुरक्षा, वाहनों के आवागमन और यातायात नियंत्रण को लेकर विस्तार से जानकारी साझा की गई। एसपी देहात ने भाकियू पदाधिकारियों को बताया कि शुक्रतीर्थ में आयोजित होने वाले गंगा स्नान मेले को लेकर पुलिस एवं प्रशासन पूरी गंभीरता से तैयारियों में जुटा है। उच्चाधिकारियों की ओर से दिए गए दिशा-निदेशों के अनुसार सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित किया जा रहा है, ताकि बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को गंगा स्नान और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। वाहनों के लिए निर्धारित होंगे मार्ग, डायवर्जन पर भी



चर्चा बैठक में मेले के दौरान वाहनों के आवागमन को नियंत्रित रखने के लिए निर्धारित किए गए मार्गों की जानकारी दी गई। एसपी देहात ने बताया कि श्रद्धालुओं की संख्या और यातायात के दबाव को देखते हुए वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। आवश्यकतानुसार रूट डायवर्जन लागू किया जाएगा, जिससे मेला क्षेत्र में अनावश्यक भीड़ और जाम की स्थिति पैदा न हो। इसके साथ ही वाहनों के प्रवेश, निकास और पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी पदाधिकारियों को जानकारी दी गई। पुलिस का प्रयास रहेगा कि श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा कराया जाए और मेला क्षेत्र के भीतर यातायात का दबाव नियंत्रित रखा जाए। यातायात प्रतिबंधों को भी आवश्यकता के अनुसार लागू किया जाएगा, ताकि मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम रास्ता मिल सके। एसपी देहात ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के साथ यातायात प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण है। पुलिस एवं प्रशासन की प्राथमिकता है कि श्रद्धालुओं को गंगा स्नान के लिए पहुंचने और वापस लौटने में किसी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए निर्धारित मार्गों और यातायात नियमों का पालन कराना जरूरी है। उन्होंने पदाधिकारियों को मेले के दौरान पुलिस-प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निदेर्शों का पालन सुनिश्चित कराने में सहयोग करने को कहा। साथ ही यातायात व्यवस्था में अनावश्यक बाधा उत्पन्न न होने देने और लोगों को निर्धारित मार्गों के संबंध में जागरूक करने की अपील की। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों से कहा कि मेला सकुशल संपन्न कराने में सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों का सहयोग भी महत्वपूर्ण है।

अपराधियों पर शिकंजा कसने और लंबित मामलों के खुलासे में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: एसएसपी सूरज कुमार राय

अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की पाक्षिक समीक्षा गोष्ठी में एसएसपी ने थाना प्रभारियों को दिए कड़े निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ अपराध एवं कानून-व्यवस्था की पाक्षिक समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित गोष्ठी में हत्या, लूट, डकैती, बलवा, गृहभेदन, वाहन चोरी, मोबाइल छीनने, अपहरण, दहेज हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों की समीक्षा की गई। एसएसपी ने पिछले वर्ष की समान अवधि के आंकड़ों से तुलनात्मक समीक्षा करते हुए अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, लंबित मामलों का शीघ्र खुलासा करने और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



रिजर्व पुलिस लाइन में जुटे जिले के पुलिस अधिकारी

19 नवंबर को आयोजित समीक्षा गोष्ठी में एसएसपी सूरज कुमार राय ने जिले में पुलिस की ओर से किए जा रहे कार्यों और अपराध नियंत्रण की स्थिति का बिंदुवार जायजा लिया। बैठक में एसपी सिटी अमृत जैन, एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक, एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ, सीओ नई मंडी राजू कुमार साव, सीओ बुढ़ाना गजेन्द्र पाल सिंह, सीओ जानसठ ऋषिका सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग कुमार सहित जनपद के सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। एसएसपी ने अधिकारियों से उनके क्षेत्रों में अपराध की स्थिति, पुलिस कार्रवाई और लंबित मामलों की जानकारी ली। साथ ही अपराधों की रोकथाम के लिए अपनाई जा रही रणनीति की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। गोष्ठी में जिले में घटित प्रमुख अपराधों की पिछले वर्ष की समान अवधि से तुलनात्मक समीक्षा की गई। इसमें डकैती, लूट, हत्या, बलवा, गृहभेदन, वाहन चोरी, मोबाइल छीनने, अपहरण, दहेज हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध शामिल रहे। एसएसपी ने अपराधों के आंकड़ों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अपराध की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंभीर अपराधों में शामिल अभियुक्तों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाए और किसी भी घटना को हल्के में न लिया जाए। अपराध होने की स्थिति में तत्काल पुलिस कार्रवाई के साथ साक्ष्य जुटाने और आरोपियों तक पहुंचने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। अनावरण को शेष मुकदमों का जल्द हो खुलासा समीक्षा बैठक में उन मुकदमों की भी जानकारी ली गई, जिनका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। एसएसपी ने अनावरण को शेष अभियोगों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को इन मामलों का जल्द से जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विभिन्न अपराधों में वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी की स्थिति भी जांची गई। उन्होंने निर्देश दिए कि वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। गंभीर मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। लंबित विवेचनाओं को केवल

दो लाख रुपये के दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकाला, मासूम बच्ची भी छीनी

शादी में 10 से 12 लाख रुपये खर्च करने के बावजूद अतिरिक्त दहेज की मांग का आरोप, विरोध करने पर पति और ससुरालियों ने की मारपीट

मुजफ्फरनगर। दहेज में दो लाख रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर एक विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट कर घर से निकालने और उसकी मासूम बच्ची को जबरन अपने पास रखने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग विवाहिता पर मायके से दो लाख रुपये लाने का दबाव बना रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसे भूखा-प्यासा रखकर कमरे में बंद किया जाता था और उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की जाती थी। आरोप है कि करीब डेढ़ साल पहले विवाहिता को केवल पहने हुए कपड़ों में घर से निकाल दिया गया और उसकी बच्ची को देवर ने जबरन अपने पास रख लिया। बाद में आरोपी मायके पहुंच गए और वहां विवाहिता, उसकी मां तथा भाई के साथ भी मारपीट की। पीड़िता की मां की तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने पति समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधवा मां ने 10 से 12 लाख रुपये खर्च कर की थी बेटी की शादी

शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति का करीब 15-16 वर्ष पहले निधन हो गया था। इसके बाद उसने अकेले ही अपनी बेटी का पालन-पोषण किया। महिला के अनुसार, 27 नवंबर 2023 को उसने अपनी बेटी की शादी हरिद्वार जिले के सिडकुल थाना क्षेत्र की शिव विहार कॉलोनी, सलेमपुर बहादराबाद निवासी शुभम के साथ हिंदू रीति-रिवाज से की थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उसने इधर-उधर से इंतजाम कर शादी में करीब 10 से 12 लाख रुपये खर्च किए थे। शादी में उपहार स्वरूप मोटरसाइकिल, फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन, सोने-चांदी के आभूषण, कीमती कपड़े, घरेलू उपयोग का सामान और नकदी दी गई थी। इसके बावजूद पति शुभम, ससुर राधेश्याम, सास पुष्पा और देवर मोहित दिए गए सामान से खुश नहीं थे। शिकायत के मुताबिक, शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता पर मायके से दो लाख रुपये लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। विवाहिता ने यह बात अपनी मां, भाई और अन्य परिजनों को बताई। इसके बाद मां और परिवार के अन्य लोगों ने ससुराल पक्ष से बातचीत की। उस समय आरोपियों ने माफी मांगते हुए भविष्य में अतिरिक्त दहेज की मांग नहीं करने और विवाहिता को ठीक से रखने का भरोसा दिया था। आरोप है कि कुछ दिन तक सब ठीक रहा, लेकिन इसके बाद फिर से दो लाख रुपये की मांग शुरू कर दी गई। मांग का विरोध करने पर विवाहिता के साथ मारपीट की जाने लगी। सास पुष्पा और देवर मोहित बात-बात पर ताने देते थे और पति को विवाहिता के साथ मारपीट करने के लिए उकसाते थे।

बेटी के जन्म के बाद बढ़ गया उत्पीड़न

महिला ने शिकायत में बताया कि 15 सितंबर 2024 को विवाहिता ने एक बेटी को जन्म दिया था। आरोप है कि बच्ची के जन्म के बाद ससुराल पक्ष के लोगों के व्यवहार में सुधार होने के बजाय और अधिक क्रूरता आ गई। विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाने लगा। उसके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जाता था। कई बार उसे भूखा-प्यासा रखकर कमरे में बंद कर दिया जाता था। लगातार प्रताड़ना के चलते विवाहिता मानसिक तनाव में रहने लगी थी। वह ससुराल में डरी-सहमी रहती थी। आरोप है कि पति और अन्य परिजन उसे लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी करने के लिए दबाव में रखते थे। शिकायत के अनुसार, 18 जून 2025 को पति शुभम, ससुर राधेश्याम, सास पुष्पा और देवर मोहित ने एकराय होकर विवाहिता के साथ गाली-गलौज और मारपीट की।

संपादकीय

हिंद-प्रशांत में प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग पर भारत का जोर

फिलीपींस की राजधानी मनीला में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान शिखर सम्मेलन और इसके साथ ही आयोजित हो रहे क्वाड सम्मेलन के मौके पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा है, वह कई लिहाज से भारत की प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करता है। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत ने जिस तरह खुद को अलग-अलग मोर्चों पर संतुलन और सहयोग को प्राथमिकता देने वाले एक जिम्मेदार देश के रूप में सामने रखा है, उसके सकारात्मक नतीजे साफ देखे जा सकते हैं। गौरतलब है कि फिलीपींस की राजधानी मनीला में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान शिखर सम्मेलन और इसके साथ ही आयोजित हो रहे क्वाड सम्मेलन के मौके पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा है, वह कई लिहाज से भारत की प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करता है।आसियान के नेताओं से प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक स्वतंत्र, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विश्वास करता है तथा इसका भविष्य 'प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि सहयोग से' तय होना चाहिए। वहीं उच्चस्तरीय बैठक के बाद अपने साझा बयान में क्वाड देशों ने आतंकवाद की स्पष्ट निंदा के साथ-साथ किसी भी वैसी एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया, जिससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता प्रभावित होती है। साथ ही खुले और सुरक्षित साइबर क्षेत्र के लिए मिलकर काम करने की बात कही।जाहिर है, भारत का संकेत फिलहाल दुनिया भर में जारी उन तनाव, टकराव और संघर्षों की ओर है, जिसमें सहयोग के बजाय वर्चस्व कायम करने की मंशा से प्रतिस्पर्धा को एक प्राथमिक रास्ता माना जाने लगा है। खासतौर पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर उभर रही चिंताएं किसी से छिपी नहीं हैं। इसलिए भारत ने अगर प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग को महत्त्व देने की बात कही है, तो इसके मायने स्पष्ट हैं।हालांकि अलग-अलग असमान देशों के बीच अगर सहयोग की अनदेखी करके प्रतिस्पर्धा का तत्त्व हावी होता है, तो उसमें विकासशील और कमजोर देशों के लिए क्या जगह बचेगी, यह समझना मुश्किल नहीं है। इस लिहाज से देखें तो भारत का पक्ष एक स्वतंत्र और समावेशी वैश्विक दृष्टि की वकालत करता है, जिसमें कमजोर देशों के साथ सहयोग ही एक बेहतर विश्व के निर्माण की संभावना को मजबूत कर सकता है। यों भी भारत आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी को विशेष महत्त्व देता है और वैश्विक शांति तथा स्थिरता के साथ-साथ भविष्य को लेकर अनिश्चितता दूर करने के लिए मिलकर काम करने का हामी रहा है।गौरतलब है कि आसियान को इस क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है। इसमें क्वाड देश यानी भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद साझेदार हैं। भारत की 'एक्ट-ईस्ट' नीति के तहत बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत-आसियान के बीच सहयोग को नई मजबूती मिली है।दोनों पक्षों के बीच पूर्व चेतावनी प्रणालियों को बेहतर बनाने, उपग्रहों और मौसम संबंधी आंकड़ों को साझा करने, आपदाओं से निपटने की तैयारियों के लिए मिलकर अभ्यास करने पर सहमति बनी है। इसके अलावा, भारत की ओर से पेश प्रस्तावों में दीर्घकालिक 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग योजना' भी शामिल है।

जेलों में 73.5 फीसदी कैदी विचाराधीन, 10 हजार से ज्यादा पांच साल से बंद, हर चार में से करीब तीन पर नहीं आया अंतिम फैसला

डिजिटल शिक्षा उपयोगी हो सकती है, हालांकि सुरक्षा नियमों के कारण इंटरनेट और उपकरणों के इस्तेमाल की सीमाओं का ध्यान रखना होगा। लंबे समय तक हिरासत में रहने के बाद दोषमुक्त हुए लोगों के शैक्षिक पुनर्वास के लिए भी अलग व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को उनकी परिस्थितियों को समझते हुए नियमों के भीतर विशेष अवसर देने चाहिए। पढ़ाई में आए व्यवधान को केवल अनुपस्थिति या समय-सीमा के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

(मनीष जैसल)

किसी युवा पर मुकदमा चलता है, तो उसके साथ उसका भविष्य भी अदालत की तारीखों के बीच उलझ जाता है। गिरफ्तारी और जेल में रहने के दौरान उसकी पढ़ाई छूट सकती है, नौकरी की संभावनाएं खत्म हो सकती हैं और परिवार आर्थिक संकट में घिर सकता है। इनमें से कई लोगों को आखिरकार अदालत से दोषमुक्त कर दिया जाता है। मगर तब तक जिंदगी के कई अहम साल बीत चुके होते हैं।

वे जेल से बाहर तो आ जाते हैं, लेकिन जिस उम्र में उन्हें पढ़ना, हुनर सीखना या अपने पैरों पर खड़ा होना था, वह समय लौटकर नहीं आता। सवाल है कि जब अदालत किसी व्यक्ति को दोषी नहीं मानती, तब न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उसकी शिक्षा और भविष्य को हुए नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

किसी पर आरोप लगना व अपराध साबित होना दो अलग बातें हैं। भारतीय न्याय व्यवस्था में अपराध सिद्ध होने तक आरोपी को दोषी नहीं मान सकते। इसके बावजूद गिरफ्तारी और लंबे समय तक विचाराधीन कैदी बने रहना उसके जीवन को इस तरह प्रभावित करता है कि अदालत से राहत मिलने पर भी वह पहले जैसी स्थिति में न लौट पाए। राहत व जीवन की क्षति की भरपाई के बीच यही अंतर समस्या की गंभीरता बताता है।



राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'प्रिजन स्टैटिस्टिक्स इंडिया 2023' रिपोर्ट के मुताबिक, 31 दिसंबर 2023 को देश की जेलों में कुल 5,30,333 कैदी थे। इनमें 3,89,910 विचाराधीन थे। यानी जेलों में कुल करीब 73.5 फीसद ऐसे थे, जिनके मामलों में अदालत का अंतिम फैसला नहीं आया था। इनमें 54,655 विचाराधीन कैदी एक-दो साल, 31,601 दो-तीन साल और 23,006 तीन-पांच साल से जेल में थे। वहीं, 10,392 लोग पांच साल से अधिक समय से जेल में बंद थे।

ये आंकड़े सभी आयु वर्गों के विचाराधीन कैदियों से संबंधित हैं। इसलिए इन्हें युवाओं की शिक्षा छूटने का सीधा प्रमाण नहीं माना जा सकता। युवावस्था में जेल में बिताया गया समय किसी व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन की दिशा बदल सकता है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2023 में विचाराधीन कैदियों की रिहाई की 15,35,182 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 14,41,335 रिहाइयां जमानत पर हुईं। इसके अलावा 53,291 विचाराधीन कैदी निचली अदालत से दोषमुक्त होने और 19,766 अपील में दोषमुक्त होने के बाद रिहा किए गए।

इन आंकड़ों के बीच शिक्षा का सवाल अपनी जगह बना रहता है। मान लिया जाए कि कोई विद्यार्थी दो साल जेल में रहा और बाद में दोषमुक्त हो गया। अदालत का फैसला उसके कानूनी मामले को समाप्त कर सकता है, लेकिन क्या छूटी परीक्षाएं लौट आएंगी? क्या कॉलेज में उसकी जगह सुरक्षित रहेगी? क्या वह उसी उम्र में स्नातक कर सकेगा, जिस उम्र में उसके साथ पढ़ने वाले दूसरे विद्यार्थी पढ़ाई पूरी कर चुके होंगे?

इसलिए शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। क्या कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उन विद्यार्थियों के लिए स्पष्ट व्यवस्था है, जिनकी पढ़ाई हिरासत के कारण बाधित हुई? क्या उन्हें परीक्षा देने, दोबारा प्रवेश लेने या पाठ्यक्रम पूरा करने के विकल्प बताए जाते हैं? संस्थान नियमों के दायरे में ऐसे विद्यार्थियों को विशेष अवसर व परामर्श दे सकते हैं। इससे उनकी पढ़ाई का रास्ता पूरी तरह बंद होने से बच सकता है। जेलों में शिक्षा व कौशल विकास की व्यवस्थाएं भी हैं। एनसीआरबी की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, उस वर्ष 56,383 बंदियों ने प्रारंभिक शिक्षा, 39,985 ने प्रौढ़ शिक्षा और 14,207 ने उच्च शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों का लाभ लिया। इसी अवधि में 7,133 बंदियों को कंप्यूटर पाठ्यक्रमों और 59,800 को विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षणों से जोड़ा गया। आंकड़े बताते हैं कि जेल में भी शिक्षा और कौशल विकास की संभावनाएं हैं।

इस दिशा में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) की भूमिका उल्लेखनीय है। इग्नू ने 2009 में जेल में बंद लोगों के लिए शुल्क माफी की व्यवस्था शुरू की थी। विश्वविद्यालय ने जेलों में अध्ययन केंद्र भी स्थापित किए। एनआईओएस ने भी बंदियों के लिए माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा के रास्ते खोले हैं। मान्यता प्राप्त जेल अध्ययन केंद्रों के माध्यम से उनका पंजीकरण किया जाता है और उन्हें निशुल्क शिक्षा दी जाती है।

ऐसी पहलें बताती हैं कि जेल में रहने का अर्थ सीखने की प्रक्रिया से पूरी तरह कट जाना नहीं होना चाहिए। शिक्षा केवल किताबों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। संवाद, साहित्य, लेखन और रचनात्मक अभिव्यक्ति भी सीखने का हिस्सा हैं।

जेल रेडियो औपचारिक शिक्षा का विकल्प नहीं है, लेकिन इसकी उपयोगिता कम नहीं। कार्यक्रम तैयार करने के लिए विषय चुनना, लिखना-पढ़ना, भाषा पर काम करना और श्रोताओं के सामने अपनी बात रखना पड़ता है। इससे बंदियों को संवाद और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर मिलते हैं। ऐसी गतिविधियां जेल के वातावरण को मानवीय बनाने के साथ पुनर्वास को भी मजबूती दे सकती हैं।

जेल में शिक्षा को अधिकार और पुनर्वास के साधन के रूप में देखने की अवधारणा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्वीकार की गई है। संयुक्त राष्ट्र ने भी निरक्षर और युवा बंदियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और जेलों की शिक्षा को सामान्य शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने पर भी जोर दिया है, ताकि रिहाई के बाद पढ़ाई जारी रखने में कठिनाई न हो।

भारत में जेलों की शिक्षा को केवल जेल प्रशासन की गतिविधि मानने के बजाय सामान्य शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना जरूरी है। विश्वविद्यालयों, मुक्त शिक्षा संस्थानों, राज्य शिक्षा विभागों और कौशल विकास संस्थाओं को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिसमें बंदियों को पढ़ाई जारी रखने और परीक्षा देने के अवसर मिलें। जेलों में शिक्षकों, पुस्तकालयों, अध्ययन सामग्री और परीक्षा केंद्रों की उपलब्धता का नियमित आकलन भी होना चाहिए।

डिजिटल शिक्षा उपयोगी हो सकती है, हालांकि सुरक्षा नियमों के कारण इंटरनेट और उपकरणों के इस्तेमाल की सीमाओं का ध्यान रखना होगा। लंबे समय तक हिरासत में रहने के बाद दोषमुक्त हुए लोगों के शैक्षिक पुनर्वास के लिए भी अलग व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को उनकी परिस्थितियों को समझते हुए नियमों के भीतर विशेष अवसर देने चाहिए। पढ़ाई में आए व्यवधान को केवल अनुपस्थिति या समय-सीमा के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। न्यायिक प्रक्रिया में हुई देरी का पूरा बोझ विद्यार्थी के भविष्य पर डालना उचित नहीं है।

मुकदमे का फैसला आने में लगे साल वापस नहीं लाए जा सकते। युवावस्था में गंवाए अवसरों और छूटी पढ़ाई की भरपाई आसान नहीं है। फिर भी ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है कि हिरासत के कारण शिक्षा और सम्मानजनक जीवन का रास्ता हमेशा के लिए बंद न हो। न्याय का उद्देश्य केवल मामले का निपटारा करना नहीं, व्यक्ति के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करना भी है। यदि दोषमुक्त होने के बाद भी किसी युवा को जिंदगी नए सिरे से शुरू करने का अवसर नहीं मिलता, तो न्याय की प्रक्रिया अधूरी रह जाती है।

चार महीने की योग निद्रा के बाद जागेंगे भगवान विष्णु, देवोत्थान एकादशी से फिर गूंजेंगी शहनाइयां

(गुंजन वार्ष्णेय)

हिन्दुओं के समस्त शुभ एवं मांगलिक कार्य भगवान विष्णु के जागृत अवस्था में सम्पन्न करने का विधान धर्मशास्त्रों में वर्णित है, संसार के पालनहार श्रीहरि विष्णु भगवान हैं, विवाह आदि समस्त मांगलिक कार्यों के शुभारम्भ में संकल्प भगवान विष्णु को साक्षी मानकर किया जाता है। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की एकादशी, देवोत्थान एकादशी के बाद से ही सभी शुभ कार्य, विवाह, उपनयन आदि शुभ मुहूर्त देखकर प्रारम्भ किए जाते हैं।



देवोत्थान एकादशी से भगवान श्रीहरि विष्णु की योगनिद्रा त्यागने के साथ ही सहालग का मौसम प्रारम्भ हो जाएगा। आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की एकादशी देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु चार मास तक पाताललोक में शयन करते हैं और कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की एकादशी को उठते हैं। आषाढ़ से कार्तिक तक के समय को चातुर्मास कहते हैं, इन चार महीनों में भगवान विष्णु क्षीरसागर की अनंत शैय्या पर शयन करते हैं, इसलिए कृषि के अलावा विवाह आदि शुभ कार्य इस समय तक बंद रहते हैं, धार्मिक दृष्टि से यह चार मास भगवान विष्णु की निद्राकाल माना जाता है।

कार्तिक शुक्ल एकादशी को देवोत्थान एकादशी के दिन भगवान उठते हैं, इसलिए इस तिथि के बाद ही विवाह आदि शुभ कार्य प्रारम्भ हो जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य के मिथुन राशि में आने पर भगवान श्री हरि विष्णु शयन करते हैं और तुला राशि में सूर्य के जाने पर भगवान शयन कर उठते हैं। भगवान जब सोते हैं, तो विवाह, यज्ञ आदि सभी क्रियाएं सम्पादित नहीं होती। यज्ञोपवीतादि संस्कार, विवाह, दीक्षा ग्रहण, यज्ञ, नूतन गृह प्रवेश, गोदान, प्रतिष्ठा एवं जितने भी शुभ कर्म हैं, वे चातुर्मास में त्याज्य होते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण : वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो हरिशयन के समय इन चार मास में बादल और वर्षा के कारण सूर्य और चन्द्रमा का तेज क्षीण हो जाना उनके शयन का ही रूप है। चातुर्मास में विविध प्रकार के कीटाणु, सूक्ष्म रोग जन्तु उत्पन्न हो जाते हैं, जल की बहुलता और सूर्य तेज का भूमि पर अति अल्प प्राप्त होना ही इनका प्रमुख कारण है।

धार्मिक दृष्टिकोण : धार्मिक दृष्टिकोण से प्रचलित है कि जब विष्णु भगवान ने शंखासुर नामक राक्षस को मारा था और उस विशेष परिश्रम के कारण उस दिन सो गए थे, उसके बाद वह कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागे थे, इसलिए देवोत्थान एकादशी पर उनकी पूजा का विशेष विधान है।

अगर जन्मकुण्डली में विवाह का योग बन रहा है, गोचर के ग्रह और दशा-अन्तर्दशा का समन्वय प्राप्त हो रहा है तो देवोत्थान एकादशी से विवाह योग्य युवक-युवतियां परिणय सूत्र में बधेंगे। बृहस्पति की अनुकूलता विवाह तय कराने में अहम भूमिका निभाती है, जब तक गुरू कृपा नहीं होती तमाम प्रयासों और योग्य कन्या होने पर भी रिश्ता तय नहीं होता, अतः व्यवधान होने पर भगवान विष्णु की आराधना के साथ ही ग्रह उपचार अवश्य करें।

भारत समिट के नाम पर मोदी विरोध का षड्यंत्र

यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

(ललित गर्ग)

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना और जनता के सामने वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लेकिन जब किसी चुनी हुई सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को मंच उपलब्ध कराया जाने लगे और देश के आंतरिक लोकतांत्रिक प्रश्नों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जाए, तब सवाल केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादा से जुड़ जाता है। हैदराबाद में 13-14 नवंबर 2026 को आयोजित 'भारत समिट' इसी कारण राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया। कांग्रेस और तेलंगाना सरकार इसे वैश्विक चुनौतियों-जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आर्थिक न्याय, निवेश, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श का अंतरराष्ट्रीय मंच बता रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने सम्मेलन में कुछ विदेशी वक्ताओं की टिप्पणियों को आधार बनाकर इसे 'एंटी-भारत समिट' तक कहा है। दोनों पक्षों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच एक अधिक गंभीर प्रश्न उभरता है-क्या भारत की आंतरिक राजनीति में विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा मान लिया जाना चाहिए? वैसे भी लोकतंत्र में सत्ता का विरोध हो, लेकिन राष्ट्रहित की कीमत पर नहीं।

यह प्रश्न किसी एक दल के पक्ष या विपक्ष में खड़े होकर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित की कसौटी पर विचार करने की मांग करता है। विदेशी विद्वानों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और लोकतांत्रिक चिंतकों को भारत में आमंत्रित करना अपने आप में कोई गलत बात नहीं है। भारत सदियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में विश्वास करता आया है। दुनिया के साथ संवाद भारतीय सभ्यता की शक्ति है। जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति और मानवाधिकार जैसे विषय किसी एक देश की सीमाओं में बंद नहीं रह सकते। ऐसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद आवश्यक है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां वैश्विक संवाद राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन जाए और विदेशी राजनीतिक व्यक्तियों से भारत की निर्वाचित सरकार, चुनाव प्रक्रिया अथवा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर ऐसे आरोप लगवाए जाएं, जिनका प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत न किया गया हो। हैदराबाद सम्मेलन में इतालवी समाजवादी नेता जियाकोमो फिलिबेक की कथित टिप्पणी ने इसी विवाद को जन्म दिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' जैसे राजनीतिक नारे से जुड़ा प्रसंग इस बहस को और तीखा बना गया। यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि किसी विदेशी नागरिक को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर राय रखने का अधिकार है या नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए वह राय रख सकता है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में विदेशी राजनीतिक नेताओं को सक्रिय पक्षकार बनाया जाना चाहिए?



लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जनता करती है, विदेशी शक्तियां नहीं। यदि किसी भारतीय राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव व्यवस्था में कोई कमी है, तो उसके पास संसद है, न्यायपालिका है, निर्वाचन आयोग है, मीडिया है और सबसे बड़ी शक्ति-भारत की जनता है। वह चुनाव परिणामों को चुनौती दे सकता है, न्यायालय जा सकता है, प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है और जनता के बीच अभियान चला सकता है। लेकिन यदि वह अपने राजनीतिक आरोपों को पुष्ट करने के लिए विदेशी राजनीतिक मंचों एवं विदेशी राजनेताओं का सहारा लेने लगे, तो इससे अंततः उसकी अपनी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता कमजोर होती है। यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

इस विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित को घरेलू दलगत राजनीति से अलग रखने की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। विदेश नीति किसी कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। वह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन राष्ट्र स्थायी रहता है। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की परंपरा से लेकर आज की बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था तक हमेशा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की पहचान बनाए रखी है। उसने अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, अरब देशों, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण-सभी के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध बनाए हैं। ऐसे देश के लिए यह आवश्यक है कि घरेलू राजनीतिक मतभेदों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा न बनाया जाए। सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं है। लेकिन सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को भारत की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका देना निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। इसी अंतर को समझना आज भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह नहीं कि देश में विपक्ष समाप्त हो जाए। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है-विचार अलग हों, राजनीतिक दल अलग हों, सरकार और विपक्ष एक-दूसरे की तीखी आलोचना करें, लेकिन भारत के हित, भारत की संप्रभुता और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति मूल प्रतिबद्धता साझा रहे।

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है। चुनावी पराजय का उत्तर विदेशी मंच नहीं, जनविश्वास होता है। इसी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि कोई विपक्ष लोकतंत्र या चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाता है तो उसे केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और संवाद के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करना चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, संस्थाओं के व्यवहार से बनता है। भारत आज विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में देश की आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना एक ऐसी परंपरा को जन्म दे सकता है जिसका भविष्य में दुरुपयोग किसी भी दल के विरुद्ध हो सकता है। आज यदि सत्ता पक्ष के विरुद्ध विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य बना दिया गया, तो कल यही हथियार किसी दूसरे राजनीतिक दल के विरुद्ध इस्तेमाल हो सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यूपी में बिछेगा सड़कों का जाल: 25 बड़े सड़क प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी, बाईपास और औद्योगिक क्षेत्रों की राह होगी आसान

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को लोक निर्माण विभाग की उच्च स्तरीय समिति की बैठक में मिली प्रस्तावों को हरी झंडी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और शहरों को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की उच्च स्तरीय समिति की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों की 25 महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई। इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल शहरी यातायात सुगम होगा, बल्कि औद्योगिक इकाइयों और लॉजिस्टिक्स केंद्रों तक माल की आवाजाही भी बेहद आसान हो जाएगी। पीसीयू मानकों में दी गई विशेष छूट बैठक के दौरान विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से पैसेंजर कार यूनिट (पीसीयू) के मानकों में छूट देने संबंधी सभी 25 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। स्वीकृत किए गए कुल प्रस्तावों में से 24 प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग के हैं, जबकि 1 प्रस्ताव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से संबंधित है। इन योजनाओं के तहत नए बाईपास बनाने, संकरी सड़कों को चौड़ा करने, उनकी स्थिति सुधारने और औद्योगिक क्षेत्रों तक सीधे संपर्क मार्ग बनाने का काम किया जाएगा। गोरखपुर को मिलेगा 8-लेन का तोहफाः गोरखपुर में निमार्णाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तक सुगम पहुंच के लिए 8-लेन सड़क और स्टेडियम के चारों ओर 4-लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर 103.73 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बांदा और रामपुर में बनेंगे नए बाईपासः बांदा शहर को जाम से बचाने के लिए 93.92 करोड़ रुपये की लागत से 10.20 किलोमीटर लंबा चार लेन बाईपास बनाया जाएगा। वहीं, रामपुर के टांडा क्षेत्र में 66.10 करोड़ रुपये खर्च कर 6.50 किलोमीटर लंबे बाईपास का निर्माण होगा। कानपुर में गंगा बैराज की ओर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए अटल घाट के पीछे से नया चार लेन मार्ग बनाया जाएगा और कंपनी बाग चौराहे तक सड़क का चौड़ीकरण होगा। इसके अलावा बुलंदशहर में न्यू खुर्जा जंक्शन तक 6.25 किलोमीटर लंबी सड़क बनेगी, जबकि कन्नौज में पुराने जीटी रोड को 10.50 किलोमीटर तक चौड़ा करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिल गई है। परियोजनाओं को मंजूरी देने के साथ ही मुख्य सचिव एसपी गोयल ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके लिए परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि बेहतर सड़क नेटवर्क से शहरों के भीतर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और औद्योगिक क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर व्यापार और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

अनोखी मिसाल: 80 वर्षीय बुजुर्ग ने की अपनी तेरहवीं, नाती को पगड़ी बांधकर सौंपी परिवार की जिम्मेदारी

बागपत के जौहड़ी गांव में अनोखा आयोजनः हवन और सामूहिक भोज में शामिल हुए सैकड़ों लोग



बागपत। आमतौर पर किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिवार की ओर से तेरहवीं का आयोजन किया जाता है। इस दिन रिश्तेदार और परिचित एकत्र होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हैं, लेकिन बागपत जिले के जौहड़ी गांव में एक बुजुर्ग ने इस परंपरा से अलग हटकर अपनी ही तेरहवीं का आयोजन कर दिया। 80 वर्षीय बलजौर सिंह ने न केवल अपनी आंखों के सामने हवन कराया, बल्कि सैकड़ों लोगों को सामूहिक भोज भी कराया। इसके बाद उन्होंने खुद अपने सिर पर पगड़ी बांधी और परिवार की जिम्मेदारी अपने नाती मुकुल को सौंप दी। इस अनोखे आयोजन की चर्चा आसपास के गांवों में भी हो रही है। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री केपी मलिक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार और परिचित शामिल हुए। जौहड़ी गांव निवासी बलजौर सिंह ने पूरे विधि-विधान के साथ अपनी तेरहवीं का आयोजन किया। उनके इस फैसले के पीछे एक पारिवारिक सोच जुड़ी हुई है। बलजौर सिंह के अनुसार, उनका कोई बेटा नहीं है। उनकी एक बेटी पिंकी है, जो उनकी संपत्ति की वारिस है। उन्होंने बताया कि उनके निधन के बाद परिवार की परंपराओं के अनुसार तेरहवीं और अन्य रस्मों के आयोजन की जिम्मेदारी बेटी पर आती। वह नहीं चाहते थे कि उनके जाने के बाद बेटी को इन व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों के लिए परेशान होना पड़े। इसी सोच के साथ उन्होंने तय किया कि जब वह स्वयं जीवित हैं तो अपनी आंखों के सामने ही सभी रस्में पूरी कर लें। उनका मानना है कि परिवार की जिम्मेदारियों को समय रहते अगली पीढ़ी को सौंप देना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो। रविवार सुबह जौहड़ी गांव में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत हवन के साथ हुई। विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। इसके बाद सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें गांव और आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। मेहमानों के लिए पूड़ी, सब्जी, रायता, लड्डू समेत विभिन्न पकवान तैयार कराए गए थे। आमतौर पर तेरहवीं के अवसर पर परिवार के लोग दिवंगत व्यक्ति को याद करते हुए श्रद्धांजलि देते हैं, लेकिन इस आयोजन में बलजौर सिंह स्वयं मौजूद रहे और लोगों का स्वागत करते नजर आए। कार्यक्रम में शोक का माहौल नहीं, बल्कि पारिवारिक अपनापन और मेल-मिलाप देखने को मिला। भोज के उपरांत परिवार की विरासत और जिम्मेदारी सौंपने की प्रतीक 'पगड़ी रस्म' निभाई गई। बलजौर सिंह ने अपने नाती मुकुल के सिर पर पगड़ी बांधकर उसे परिवार की तमाम जिम्मेदारियां सौंप दीं। इस भावुक और गौरवपूर्ण क्षण के दौरान उनकी बेटी पिंकी, दामाद सुखपाल और अन्य परिजन मौजूद रहे। कार्यक्रम की चर्चा सुनकर राज्य मंत्री केपी मलिक भी जौहड़ी गांव पहुंचे और बलजौर सिंह से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। बलजौर सिंह ने अपनी मौजूदगी में ही अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपकर यह संदेश देने की कोशिश की कि परिवार की परंपराओं और जिम्मेदारियों को समय रहते आगे बढ़ाना जरूरी है। इस पूरे आयोजन में शोक के बजाय उत्सव, खुशी और अपनत्व का माहौल दिखा। राज्यमंत्री केपी मलिक भी पहुंचे बलजौर सिंह के इस अनोखे आयोजन में प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री केपी मलिक भी पहुंचे। उन्होंने बुजुर्ग से मुलाकात की और कार्यक्रम में शामिल हुए। गांव के लोगों और रिश्तेदारों ने भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर ग्राम प्रशासक सोहनपाल, ओमपाल शर्मा, मांगेराम, धीरज, रामवीर सिंह, सोमपाल प्रजापति, कृष्ण और जितेंद्र शर्मा समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बलजौर सिंह की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम ने गांव में एक अलग तरह की चर्चा शुरू कर दी है।

सामान्य तौर पर तेरहवीं मृत्यु के बाद होने वाला धार्मिक और सामाजिक आयोजन है, लेकिन उन्होंने इसे अपने जीवनकाल में ही आयोजित कर परिवार की जिम्मेदारियों के हस्तांतरण से जोड़ दिया। उनकी पहल के पीछे बेटी को भविष्य की परेशानियों से बचाने और नाती को परिवार की जिम्मेदारी सौंपने की सोच प्रमुख रही।

वीरता, साहस और स्वाभिमान की प्रतीक रानी लक्ष्मीबाई को किया नमन

'विद्यालय में उत्साह एवं वीर भाव के साथ मनाई गई रानी लक्ष्मीबाई जयंती'



मुजफ्फरनगर । भागवन्ती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, मुजफ्फरनगर के प्रार्थना सभा स्थल पर महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती बड़े उत्साह, गौरव एवं वीर भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में साहस, आत्मसम्मान, नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विद्यालय की आचार्या श्रीमती पिंकी जैन जी ने सभी का मार्गदर्शन करते हुए रानी लक्ष्मीबाई के प्रेरणादायी जीवन, अदम्य साहस, संघर्षशील व्यक्तित्व एवं वीरता का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई केवल इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय नहीं हैं, बल्कि आज भी उनका व्यक्तित्व प्रत्येक नारी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने ऐतिहासिक रानी लक्ष्मीबाई और आधुनिक युग की लक्ष्मीबाई के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए बताया कि आज की नारी भी अपने साहस, आत्मविश्वास, प्रतिभा और आत्मनिर्भरता के बल पर प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित कर रही है।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के सहयोग से एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से नारी शक्ति, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया। नाटक के माध्यम से आचार्या श्रीमती पिंकी जैन जी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए संदेश दिया–"उड़ाना है तो आसमान छूना सीखो,लेकिन अपनी जड़ों को पहचानना भी सीखो। निडर बनो, साहसी बनो, आत्मनिर्भर बनो,माता-पिता एवं गुरु का सम्मान करो, लेकिन अपने आत्मसम्मान से कभी समझौता मत करो।" उन्होंने कहा कि ये जीवन मूल्य प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में अत्यंत आवश्यक हैं और इन्हें अपने आचरण में उतारना ही महान व्यक्तित्वों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की चार प्रतिभाशाली बालिकाओं अंशिका जैन, दीक्षा सैनी, यजुन्शी त्यागी एवं आरवी जैन को भारत को जानो प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। विद्यालय परिवार ने सभी बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर खेल शिक्षिका श्रीमती सीमा सिंह जी ने भी नाटक एवं प्रेरणादायी विचारों के माध्यम से विद्यार्थियों को रानी लक्ष्मीबाई के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा साहस, अनुशासन और आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल, आकर्षक एवं प्रभावशाली बनाने में आईटी विभाग प्रमुख आचार्य रमन, आचार्या श्रीमती शिल्पा मित्तल, मीडिया विभाग से श्रीमती ऋचा शुक्ला एवं श्रीमती अर्चना शर्मा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। अंत में सभी ने रानी लक्ष्मीबाई के अदम्य साहस, राष्ट्रप्रेम एवं बलिदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

शामली जनपद में चली 'तबादला एक्सप्रेस': 73 दरोगाओं के कार्यक्षेत्र बदले, कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की कवायद

कोतवाली शामली, कैराना, कांधला, झिंझाना और थानाभवन समेत जनपद की दर्जनों प्रमुख पुलिस चौकियों के प्रभारी बदले गए



शामली। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में देर रात बड़ा फेरबदल किया गया है। जनहित में जारी स्थानांतरण आदेश के तहत जनपद के विभिन्न थानों, पुलिस चौकियों और पुलिस लाइन में तैनात 73 उपनिरीक्षकों (दरोगाओं) के कार्यक्षेत्र में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया गया है। इस बड़ी प्रशासनिक सर्जरी में कई चौकी प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि कुछ को थानों और पुलिस लाइन भेजा गया है। जारी सूची के अनुसार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक (व०उ०नि०) नीरज कुमार को थाना कोतवाली शामली से व०उ०नि० थाना झिंझाना भेजा गया है। कोतवाली शामली में तैनात नंदकिशोर शर्मा को जनशिकायत (आईजीआरएस, साइबर हेल्प डेस्क व महिला हेल्प डेस्क) का प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा कस्बा चौकी प्रभारी कोतवाली शामली मुकेश कुमार दिनकर को कस्बा चौकी प्रभारी थानाभवन बनाया गया है। चौकी प्रभारी जिला अस्पताल (थाना आदर्शमंडी) अयूब अली को थाना कोतवाली शामली भेजा गया है, जबकि उनके स्थान पर पुलिस लाइन से संजय कुमार को जिला अस्पताल चौकी की कमान सौंपी गई है। वहीं, चौकी प्रभारी कलेक्ट्रेट सोमपाल सिंह को कोतवाली शामली और पुलिस लाइन से श्रीपाल सिंह को कलेक्ट्रेट चौकी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। तबादला सूची में देहात और कस्बाई क्षेत्रों की चौकियों पर विशेष ध्यान दिया गया है:झिंझाना व थानाभवनः चौकी प्रभारी हिंड (थानाभवन) वीरेंद्र सिंह को आरके पीजी डिग्री कॉलेज चौकी (कोतवाली शामली) भेजा गया है, जबकि झिंझाना के वउनि संदीप कुमार यादव को हिंड चौकी का नया प्रभारी बनाया गया है। चौकी प्रभारी बड़ी माता मंदिर शरद कान्त को चौसाना चौकी (झिंझाना) और चौसाना चौकी प्रभारी राहुल कुमार को इमामगेट चौकी (कैराना) की जिम्मेदारी दी गई है। कैराना व कांधलाः चौकी प्रभारी बुटराड़ा संदीप कुमार कालखाण्डे को लांक चौकी (कोतवाली शामली) और लांक चौकी प्रभारी संजय सिंह पुनिया को थाना झिंझाना भेजा गया है। साइबर क्राइम थाने से अनुज कुमार को एलम चौकी (कांधला) और एलम चौकी प्रभारी सचिन त्यागी को भूरा चौकी (कैराना) का प्रभारी बनाया गया है। दिल्ली अड्डा चौकी (कांधला) के प्रभारी अनुज कुमार को खंद्रावली चौकी भेजा गया है, जबकि थाना कांधला से विजेंद्र सिंह रावल को दिल्ली अड्डा चौकी की कमान मिली है।

चौकी प्रभारी कच्ची गढ़ी (थाना गढ़ीपुख्ता) करनवीर सिंह और चौकी प्रभारी सिक्का (थाना आदर्शमंडी) बलराम सिंह के कार्यक्षेत्रों की आपस में अदला-बदली की गई है। इसी तरह चौकी प्रभारी करमूखेड़ी मोहम्मद जहांगीर को थाना कोतवाली और कोतवाली से नसीम अहमद को करमूखेड़ी चौकी का नया प्रभारी बनाया गया है। आदेश के तहत महिला उपनिरीक्षकों की तैनाती में भी बदलाव किया गया है। थाना कैराना में तैनात म०उ०नि० शिल्पी को एंटी रोमियो प्रभारी बनाया गया है, जबकि एंटी रोमियो प्रभारी शिवानी चौधरी को थाना कैराना भेजा गया है।

शामली में स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल: कथित फर्जी डॉक्टरों ने महिला का किया ऑपरेशन, वीडियो वायरल

झिंझाना रोड स्थित निजी अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर का वीडियो सामने आने से मचा हड़कंप, दोनों युवकों की डिग्री पर उठे सवाल



शामली। जनपद शामली के निजी अस्पतालों में मरीजों के इलाज और सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। झिंझाना रोड स्थित एक निजी अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर का एक मिनट से अधिक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दो युवक महिला मरीज का ऑपरेशन करते नजर आ रहे हैं। दोनों युवकों की चिकित्सा संबंधी योग्यता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, उनकी शैक्षिक योग्यता और ऑपरेशन करने की वैधता की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो झिंझाना रोड स्थित एक निजी अस्पताल का है। वीडियो में दो युवक ऑपरेशन थिएटर के अंदर महिला मरीज का ऑपरेशन करते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, दोनों युवकों के पास सर्जरी से संबंधित कोई मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं है। बताया जा रहा है कि दोनों महज 12वीं पास हैं। इसके बावजूद अस्पताल में उनसे ऑपरेशन कराए जाने का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, दोनों युवकों की पहचान जॉनी निवासी गांव कैड़ी, बाबरी और सोनू निवासी करनाल के रूप में बताई जा रही है। यह भी आरोप है कि दोनों युवक शामली के करीब आधा दर्जन निजी अस्पतालों में ऑपरेशन करने जाते हैं। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है तो यह मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करेगा।

वहीं, वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि निजी अस्पतालों में ऑपरेशन करने वाले चिकित्सकों की डिग्री और विशेषज्ञता की जांच आखिर कौन कर रहा है? क्या अस्पतालों में बिना योग्य सर्जन के ऑपरेशन किए जा रहे हैं और विभाग को इसकी जानकारी तक नहीं है?

अब देखना यह होगा कि स्वास्थ्य विभाग वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर संबंधित निजी अस्पताल और ऑपरेशन करने वाले दोनों युवकों की योग्यता की जांच करता है या नहीं। साथ ही यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि अस्पताल में ऑपरेशन किसकी निगरानी और अनुमति से किया जा रहा था।

सलेमपुर में योग सेंटर का शुभारंभ सुरेंद्र पाल आर्य ने किया



मुजफ्फरनगर । गांव सलेमपुर जनपद मुजफ्फरनगर में गांव के किशोर बालक एवं बालिकाओं के अच्छे स्वास्थ्य और संस्कारवान बनाने के लिए योग सेंटर का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं भारतीय योग संस्थान के जिला प्रधान और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने वैदिक मंत्रों से यज्ञ के द्वारा किया। यज्ञ का यजमान योगाचार्य ललित विद्यार्थी रहा। इस अवसर पर यज्ञ के ब्रह्मा योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि ईश्वर निराकार , सर्वशक्तिमान,सर्वव्यापक, सर्वअंतयार्मी ,अजर ,अमर और हमारे कर्मों के फल का देने वाला है। ऐसे ईश्वर को हम योगाभ्यास के द्वारा मन को एकाग्र करके प्राप्त कर सकते हैं। योग ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम बालकों में अच्छे संस्कार पैदा कर सकते हैं तथा उन्हें नशे आदि की गलत आदतों से दूर रख सकते हैं। योगाचार्य ललित विद्यार्थी ने बताया कि मैं पिछले 20-25 सालों से दूर-दूर तक जाकर योग की शिक्षा दे रहा हूं परंतु मेरे माता-पिता व परिवार जनों की इच्छा से मैं अपने गांव में भी अपने गांव के युवा बालक और बालिकाओं के लिए एक वातानुकूलित योग सेंटर का संचालन कर रहा हूं निश्चित रूप से योग के द्वारा बच्चों का सर्वांगीण विकास करने में मैं अपना पूरा प्रयास करूंगा। इस अवसर पर गांव के सम्मानित लोग चौधरी राजेंद्र सिंह, चौधरी हरपाल सिंह ,चौधरी महिपाल सिंह, चौधरी ओमपाल थानेदार गोलियां खाप, शुभलेन्द्र सिंह, ओमवीर सिंह, चौधरी भूरा,अमित कुमार उर्फ बिट्टू, अनुज कुमार, मांगेराम , उपेन्द्र कुमार आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रंग संसार

विवाह, अंधविश्वास, संदेह... मांगलिक शादी का दोष लेगा एक और जान? नेटफ्लिक्स की नई सीरीज थ्रिल से है भरपूर



नई दिल्ली। मांगलिक दोष के बारे में आपने आसपास कई बार सुना होगा। खासकर मांगलिक शादी में होने वाली अड़चनों के बारे में। अब इस पर नई सीरीज आ रही है। सीरीज का टाइटल मांगलिक है। अगर आप इस हफ्ते कोई थ्रिल और सस्पेंस से भरपूर सीरीज देखने की सोच रहे हैं तो आपको मांगलिक को अपनी वॉच लिस्ट में जरूर शामिल करना चाहिए। यह समाज में मौजूद एक अंधविश्वास पर आधारित सीरीज है।

मांगलिक सीरीज की कहानी मांगलिक सीरीज की कहानी इरा (सौमित्रिशा कुंडू) की है जिसे एक ऐसे विधुर से प्यार हो जाता है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह 'मांगलिक' है। उसकी दो बार शादी हुई और दोनों पत्नियों का निधन हो गया। इरा उससे शादी करती है। उसके साथ अजीब-अजीब घटनाएं होने लगती हैं। इसके बाद जब वह एक रहस्यमयी बीमारी की चपेट में आ जाती है, तब उसे शक होता है कि मामला अंधविश्वास से कहीं ज्यादा गंभीर है। मिस्ट्री थ्रिलर मांगलिक में सौमित्रिशा कुंडू, गौरव चटर्जी और लाबोनी सरकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। सीरीज का निर्देशन कृशानु गांगुली ने किया है जो पहले मिठाई और नीम फुलेर मोधु जैसे टीवी शोज बना चुके हैं। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसे 20 नवंबर से स्ट्रीम किया जाएगा। यह बंगाली सीरीज है जिसे नेटफ्लिक्स पर हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज किया जा रहा है।बांग्ला में कहां पर होगी स्ट्रीम? आपको बता दें कि मांगलिक एक बांग्ला सीरीज है जो बंगाली भाषा में hoichoi पर स्ट्रीम होने वाली है, जबकि हिंदी, तमिल, तेलुगु में आप इस सीरीज को नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। दो हफ्ते पहले रिलीज हुए मांगलिक सीरीज के ट्रेलर को खूब पसंद किया गया था। इसे 2.7 मिलियन के करीब व्यूज मिले थे। इस सीरीज को लेकर दर्शकों के बीच काफी बेताबी है।

राज काज

चीन में तीन महाशक्तियों का महामंथन: ट्रंप, चिनफिंग और पुतिन के बीच 4 मुद्दों पर बनी सहमति

बीजिंग। चीन के शेन्जेन में आयोजित त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन के बाद रूस, चीन और अमेरिका ने घोषणापत्र अपनाया गया। 19 नवंबर को शेन्जेन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंगऔर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई इस ऐतिहासिक मुलाकात के बाद 'शांति की दिशा में रूस-चीन-अमेरिका राष्ट्राध्यक्षों का घोषणापत्र' जारी किया गया। इसमें संयुक्त राष्ट्र में सुधार करने, रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ाने, तथा परमाणु जोखिमों को कम करने पर चर्चा करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। घोषणापत्र के मुताबिक तीनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर गहन विचार-विमर्श किया और रणनीतिक स्थिरता तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया। रूसी और अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए चीन की सराहना भी की थी। संयुक्त राष्ट्र में सुधार और ऊर्जा सुरक्षा प्रमुख प्रतिबद्धताओं में शामिल

घोषणापत्र में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य होने के नाते रूस, चीन और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार करने का संकल्प लिया है, ताकि यह वैश्विक चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से सामना कर सके। तीनों देश सभी राष्ट्रों के लाभ के लिए रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ाने पर सहमत हुए हैं और वैश्विक स्तर पर स्थिर ऊर्जा का प्रवाह के महत्व को दोहराया है। कानूनी मामलों पर नेताओं ने राज्य की सहमति के सिद्धांत और सरकारी अधिकारियों को प्राप्त छूट के सम्मान के महत्व को स्वीकार किया। वे इस बात पर भी सहमत हुए कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय और इसी तरह की अन्य संस्थाओं को अपने अधिकार क्षेत्र का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। तीनों नेता परमाणु जोखिमों पर बातचीत करने के लिए सहमत हुए

घोषणापत्र में इस बात को दोहराया गया कि परमाणु युद्ध कभी जीता नहीं जा सकता और इसे कभी लड़ा भी नहीं जाना चाहिए.इसमें कहा गया है कि तीनों देश परमाणु जोखिमों को कम करने और परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने पर बातचीत करेंगे।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 20 नवम्बर 2026

मेष – कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी।

वृष – अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

कर्क – संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

सिंह– अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वास्थ्य नरम होगा।

कन्या – कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

तुला – माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

वृश्चिक – पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें।

धनु – स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें।

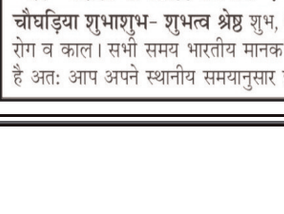
मकर – अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग।

कुंभ – कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी।

मीन – शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

दैनिक पंचांग

20 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	मीन में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

दिव्यांग छात्राओं को पढ़ाई के लिए मिलेगी ई-ट्राईसाइकिल, सरकार देगी 65 हजार रुपये तक की सहायता

मुजफ्फरनगर में 16 वर्ष या इससे अधिक आयु की दिव्यांग छात्राएं कर सकेंगी आवेदन, स्कूल-कॉलेज और प्रशिक्षण संस्थानों में आने-जाने की परेशानी होगी दूर; ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

मुजफ्फरनगर। जनपद की दिव्यांग छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और उनकी पढ़ाई में आने वाली आवागमन की परेशानियों को दूर करने के लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से महत्वपूर्ण पहल की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत विभाग द्वारा ई-ट्राईसाइकिल योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र दिव्यांग छात्राओं को ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए प्रति ई-ट्राईसाइकिल अधिकतम 65 हजार रुपये की धनराशि अनुमन्य की गई है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दीक्षा उपाध्याय ने बताया कि जनपद में निवास करने वाली ऐसी दिव्यांग छात्राएं, जो किसी स्कूल, कॉलेज अथवा शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान में अध्ययनरत हैं, इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकती हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग छात्राओं को शिक्षा से जोड़ना, उन्हें नियमित कक्षाओं में पहुंचने के लिए सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना और उनकी शैक्षिक निरंतरता सुनिश्चित करना है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि कई दिव्यांग छात्राओं को शारीरिक परेशानी के कारण प्रतिदिन स्कूल-कॉलेज पहुंचने के साथ ही संस्थानों में संचालित कक्षाओं, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला और छात्रावास आदि तक आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसी छात्राओं को ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराकर उनका शैक्षिक पुनर्वासन किया जाएगा, ताकि वे बिना किसी बड़ी परेशानी के अपनी पढ़ाई और प्रशिक्षण जारी रख सकें। योजना के अंतर्गत मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफीलिया आदि से प्रभावित दिव्यांग छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। हालांकि इसके लिए कुछ आवश्यक शारीरिक और चिकित्सकीय शर्तें निर्धारित की गई हैं। छात्रा की दृष्टि और मानसिक स्थिति अच्छी होनी चाहिए तथा कमर का ऊपरी हिस्सा स्वस्थ होना आवश्यक है। साथ ही वह स्वयं ई-ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम होनी चाहिए। आवेदिका की दिव्यांगता का प्रमाण दिव्यांग प्रमाण-पत्र अथवा यूडीआईडी कार्ड के माध्यम से होना चाहिए, जिसे मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय द्वारा प्रमाणित किया गया हो।

आयकर दाता परिवारों को नहीं मिलेगा योजना का लाभ

योजना के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त यह भी रखी गई है कि आवेदन करने वाली दिव्यांग छात्रा या उसका परिवार आयकर दाता की श्रेणी में नहीं होना चाहिए। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की छात्राओं को चयन में प्रथम वरीयता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा ऐसी छात्राएं ही योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगी, जिन्हें पिछले पांच वर्षों के दौरान किसी भी स्रोत से ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त नहीं हुई हो। ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त करने के लिए छात्रा को अपने संबंधित स्कूल, कॉलेज अथवा शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान से अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसके बिना आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं मानी जाएगी।

खतौली में इंदिरा गांधी जयंती कांग्रेसियों ने किया नमनः प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के अदम्य साहस और राष्ट्रसेवा को किया याद



खतौली (मुजफ्फरनगर)। भारत रत्न से सम्मानित देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री एवं 'आयरन लेडी' के नाम से विख्यात स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर खतौली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जीटी रोड स्थित उनकी प्रतिमा पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष योगेश खारी एडवोकेट ने स्वर्गीय इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपने मजबूत नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और राजनीतिक दूरदर्शिता के बल पर विश्व पटल पर भारत की एक सशक्त पहचान स्थापित की। उनके कार्यकाल में भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शक्ति और स्वाभिमान का लोहा मनवाया। योगेश खारी ने वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऐतिहासिक विजय हासिल की, जिससे बांग्लादेश के उदय का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस निर्णायक भूमिका ने उन्हें वैश्विक राजनीति में एक अत्यंत प्रभावशाली राजनेता के रूप में स्थापित किया। योगेश खारी ने आगे कहा कि इंदिरा गांधी केवल एक प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि साहस, आत्मविश्वास और अदम्य निर्णय क्षमता की जीवंत प्रतीक थीं। कठिन से कठिन चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और निर्णयों से पीछे हटना स्वीकार नहीं किया। इसी फौलादी इच्छाशक्ति के कारण पूरी दुनिया ने उन्हें 'आयरन लेडी' की संज्ञा दी। देश की एकता, अखंडता और आर्थिक विकास में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनका संघर्षशील जीवन आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतपाल कटारिया, जिला उपाध्यक्ष योगेश खारी एडवोकेट, नवाब सिंह ताजपुर, खालिद सिद्दीकी, सैय्यद शहजाद कामिल, चौधरी बाबूराम कसाना, जितेंद्र फौजी भंगेला, मोहम्मद आसिफ और नरेंद्र टेलर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर दंगा: 13 साल बाद डकैती और आगजनी के मामले में आठ आरोपी बरी, कोर्ट में मुकर गए वादी और गवाह

फुगाना कांड में विशेष एससी-एसटी कोर्ट का फैसला, वादी नौशाद समेत तीनों गवाहों ने आरोपियों के खिलाफ गवाही देने से किया इनकार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर दंगे के दौरान फुगाना गांव में हुई कथित डकैती और आगजनी के करीब 13 साल पुराने मामले में अदालत ने आठ आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान वादी और घटना से जुड़े तीनों तथ्यात्मक गवाह अपने पूर्व आरोपों से मुकर गए। अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके चलते विशेष न्यायालय (एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम) के पीठासीन अधिकारी डॉ. विजय कुमार ने साक्ष्य के अभाव में सभी आठ आरोपियों को बरी कर दिया। इस मुकदमे में फुगाना गांव के बिलेंद्र जोगी समेत 15 लोगों पर हमला करने, घर में घुसकर लूटपाट और आगजनी करने के आरोप लगाए गए थे। पुलिस ने मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी की विवेचना के बाद आठ आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया था। लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अब मामले में फैसला आया है। इस मामले में वादी और तीनों तथ्यात्मक गवाहों के अदालत में अपने पूर्व आरोपों का समर्थन नहीं करने से अभियोजन पक्ष का मामला कमजोर पड़ गया। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निर्णय सुनाते हुए सभी आठ आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। मुजफ्फरनगर में सात सितंबर 2013 को नंगला मंदौड़ में आयोजित पंचायत के बाद जिले के कई इलाकों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। फुगाना थाना क्षेत्र का फुगाना गांव भी इससे प्रभावित हुआ था। इसी घटनाक्रम के दौरान गांव निवासी नौशाद ने कैराना स्थित राहत शिविर में पुलिस को शिकायत देकर अपने घर में डकैती और आगजनी किए जाने का आरोप लगाया था। वादी नौशाद के अनुसार, आठ सितंबर 2013 की रात करीब सवा नौ बजे बिलेंद्र जोगी समेत 15 हमलावरों ने उनके घर पर हमला किया था। आरोप था कि हमलावरों ने अवैध और लाइसेंसी हथियारों से फायरिंग की और घर में घुसकर लूटपाट की। शिकायत में एक तोला सोना, आधा किलो चांदी और 25 हजार रुपये लूटे जाने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में पुलिस ने 24 सितंबर 2013 को प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में एसआईटी ने विवेचना करते हुए आठ आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल



किया। मुकदमे की न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ी और मामला सत्र न्यायालय के सुपुर्द किया गया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान सबसे महत्वपूर्ण स्थिति तब सामने आई, जब शिकायतकर्ता नौशाद ने अदालत में अपने पूर्व आरोपों का समर्थन नहीं किया। उसने गवाही में बताया कि नंगला मंदौड़ पंचायत के बाद वह बागपत के धनौरा गांव में अपनी रिश्तेदारी में चला गया था। करीब चार दिन बाद जब वह वापस गांव लौटा तो उसे दंगे की जानकारी मिली। इसके बाद वह कैराना के राहत शिविर में चला गया था। नौशाद ने अदालत को बताया कि शिविर में कुछ लोगों ने उससे हस्ताक्षर करा लिए थे। वादी के इस बयान से अभियोजन पक्ष के मामले को बड़ा झटका लगा। अदालत में शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी। जबकि इस मामले के दूसरे तथ्यात्मक गवाह साजिद ने भी अदालत में आरोपों का समर्थन नहीं किया। उसने बताया कि गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए वह अपने परिवार के साथ लोई गांव स्थित राहत शिविर में चला गया था। फुगाना गांव में उसके सामने कोई घटना नहीं हुई थी। उसे घटना के बारे में जानकारी राहत शिविर में ही मिली थी। इस बयान से भी अभियोजन पक्ष को आरोपों की पुष्टि के लिए अपेक्षित समर्थन नहीं मिल सका। तीसरे गवाह ने भी आरोपियों को पहचानने से किया इनकार

तीसरे तथ्यात्मक गवाह साबिर ने भी अदालत में बताया कि गांव में तनाव बढ़ने के बाद वह अपने माता-पिता और परिवार के साथ लोई गांव के राहत शिविर में चला गया था। उसने कहा कि आरोपित व्यक्ति उसके ही गांव के रहने वाले हैं, लेकिन उसने उन्हें दंगा करते हुए नहीं देखा था।गवाह के इस बयान के बाद अदालत ने उसे पक्षद्रोही घोषित किया। इस तरह मुकदमे के वादी समेत तीनों महत्वपूर्ण गवाह अभियोजन के आरोपों का समर्थन नहीं कर सके। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायालय/अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम में हुई। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता सोराज मलिक ने पैरवी की। उन्होंने अदालत में पक्ष रखा कि वादी और तथ्य के तीनों गवाह अपने पूर्व आरोपों से मुकर गए हैं और अभियोजन आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाया है।अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का परीक्षण करने के बाद आठों आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया। इस फैसले के साथ ही 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े इस डकैती और आगजनी के मुकदमे का निस्तारण हो गया।

मुजफ्फरनगर शहर से कचरे के पहाड़ हटाने की कवायदः नगरपालिका ने केंद्र से मांगे 30 करोड़ रुपये, 7 लाख मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट का होगा निस्तारण

5.50 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे के निस्तारण के लिए शासन के माध्यम से केंद्र को भेजा गया विशेष बजट प्रस्ताव, शेष 1.50 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण भी कराएगी पालिका



मुजफ्फरनगर। शहर के किदवईनगर स्थित डंपिंग ग्राउंड में जमा करीब सात लाख मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट (पुराने कचरे) के पहाड़ों के निस्तारण की उम्मीद एक बार फिर जगी है। लंबे समय से बजट के अभाव में अटकी इस गंभीर पर्यावरणीय समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर पालिका परिषद ने शासन को लगभग 30 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा है। प्रदेश सरकार के माध्यम से यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजकर विशेष बजट जारी करने की मांग की गई है। योजना के तहत करीब 5.50 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे का निस्तारण केंद्र से मिलने वाली आर्थिक सहायता से कराया जाएगा, जबकि शेष डेढ़ लाख मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण का खर्च पालिका स्वयं अपने वित्तीय संसाधनों से वहन करेगी नगर पालिका प्रशासन ने अपने हिस्से के डेढ़ लाख मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण के लिए टेंडर प्रक्रिया भी तेज कर दी है। नए सिरे से आमंत्रित किए गए टेंडरों की तकनीकी और वित्तीय बिड की जांच अंतिम चरण में है। पालिका अधिकारियों के अनुसार, नवंबर के अंत तक टेंडर स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी कर कार्यादेश (वर्क ऑर्डर) जारी करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके तुरंत बाद कचरा निस्तारण का कार्य धरातल पर शुरू करा दिया जाएगा।

शहर के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वर्ष 2011 में नगर पालिका परिषद ने राज्य और केंद्र सरकार की योजना के तहत कानपुर की कंपनी 'एटूजेड इंफ्रास्ट्रक्चर' के सहयोग से किदवईनगर में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट स्थापित कराया था। इसके लिए 28.466 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई थी। हालांकि, वित्तीय विवादों के चलते प्लांट कुछ वर्षों के संचालन के बाद ही बंद हो गया। इसके बाद पालिका ने इस विशाल परिसर को डंपिंग ग्राउंड के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। शहर से प्रतिदिन निकलने वाला ठोस कचरा यहां डाले जाने और नियमित निस्तारण न होने से कचरे का ढेर विशाल पहाड़ में तब्दील हो गया। किदवईनगर डंपिंग ग्राउंड से उपजी समस्या को लेकर शहर निवासी फराह खान ने वर्ष 2024 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में नगर पालिका के खिलाफ याचिका दायर की थी। इस मामले में कई बार सुनवाई हो चुकी है और एनजीटी द्वारा पालिका पर जुमार्ना भी लगाया जा चुका है।

रद्द हुआ करारः समस्या के समाधान के लिए वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के लिए अधिकृत नीदरलैंड की कंपनी 'जीसी इंटरनेशनल' के साथ पुराने कचरे के निशुल्क निस्तारण का समझौता किया गया था, लेकिन निर्धारित समय पर काम शुरू न कर पाने के कारण फरवरी 2026 में पालिका प्रशासन ने कंपनी का करार निरस्त कर दिया।

खतौली में केके जैन कॉलेज में रोजगार मेला: जनगणना 2027 के प्रति किया जागरूक, युवाओं को मिला करियर मार्गदर्शन

जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित मेले में उमड़े युवा, विशेषज्ञों ने दिए रोजगार व करियर से जुड़े टिप्स



खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर के प्रतिष्ठित श्री कुंद कुंद जैन इंटर कॉलेज में जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वावधान में भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ करियर काउंसलिंग और मार्गदर्शन से जुड़े विभिन्न सत्र आयोजित किए गए, जिनमें छात्र-छात्राओं और स्थानीय युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। रोजगार के साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व के 'जनगणना 2027' अभियान के प्रति भी जन-जागरूकता की अलख जगाई गई। घर बैठे 'स्व-गणना' की ऑनलाइन प्रक्रिया से कराया अवगत कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के अंतर्गत संचालित 'स्टैंडर्ड क्लब' के सदस्यों ने जनगणना 2027 के प्रति विशेष जागरूकता अभियान चलाया। क्लब के सदस्यों ने उपस्थित युवाओं और नागरिकों को 16 से 30 नवंबर तक संचालित स्व-गणना ((Self Enumeration) अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार प्रत्येक नागरिक घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी और अपने परिवार की सटीक जानकारी दर्ज कर स्व-गणना की प्रक्रिया को आसानी से पूरा कर सकता है। देश के विकास में सटीक आंकड़ों की भूमिका अहम इस जागरूकता अभियान में जनगणना फील्ड ट्रेनर राजकुमार जैन और एक्सटेंडेड क्लब मेंटर मदन गोपाल का विशेष सहयोग रहा। क्लब सदस्यों ने स्व-गणना की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाते हुए लोगों को इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सही और सटीक जानकारी देना प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है, क्योंकि जनगणना के यही आंकड़े भविष्य में देश के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण की नींव रखते हैं। छात्राओं ने किया जिज्ञासाओं का समाधान जागरूकता अभियान के दौरान स्टैंडर्ड क्लब की सक्रिय सदस्य सना, वर्षा, तान्या, सोफिया और यासमीन ने मोर्चा संभालते हुए उपस्थित लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें स्व-गणना के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रालोद नेता अजीत राठी, धर्मेंद्र तोमर एवं नगर अध्यक्ष विनीत गुप्ता उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुराग जैन ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समग्र रूप से इस आयोजन ने युवाओं को रोजगार की दिशा दिखाने के साथ-साथ उन्हें एक जागरूक नागरिक के रूप में राष्ट्रीय जनगणना अभियान से जोड़ने का सफल प्रयास किया।

शुकतीर्थ में संघ प्रमुख मोहन भागवत का दो दिवसीय दौराः अभेद्य सुरक्षा घेरे में तब्दील होगी भागवत धरा, 70 कमांडो संभालेंगे मोर्चा

वीआईपी आगमन के लिए हेलीपैड और पार्किंग का खाका तैयार, शुकतीर्थ में 22 घंटे रहेंगे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 22 घंटे रहेंगे

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद की पावन भागवत धरा शुकतीर्थ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के प्रस्तावित दो दिवसीय प्रवास को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। वीवीआईपी कार्यक्रम को देखते हुए जिलाधिकारी (डीएम) सुनील कुमार सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सूरज कुमार राय ने शुकतीर्थ स्थित प्राचीन श्री शुकदेव आश्रम पहुंचकर तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। संघ प्रमुख की सुरक्षा के लिए आश्रम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में 70 विशेष कमांडो तैनात किए जाएंगे। गौरतलब है कि बुधवार को डीएम और एसएसपी ने आश्रम परिसर में स्थित शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याणदेव समाधि मंदिर, भव्य यज्ञशाला, प्राचीन अक्षय वट और श्री शुकदेव मंदिर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया था। डीएम सुनील कुमार सिंह ने मौके पर मौजूद पर्यटन विभाग के अभियंताओं को सख्त हिदायत दी कि आश्रम में चल रहे सभी निर्माण और सुंदरीकरण के कार्यों को हर हाल में 20 नवंबर तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया था कि कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने श्री शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज से मुलाकात कर कार्यक्रम की रूपरेखा और धार्मिक अनुष्ठानों के संबंध में चर्चा की। इसके साथ ही एसएसपी सूरज कुमार राय ने आश्रम के ट्रस्टी ओमदत्त देव से आरएसएस प्रमुख के पूरे दो दिवसीय प्रवास के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम की बिंदुवार जानकारी ली, ताकि उसी के अनुरूप सुरक्षा रूट और प्रोटोकॉल निर्धारित किया जा सके। जेड-प्लस सुरक्षा घेरा और दिल्ली की टीम के साथ समन्वय संघ प्रमुख को प्राप्त जेड-प्लस (+)



श्रेणी की सुरक्षा को देखते हुए सुरक्षा इंतजामों को बेहद कड़ा रखा जा रहा है। इसके लिए दिल्ली से आए केंद्रीय सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस के उच्चाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक की। कमांडो तैनातीः सुरक्षा घेरे को अभेद्य बनाने के लिए 70 प्रशिक्षित कमांडो के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहेगा।

हेलीपैड और यातायातः वीआईपी आगमन को सुगम बनाने के लिए मानकों के अनुरूप हेलीपैड निर्माण और बाहर से आने वाले वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग का खाका तैयार कर लिया गया है। मोहन भागवत का 22 घंटे प्रवासः भागवत भूमि शुकतीर्थ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 22 घंटे रहेंगे। कड़ी सुरक्षा के बीच 22 नवंबर की शाम छह बजे शुकदेव आश्रम पहुंचेंगे और यहां पर दो दिन चलने वाले कार्यक्रम में हिस्सेदारी करेंगे। शुकतीर्थ में गंगा स्नान के बीच संघ प्रमुख का दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 22 नवंबर को शुकदेव आश्रम के समाधि मंदिर में शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याण देव की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में संघ प्रमुख शामिल होंगे। मेरठ संभाग के नौ जिलों के संघ के पदाधिकारी भी रहेंगे। संघ के 10 पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। संघ के प्रमुख 10 नेताओं के साथ रात के समय भोजन पर चर्चा होगी। 23 नवंबर को शुकदेव आश्रम में वह विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। आश्रम में चल रही कथाओं में महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के श्रद्धालुओं से भी संवाद करेंगे। इसी दिन शाम के चार बजे उनकी रवानगी होगी। लगभग 22 घंटे के दौरे की तीर्थ क्षेत्र में तैयारी शुरू हो गई है। संघ प्रमुख का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब शुकतीर्थ में कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले की तैयारियां भी चल रही हैं। 21 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाले मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

खतौली में गुरु नानक देव प्रकाश पवःतीसरे दिन भी निकली भव्य प्रभात फेरी, जगह-जगह पुष्प वर्षा से संगत का स्वागत

श्रद्धा और उत्साह के साथ संगत ने किया नगर भ्रमण, शबद कीर्तन और लंगर सेवा का हुआ आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में खतौली के सिख समाज द्वारा नगर में निकाली जा रही प्रभात फेरियों की श्रृंखला में बुधवार को तीसरे दिन भी श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव एवं उत्साह के साथ प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में शामिल महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने गुरु महिमा का गुणगान और शबद गायन करते हुए नगर का भ्रमण किया, जिससे समूचा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

गुरुद्वारा माता राम मूर्ति में शबद कीर्तन और लंगर सेवा

बुधवार सुबह प्रभात फेरी रेलवे क्रॉसिंग से प्रारंभ होकर पंजाबी कॉलोनी गली नंबर एक, रेलवे रोड, सैनी नगर, गुर्जर कॉलोनी तथा पोस्ट ऑफिस वाली गली से होती हुई बिद्दीबाड़ा स्थित श्री माता राम मूर्ति गुरुद्वारा साहिब पहुंची। यहां ज्ञानीजनों द्वारा मधुर शबद कीर्तन किया गया और सरबत के भले की अरदास की गई। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए



प्रसाद एवं अटूट लंगर की सेवा की गई, जिसका आयोजन विद्याभूषण साहनी और भारत भूषण साहनी परिवार की ओर से किया गया।

होली चौक पर पुष्प वर्षा के बीच हुआ समापन

गुरुद्वारा साहिब से प्रस्थान करने के बाद प्रभात फेरी घंटाघर एवं जीटी रोड होते हुए होली चौक पहुंची। यहां अनिल छाबड़ा एवं कार्तिक छाबड़ा के आवास पर संगत का पुष्प वर्षा कर आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भी शबद कीर्तन का आयोजन हुआ तथा सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। धार्मिक उल्लास और गुरु भक्ति के वातावरण के बीच यहीं प्रभात फेरी का विधिवत समापन किया गया।

गुरुद्वारा माता राम मूर्ति में अरदास और प्रसाद वितरण

नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से भ्रमण करती हुई यह प्रभात फेरी अंततः गुरुद्वारा माता राम मूर्ति पहुंचकर संपन्न हुई। गुरुद्वारा परिसर में पहुंचने पर संगत द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका गया। इसके उपरांत रागी जत्थों द्वारा मधुर शबद कीर्तन प्रस्तुत किया गया और सरबत के भले (विश्व कल्याण) के लिए अरदास की गई। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को गुरु का प्रसाद वितरित किया गया।

प्रभात फेरी में यह श्रद्धालु रहे मौजूद

इस पावन अवसर पर ज्ञानी जनक सिंह, ज्ञानी सोहन सिंह, सरदार वीरेंद्र सिंह बिल्लू, सरबजीत सिंह, नरेंद्र सिंह, सरदार जसबीर सिंह, सरदार गुरमीत सिंह, सरदार हरभजन सिंह, सरदार जोगिंदर सिंह सलूजा, सरदार मंजीत सिंह, सरदार गुरविंदर सिंह, आशीष, सरदार महेंद्र सिंह, सरदार गुरु चरण सिंह, सरदार मन्नू सिंह, जुगल किशोर, नितिन ग्रोवर, विद्याभूषण साहनी, चुन्नीलाल, जगमोहन, सरदार गगन सिंह सलूजा, हरबंस लाल सलूजा, गौरी शंकर गौरी, जोशी, बॉबी, विनोद कुमार एवं सरदार गुरजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर के वैज्ञानिक डॉ. एकांत वत्स ने अमेरिका में बढ़ाया देश का मानः अमेरिका ने दिया एक्सीलेंस अवॉर्ड, अंतरिक्ष में जीवन के रहस्यों पर किया शोध

अंतरिक्ष विज्ञान में शानदार शोध के लिए कैलिफोर्निया में मिला सम्मान, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के आंकड़ों को समझने में महत्वपूर्ण योगदान

मुजफ्फरनगर। प्रतिभा और मेहनत के दम पर मुजफ्फरनगर के एक युवा वैज्ञानिक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और देश का नाम रोशन किया है। शहर के वसंत विहार निवासी विनोद शर्मा के पुत्र डॉ. एकांत वत्स को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) ने प्रतिष्ठित एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए उन्हें यह सम्मान 17 नवंबर 2026 को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित नासा के एम्स रिसर्च सेंटर में प्रदान किया गया। डॉ. एकांत वत्स वर्तमान में नासा के एम्स रिसर्च सेंटर के इनोवेशन सेंटर फॉर एक्सट्रीम एनवायरनमेंट्स में पोस्टडॉक्टोरल वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं। वह वरिष्ठ नासा वैज्ञानिक डॉ. एंड्रयू मैटिओडा के शोध समूह का हिस्सा हैं। अंतरिक्ष में मौजूद कार्बनिक अणुओं और जीवन के निर्माण से जुड़े रासायनिक पदार्थों पर उनका शोध वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अंतरिक्ष में जीवन के रासायनिक रहस्यों को समझने में जुटे हैं डॉ. वत्स

डॉ. एकांत वत्स का शोध अंतरिक्ष में



पाए जाने वाले कार्बनिक अणुओं पर केंद्रित है। ये ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जिनका संबंध जीवन के निर्माण की प्रक्रियाओं से है। वैज्ञानिकों के लिए यह समझना बेहद महत्वपूर्ण है कि जीवन के लिए जरूरी रासायनिक तत्व और अणु ब्रह्मांड में किस तरह बनते हैं और उनका विकास कैसे होता है। उनके शोध से यह जानने में मदद मिल सकती है कि पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों पर जीवन की संभावनाओं को समझने के लिए किन रासायनिक संकेतों का अध्ययन किया जाना चाहिए। अंतरिक्ष में मौजूद कार्बनिक अणुओं की पहचान और उनकी संरचना का अध्ययन आधुनिक खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 27 अलग-अलग कार्बनिक अणुओं का किया वैज्ञानिक विश्लेषण

डॉ. एकांत वत्स ने यह महत्वपूर्ण शोध नासा के वैज्ञानिक डॉ. एंड्रयू मैटिओडा और डॉ. एलेसेंड्रा रिक्का के साथ मिलकर किया है। अध्ययन के दौरान प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों और आधुनिक कंप्यूटर आधारित गणनाओं की सहायता से 27 अलग-अलग कार्बनिक अणुओं का विश्लेषण किया गया। इस शोध में वैज्ञानिकों ने इन अणुओं की विशेषताओं को समझने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद रासायनिक पदार्थों की पहचान और उनके व्यवहार को बेहतर तरीके से समझना है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के आंकड़ों को समझने में मिलेगी मदद नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) से अंतरिक्ष के दूरस्थ क्षेत्रों से लगातार महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े प्राप्त हो रह

मीनाक्षी चौक की तंग गली में चल रहे मेरठ चिकन प्वाइंट पर एमडीए का तीसरी बार बड़ा एक्शन, बार-बार सील खोलकर होटल चलाने पर प्राधिकरण सख्त

मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण की टीम ने भारी सख्ती के साथ फिर सील किया प्रतिष्ठान, पहले दो बार सील किए जाने के बावजूद संचालक पर सील खोलकर होटल चलाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। शहर के प्रमुख मीनाक्षी चौक के समीप तंग गली में संचालित मेरठ चिकन प्वाइंट को लेकर मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) और होटल संचालक के बीच सील खोलने और दोबारा सील किए जाने का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। प्राधिकरण की ओर से पहले भी दो बार इस प्रतिष्ठान को सील किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद सील खोले जाने और होटल का संचालन किए जाने की बात सामने आती रही है। अब एमडीए की टीम ने तीसरी बार मौके पर पहुंचकर प्रतिष्ठान को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने होटल संचालक को कड़ी हिदायत देते हुए स्पष्ट किया कि प्राधिकरण की ओर से लगाई गई सील के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक ही प्रतिष्ठान को तीसरी बार सील करने की कार्रवाई ने शहर में चचाओं को तेज कर दिया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब प्राधिकरण किसी प्रतिष्ठान को सील कर देता है तो उसके बाद दोबारा सील खोलकर संचालन कैसे शुरू हो जाता है? आखिर प्राधिकरण की कार्रवाई के बाद भी आदेशों का पालन क्यों नहीं हो पा रहा है? इसी तरह के सवालों के बीच एमडीए ने इस बार सख्त रुख अपनाते हुए फिर से होटल को सील किया है।

मीनाक्षी चौक के पास स्थित मेरठ चिकन प्वाइंट पर एमडीए की कार्रवाई का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी प्राधिकरण की टीम प्रतिष्ठान को सील कर चुकी है। बावजूद इसके होटल संचालक द्वारा सील खोल लिए जाने और प्रतिष्ठान का संचालन किए जाने की बात सामने आई। इसके बाद प्राधिकरण को दोबारा कार्रवाई करनी पड़ी।लगातार दूसरी बार सील किए जाने के बाद भी जब मामला नहीं रुका तो अब तीसरी बार एमडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। बार-बार सील खोलने का मामला सामने आने के कारण प्राधिकरण ने इस बार संचालक को



सख्त हिदायत भी दी। मीनाक्षी चौक शहर का व्यस्त क्षेत्र है। यहां आसपास बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान होने के कारण दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसी क्षेत्र की तंग गली में स्थित मेरठ चिकन प्वाइंट पर एमडीए की कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा हो रही है। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रतिष्ठान को फिर से सील किया। कार्रवाई के दौरान संचालक को बताया गया कि सील किए गए प्रतिष्ठान को बिना सक्षम अनुमति के खोलना नियमों के विरुद्ध है। यदि सील के साथ दोबारा छेड़छाड़ की जाती है तो मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है। इस प्रकरण का सबसे अहम पहलू यह है कि एक ही प्रतिष्ठान पर बार-बार सील लगाने की कार्रवाई करनी पड़ रही है। आमतौर पर किसी प्रतिष्ठान को सील करने के बाद उसका संचालन बंद हो जाना चाहिए, लेकिन मेरठ चिकन प्वाइंट के मामले में बार-बार सील खोले जाने की बात सामने आने से प्राधिकरण की कार्रवाई के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब तीसरी बार सील लगाए जाने के बाद एमडीए के सामने इस कार्रवाई का पालन सुनिश्चित कराने की चुनौती है। यदि दोबारा सील खोली जाती है तो प्राधिकरण को आगे और कड़ी कानूनी कार्रवाई करनी पड़ सकती है। एमडीए की टीम ने मौके पर होटल संचालक को स्पष्ट हिदायत दी कि प्राधिकरण की ओर से लगाई गई सील के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाए। बिना अनुमति प्रतिष्ठान खोलने या सील हटाने की कोशिश करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण की इस कार्रवाई के बाद अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि तीसरी बार सील किए जाने के बाद मेरठ चिकन प्वाइंट बंद रहता है या फिर एक बार फिर सील खोलकर संचालन शुरू करने की कोशिश होती है। मेरठ चिकन प्वाइंट पर एमडीए की लगातार तीसरी कार्रवाई ने शहर में सील किए गए प्रतिष्ठानों की निगरानी और प्राधिकरण के आदेशों के अनुपालन का मुद्दा भी सामने ला दिया है।

शादी के जश्न में सड़क पर हुड़दंग करना पड़ा महंगा, ध्वनि विस्तारक यंत्रों से लैस गाड़ियों पर पुलिस का शिकंजा, तीन कारों के चालान

40 फुटा रोड पर गाड़ियों के काफिले से यातायात बाधित होने का वीडियो हुआ था प्रसारित, खालापार पुलिस ने तीन कारों पर पांच-पांच हजार रुपये का लगाया जुमार्ना, कुल 15 हजार रुपये की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। शादी समारोह में जश्न मनाने के नाम पर सार्वजनिक सड़कों पर हुड़दंग मचाने और यातायात व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। खालापार थाना क्षेत्र के 40 फुटा रोड पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों से लैस गाड़ियों के काफिले द्वारा सड़क पर उत्पात मचाने का वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस ने तीन कारों के चालान किए हैं। बुधवार रात करीब 10 बजे की गई कार्रवाई में प्रत्येक कार पर पांच-पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इस तरह पुलिस ने कुल 15 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की है। मामला खालापार थाना क्षेत्र के 40 फुटा रोड का है। यहां एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों से लैस कई गाड़ियों का काफिला पहुंचा था। एक के बाद एक कई गाड़ियां सड़क पर दिखाई दीं। आरोप था कि गाड़ियों के चालकों और उनके साथ चल रहे लोगों ने यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए सड़क पर हुड़दंग



किया। इससे आवागमन प्रभावित हुआ और दूसरे वाहन चालकों के साथ राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना का वीडियो इंटरनेट माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया था। वीडियो में सड़क पर गाड़ियों का काफिला दिखाई देने के बाद यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे। आम लोगों की आवाजाही प्रभावित होने की शिकायतों के बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और संबंधित वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन कारों के चालान किए। बुधवार रात करीब 10 बजे प्रत्येक वाहन पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। तीनों वाहनों पर कुल 15 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। शादी का जश्न दूसरों के लिए परेशानी न बने

शादी समारोह में खुशी मनाना हर परिवार का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक सड़कों पर यातायात बाधित करना और दूसरे लोगों के लिए परेशानी पैदा करना उचित नहीं है। सड़कों पर इस तरह की गतिविधियों से राहगीरों के साथ आपातकालीन सेवाओं के वाहनों को भी परेशानी हो सकती है। पुलिस की इस कार्रवाई को शादी समारोहों के नाम पर यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के लिए सख्त संदेश माना जा रहा है।

बाल एवं महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ सख्त, बाल विवाह और बाल श्रम रोकने के लिए विभागों को दिए कड़े निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बाल एवं महिला अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, मानव तस्करी की रोकथाम करने तथा बाल अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती इन्दु सिद्धार्थ ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मासिक समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में बाल एवं महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बाल विवाह, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति और मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकने के लिए आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। गोष्ठी के समापन पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम के लिए शपथ भी दिलाई गई।

बाल एवं महिला सुरक्षा के लिए सभी विभागों को मिलकर करना होगा काम

पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ की अध्यक्षता में आयोजित इस मासिक गोष्ठी में एएचटीयू (मानव तस्करी रोधी इकाई) की टीम, जनपद के समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारियों तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में विभागीय समन्वय को मजबूत करना और मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत चल रही गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाना रहा। इस दौरान अधिकारियों को स्पष्ट किया गया कि बच्चों और महिलाओं से संबंधित अपराधों को सामान्य अपराधों की तरह नहीं, बल्कि विशेष



संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ लिया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा पीड़ितों को समय से न्याय दिलाने के लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर काम करना होगा। गोष्ठी में पॉक्सो एक्ट तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। बालकों से जुड़े अपराधों में पुलिस की भूमिका, कानूनी प्रक्रिया और बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लेने से संबंधित नियमों की जानकारी दी गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बच्चों से जुड़े प्रत्येक मामले में कानून के निर्धारित प्रावधानों का पूरी तरह पालन किया जाए। इसके साथ ही बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में पुलिस एवं संबंधित विभागों की जिम्मेदारियों पर भी चर्चा हुई। बालकों के अधिकारों की रक्षा, उनकी देखरेख और संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

बाल श्रम, बाल विवाह और भिक्षावृत्ति पर प्रभावी रोकथाम के निर्देश

बैठक में बाल श्रम और बाल विवाह जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। पुलिस अधीक्षक अपराध ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल श्रम और बाल विवाह की रोकथाम के लिए नियमित रूप से जागरूकता और आवश्यक कार्रवाई की जाए। कहीं भी बच्चों से श्रम कराए जाने या बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार बुजुर्ग को कुचला, मौके पर मौत, चालक शराब के नशे में पकड़ा गया

घासीपुरा कट के आगे भगतजी रेस्टोरेंट के सामने हुआ दर्दनाक हादसा, खेत पर जा रहे रामबीर सिंह को पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर; बेटे की तहरीर पर मंसूरपुर थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के समय बुजुर्ग अपने घर से साइकिल पर सवार होकर खेत की ओर जा रहे थे। आरोप है कि पीछे से तेज गति और लापरवाही से आ रहे ट्रक चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे मृतक के बेटे और उसके साथी ने ट्रक चालक को पकड़ लिया। आरोप है कि चालक शराब के नशे में था। पुलिस ने बेटे की तहरीर पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

भगतजी रेस्टोरेंट के सामने हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव घासीपुरा निवासी रामबीर सिंह पुत्र रामसिंह अपने घर से साइकिल पर सवार होकर खेत पर जा रहे थे। जैसे ही वह घासीपुरा कट से आगे भगतजी रेस्टोरेंट के सामने मुख्य सड़क पर पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक संख्या MH-46BF-8505 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रामबीर सिंह सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटें लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उनकी साइकिल भी टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के समय मृतक का बेटा अरविंद सैनी अपने साथी रोहित पुत्र रामकुमार निवासी घासीपुरा के साथ मंसूरपुर से गांव लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर भीड़ देखकर दोनों मौके पर पहुंचे तो रामबीर सिंह को मृत अवस्था में पड़ा देखकर उनके होश उड़ गए। तहरीर के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद अरविंद सैनी और उसके साथी रोहित ने ट्रक चालक को मौके पर ही पकड़ लिया। आरोप है कि ट्रक चालक शराब के नशे में था। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रहीस अहमद पुत्र हबीब अहमद निवासी गांव मेंहगी, थाना तितरो, जनपद सहारनपुर बताया। दोनों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मृतक के बेटे अरविंद सैनी ने मंसूरपुर थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और ट्रक चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने ट्रक चालक रहीस अहमद के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने और मौत होने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

15 लाख रुपये और बड़ी गाड़ी की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता का गला दबाने का आरोप, पति समेत छह के खिलाफ मुकदमा

दिल्ली में ससुराल पक्ष पर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप, दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की कोशिश करने की शिकायत; शहर कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। दहेज में 15 लाख रुपये और बड़ी गाड़ी की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और दुपट्टे से गला दबाकर जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगा है। पीड़िता की तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने पति, सास, दो ननदों और दो नंदोइयों समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग कम दहेज लाने और नौकरी छोड़ने को लेकर उसे मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान कर रहे थे। तहरीर के अनुसार, शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी विवाहिता का विवाह 23 अप्रैल 2014 को दिल्ली निवासी अभिषेक गुप्ता के साथ हुआ था। शादी में उसके मायके वालों ने करीब 15 लाख रुपये खर्च किए थे। विवाहिता का कहना है कि शादी से पहले वह एक इंजीनियरिंग कॉलेज में नौकरी करती थी। शादी के बाद भी उसने नौकरी जारी रखी और अपने वेतन से पति व सास के मकान की ऋण किस्त जमा करने के साथ घर के लिए फर्नीचर आदि भी खरीदा। विवाहिता ने बताया कि गर्भवती होने के बाद चिकित्सक की सलाह पर उसे नौकरी छोड़नी पड़ी। इसके बाद पति और सास के साथ ननदों तथा नंदोइयों ने नौकरी छोड़ने और कम दहेज लाने को लेकर ताने देने शुरू कर दिए। आरोप है कि सभी लोग उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते थे। पीड़िता के अनुसार, प्रसव का समय नजदीक आने पर सास ने उसे खाना-पानी तक नहीं दिया और घर के कामकाज करवाए। हालत बिगड़ने पर उसके पिता और परिजन उसे दिल्ली से मुजफ्फरनगर ले आए। 27 दिसंबर 2019 को महावीर चौक के पास सेवा मेडिकल में उसने बेटे को जन्म दिया। प्रसव और उपचार का खर्च भी मायके वालों ने उठाया।

आरोप है कि बच्चे के जन्म के बाद ससुराल पक्ष ने उसकी कोई सुध नहीं ली। करीब 15 दिन बाद ससुराल वाले आए और भविष्य में परेशान नहीं करने का भरोसा देकर उसे वापस दिल्ली ले गए। विवाहिता का कहना है कि कुछ समय बाद फिर से बच्चे के छुछक और दहेज को लेकर ताने दिए जाने लगे। तहरीर में बताया गया कि तीन जुलाई 2026 की रात करीब साढ़े आठ बजे वह दिल्ली स्थित ससुराल में खाना बना रही थी। इसी दौरान पति अभिषेक गुप्ता ने मकान छोटा होने की बात कहते हुए बड़ा मकान और गाड़ी लेने के लिए मायके से 15 लाख रुपये लाने को कहा। विवाहिता ने अपने माता-पिता की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात कहते हुए रुपये लाने में असमर्थता जताई। आरोप है कि इस पर पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। पति ने उसके दुपट्टे से गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए, जिसके बाद उसकी जान बच सकी। पुलिस को सूचना दिए जाने पर आरोपी मौके से चले गए। विवाहिता के मुताबिक, घटना के बाद वह महिला सखी वन स्टॉप सेंटर पहुंची और वहां एक रात रुकी। केंद्र की ओर से ससुराल पक्ष को बुलाया गया, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। अगले दिन पति वहां आया, मगर उसने उसकी बात सुनने से इनकार कर दिया और कथित रूप से जलाकर मारने की धमकी दी। इसके बाद विवाहिता दिल्ली में अपने रिश्तेदारों के यहां रही और फिर मुजफ्फरनगर लौट आई।

विवाहिता ने अपनी शिकायत में पति अभिषेक गुप्ता, सास रीता गुप्ता, ननद कीर्ति गुप्ता और स्वाती गुप्ता तथा नंदोई अभिषेक और अमित कुमार को आरोपी बनाया है। तहरीर में पति अभिषेक गुप्ता का पता एस-439, फ्लोर टी-03, स्कूल ब्लॉक, जिंगल बेल स्कूल के निकट, शकरपुर, दिल्ली बताया गया है। सास रीता गुप्ता का पता शकरपुर, दिल्ली दर्ज है। ननद कीर्ति गुप्ता और स्वाती गुप्ता के पते लखीमपुर बताए गए हैं। नंदोई अमित कुमार का पता भी लखीमपुर बताया गया है।

दूसरे नंदोई अभिषेक का अलग पता तहरीर में स्पष्ट नहीं है। विवाहिता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और अपने बेटे को वापस दिलाने की मांग की है। शिकायत के आधार पर शहर कोतवाली पुलिस ने पति समेत छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जनगणना-2027 में मुजफ्फरनगर की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रशासन ने व्यापारियों और रेस्टोरेंट संचालकों को जोड़ा, कर्मचारियों को भी स्वयंगणना के लिए करेंगे प्रेरित

एडीएम वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह ने व्यापारियों के साथ की बैठक, खुद और परिवार की स्वयंगणना कराने के साथ प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी जागरूक करने की अपील, बोले- जनगणना के आंकड़े ही देश की भावी विकास योजनाओं और नीतियों का बनेंगे आधार

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 को सफल बनाने और स्वयंगणना कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने अब व्यापारिक एवं व्यावसायिक संगठनों को भी अभियान से जोड़ना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह ने जनपद के व्यापारियों, प्रतिष्ठान संचालकों और रेस्टोरेंट संचालकों के साथ बैठक कर संवाद किया। उन्होंने व्यापारियों से स्वयं और अपने परिवार की स्वयंगणना कराने के साथ-साथ अपने प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों, सहयोगियों और परिचितों को भी इस राष्ट्रीय कार्यक्रम से जोड़ने की अपील की। बैठक में एडीएम ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के भविष्य की विकास योजनाओं, सरकारी नीतियों तथा आवश्यक सुविधाओं के निर्धारण का महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर भविष्य की जरूरतों को समझने और योजनाओं को बेहतर तरीके से तैयार करने में मदद मिलती है। इसलिए इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। व्यापारिक प्रतिष्ठानों के माध्यम से घर-घर तक पहुंचेगा स्वयंगणना का संदेश बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह ने व्यापारियों और रेस्टोरेंट संचालकों से कहा कि जनपद में स्वयंगणना कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर सफल बनाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग जरूरी है। व्यापारिक प्रतिष्ठानों का संपर्क बड़ी संख्या में कर्मचारियों, ग्राहकों और आम नागरिकों से रहता है। ऐसे में व्यापारी वर्ग इस अभियान के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने व्यापारियों से आग्रह किया कि वे सबसे पहले अपनी और अपने परिवार की स्वयंगणना सुनिश्चित करें। इसके बाद अपने प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों और सहयोगियों को भी स्वयंगणना के लिए



प्रेरित करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया में शामिल हो सकें। एडीएम ने बैठक में जनगणना के महत्व को समझाते हुए कहा कि देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आधारभूत सुविधाओं और अन्य विकास योजनाओं के निर्धारण में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनसंख्या से संबंधित सही और व्यवस्थित जानकारी उपलब्ध होने पर सरकार को विभिन्न क्षेत्रों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार योजनाएं बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम है। इसमें लोगों की सक्रिय भागीदारी से ही सही और उपयोगी आंकड़े प्राप्त किए जा सकेंगे। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए स्वयंगणना कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहिए।

मुजफ्फरनगर को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर पहचान दिलाने की अपील

अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह ने व्यापारियों से कहा कि जनगणना-2027 में मुजफ्फरनगर की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। प्रशासन के साथ सामाजिक, व्यापारिक और व्यावसायिक संगठनों का सहयोग मिलने से अभियान को व्यापक बनाया जा सकता है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सामूहिक प्रयासों से जनपद मुजफ्फरनगर स्वयंगणना कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा और प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी बेहतर पहचान बनाएगा। बैठक में मौजूद व्यापारियों, प्रतिष्ठान संचालकों और रेस्टोरेंट संचालकों ने प्रशासन की अपील पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने स्वयं और अपने परिवार की स्वयंगणना कराने के साथ-साथ प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने का आश्वासन दिया। बैठक के माध्यम से प्रशासन ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि जनगणना-2027 को सफल बनाना केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें व्यापारी वर्ग, प्रतिष्ठान संचालक और आम नागरिक भी महत्वपूर्ण भागीदार हैं।

शुकतीर्थ में कार्तिक गंगा स्नान मेले में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू: मेला कोतवाली स्थापित, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मेले में 35 मीटर की विशाल स्क्रीन पर दिखेगी तीर्थनगरी की धार्मिक विरासत, 49.21 लाख रुपये से होंगी व्यवस्थाएं

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक गंगा स्नान मेले की रौनक बढ़ने लगी है। गुरुवार से ही दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर पहुंचे श्रद्धालुओं ने मेला मैदान में अपने अस्थायी तंबू और डेरे लगाने शुरू कर दिए हैं। मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही के बीच प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए मेला कोतवाली स्थापित कर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं गंगा स्नान घाट पर विशेष बैरिकेडिंग कराई गई है, ताकि स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शुकतीर्थ में प्रतिवर्ष जिला पंचायत की ओर से कार्तिक पूर्णिमा पर विशाल गंगा स्नान मेले का आयोजन किया जाता है। इस बार मेले को भव्य स्वरूप देने के साथ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 49 लाख 21 हजार रुपये खर्च करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, आवागमन और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेला स्थल पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।



शनिवार को होगा मेले का विधिवत शुभारंभ, शाम को गंगा आरती

कार्तिक गंगा स्नान मेले का विधिवत शुभारंभ शनिवार दोपहर को किया जाएगा। जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल ने बताया कि भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर मेला स्थल के मुख्य प्रवेश द्वार का फीता काटकर उद्घाटन करेंगे। शुभारंभ कार्यक्रम के बाद शाम को गंगा स्नान घाट पर भव्य महाआरती का आयोजन होगा। गंगा की लहरों के बीच आरती और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मेले में आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

विशाल स्क्रीन पर दिखेगी धार्मिक विरासत

इस बार कार्तिक गंगा स्नान मेले में श्रद्धालुओं को एक विशेष आकर्षण देखने को मिलेगा। शुकतीर्थ के धार्मिक, ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व से लोगों को परिचित कराने के लिए गंगा घाट पर विशाल वॉल स्क्रीन स्थापित की गई है। गंगा आरती के बाद प्रतिदिन आधे घंटे तक इस स्क्रीन पर विशेष फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। इसके माध्यम से श्रद्धालु तीर्थनगरी के धार्मिक इतिहास, पौराणिक महत्व और प्रमुख स्थलों के दर्शन कर सकेंगे। आयोजन से जुड़े ऑपरेटर के अनुसार, करीब 12.68 करोड़ रुपये की लागत से 35 मीटर लंबी और 10 मीटर ऊंची विशाल स्क्रीन तथा फिल्म प्रोजेक्टर लगाए गए हैं। गुरुवार को विद्युत कनेक्शन होने के बाद स्क्रीन का ट्रायल किया गया। इसके लिए स्क्रीन से लगभग 150 मीटर की दूरी पर तीन प्रोजेक्टर स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से विशाल स्क्रीन पर दृश्य प्रदर्शित कर तकनीकी व्यवस्थाओं को परखा गया। ट्रायल के दौरान स्क्रीन की गुणवत्ता और प्रोजेक्टर की कार्यक्षमता का परीक्षण किया गया।

लेजर लाइट और मूविंग लाइट शो भी बनेगा आकर्षण

मेले में धार्मिक आयोजनों के साथ आधुनिक तकनीक और प्रकाश व्यवस्था का भी विशेष संगम देखने को मिलेगा। श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए लेजर लाइट और मूविंग लाइट शो का प्रदर्शन किया जाएगा। गंगा आरती के बाद विशाल स्क्रीन पर शुकतीर्थ के दर्शन और रंग-बिरंगी रोशनी का संयोजन मेले की विशेष पहचान बनेगा। इससे रात्रि के समय गंगा घाट का दृश्य और आकर्षक होगा।

शुकतीर्थ का धार्मिक महत्व दूर-दराज के क्षेत्रों तक फैला हुआ है। मान्यता है कि इसी पावन भूमि पर शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को श्रीमद्भागवत कथा सुनाई थी। इसी कारण कार्तिक पूर्णिमा पर यहां गंगा स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले में धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पाठ, गंगा स्नान और संत-महात्माओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगता है। इस बार विशाल स्क्रीन के माध्यम से तीर्थनगरी के महत्व को प्रदर्शित करने की पहल को भी इसी धार्मिक विरासत से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहली बार आने वाले श्रद्धालुओं और नई पीढ़ी को शुकतीर्थ के पौराणिक इतिहास की जानकारी मिल सकेगी।

सुरक्षा और स्वच्छता पर प्रशासन का विशेष जोर

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। मेला कोतवाली स्थापित कर पुलिस-ाकर्मियों की तैनाती की गई है। गंगा घाट पर बैरिकेडिंग के साथ स्नान व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मेला क्षेत्र में पुलिस की निगरानी रहेगी। वहीं जिला पंचायत की ओर से साफ-सफाई, पेयजल, रोशनी और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। मेले में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू होने के साथ ही मेला मैदान में अस्थायी तंबुओं की कतारें दिखाई देने लगी हैं। आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ मेले की रौनक और बढ़ेगी। शनिवार को विधिवत शुभारंभ और शाम की महाआरती के साथ शुकतीर्थ का कार्तिक गंगा स्नान मेला पूरी तरह धार्मिक उल्लास में रंग जाएगा।

सात सीओ, 10 थाना प्रभारी और 194 उपनिरीक्षक संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

तीर्थनगरी शुकतीर्थ में कार्तिक गंगा स्नान मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मेला कोतवाल प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मेले को छह सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में 12 घंटे की ड्यूटी के लिए सेक्टर प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

मोरना चीनी मिल में अब तक 3.97 लाख कुंतल पेराई: किसानों के बैंक खातों में भेजा 14.80 करोड़ रुपये गन्ना भुगतान

*दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड ने 18 नवंबर तक पेराई का सीधे किसानों के बैंक खातों में



कब रखा जाएगा देवोत्थान एकादशी का व्रत? सही तारीख, पारण का मुहूर्त और महत्व

देवोत्थान एकादशी का व्रत 20 नवंबर को रखें या 21 नवंबर को? इस बार एकादशी तिथि दो दिन पड़ने से श्रद्धालुओं के मन में यह सवाल है. आखिर पंचांग के अनुसार व्रत की सही तारीख क्या है? भगवान विष्णु की पूजा किस शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए और क्यों खास मानी जाती है यह एकादशी?

कब से कब तक है कार्तिक शुक्ल एकादशी

पंचांग के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 20 नवंबर 2026, शुक्रवार को सुबह 7 बजकर 15 मिनट से शुरू होगी. जबकि, एकादशी तिथि 21 नवंबर, शनिवार को सुबह 6 बजकर 31 मिनट पर समाप्त होगी.

देवोत्थान एकादशी का व्रत कब रखें

स्मार्त परंपरा के गृहस्थ देवोत्थान एकादशी का व्रत 20 नवंबर 2026, शुक्रवार को रखेंगे. जबकि, वैष्णव परंपरा को मानने वाले श्रद्धालु 21 नवंबर 2026, शनिवार को एकादशी का व्रत रखेंगे.

एकादशी पारण मुहूर्त

स्मार्त परंपरा को पालन करने वाले गृहस्थ 21 नवंबर 2026, शनिवार को एकादशी व्रत का पारण करेंगे. इसके लिए शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 37 मिनट से 2 बजकर 46 मिनट तक रहेगा. पारण के दिन हरि वासर समाप्त होने का समय 12:07 बजे है. वैष्णव परंपरा में आस्था रखने वाले श्रद्धालु 22 नवंबर 2026, रविवार को देवउत्थान एकादशी का पारण करेंगे. इस दिन पारण करने का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 10 मिनट से 8 बजकर 19 मिनट तक रहेगा. इस दिन द्वादशी तिथि सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाएगी.

सनातन धर्म में देवोत्थान एकादशी का खास महत्व है. इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं. साथ ही इस दिन चातुर्मास समाप्त हो जाता है और विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है.

मान्यता है कि देवोत्थान एकादशी के दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है. इस दिन व्रत रखने और विधि-विधान से पूजा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है. इस एकादशी को देवउठनी एकादशी और प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. इसी दिन से कई स्थानों पर तुलसी विवाह की परंपरा भी शुरू होती है.



प्रबोधिनी एकादशी श्री हरि को कैसे जगाएं

कार्तिक माह में कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं. कार्तिक माह में दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा जैसे कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं. कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की ग्यारस के दिन देवउठनी ग्यारस होती है. हिंदू परंपरा के अनुसार इस दिन से सभी शुभ कार्य, शादी, मुंडन, नामकरण संस्कार जैसे कार्य करना बेहद शुभ होता है. इस एकादशी को प्रबोधनी ग्यारस भी कहा जाता है. ये एकादशी दिवाली के 11 दिन बाद आती है.

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से जाना जाता है। इस दिन श्रीहरि विष्णु निद्रा से जागते हैं।

कैसे करें व्रत

- देवउठनी एकादशी के दिन व्रत करने वाली महिलाएं प्रात:काल में स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं :

'उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये।
त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम'
'उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव।
गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिश:'
'शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।'

इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें :

'यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि
धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमान: सचन्त यत्र
पूर्वे साध्या: सन्तिदेवा:'

देवउठनी एकादशी पर पढ़ें यह कथा, प्रसन्न होंगे भगवान विष्णु

चतुर्मास खत्म हो रहा है। इसके साथ ही आज से देशभर में शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। मान्यता है कि देवउठनी एकादशी के दिन ही चार महीने बाद भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं और फिर से सृष्टि का कार्यभार फिर से संभाल लेते हैं। आज के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूरे विधि-विधान से खास पूजा-अर्चना की जाती है।

देवउठनी एकादशी व्रत कथा

पौराणिक मान्यता और कथाओं के मुताबिक, एक राज्य था, जहां के सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। इस दिन नगर के किसी भी व्यक्ति या पशु पक्षी को अन्न नहीं दिया जाता था। एक समय ऐसा हुआ जब किसी दूसरी जगह का एक व्यक्ति राजा के दरबार में पहुंचा और नौकरी देने की प्रार्थना करने लगा। तब राजा ने उस व्यक्ति से कहा कि नौकरी तो ठीक है, लेकिन शर्त यह है कि माह में दो दिन एकादशी व्रत के दिन अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने राजा की शर्त मांग ली और उसे नौकरी पर रख लिया गया। अगले



महीने एकादशी व्रत था। उस दिन उसे अन्न नहीं मिला। उसे फलाहार की सामग्री दी गई। वह राजदरबार में पहुंचा और राजा से कहने लगा कि फलाहार से उसका पेट नहीं भरेगा। उसे अन्न चाहिए। यदि अन्न नहीं खाएगा तो उसके प्राण निकल जाएंगे। वह राजा के सामने गिड़गिड़ाने लगा। राजा ने उस व्यक्ति को नौकरी की शर्त याद दिलाई। फिर भी वह राजा से अन्न की मांग करता रहा। उसकी स्थिति को देखकर राजा ने उसे अन्न देने का आदेश दे दिया। उसे आटा, चावल और दाल मिल गया। वह पास स्थित एक नदी के तट पर पहुंचा और सबसे पहले स्नान किया। फिर भोजन तैयार करने लगा। जब खाना बन गया तो उसने भगवान से प्रार्थना की कि भोजन तैयार है, आप भोजन ग्रहण करें। उसकी प्रार्थना सुनकर भगवान विष्णु अपने चतुर्भुज स्वरूप में पीले वस्त्र धारण किए प्रकट हुए। उसने प्रभु के लिए भोजन परोसा। भगवान विष्णु अपने उस भक्त के साथ भोजन करने लगे। भोजन के बाद भगवान अपने लोक वापस और वह व्यक्ति अपने काम पर चला गया। जब अगली एकादशी आई तो उसने राजा से कहा कि उसे दोगुना अन्न दिया जाए। पहली एकादशी पर वह भूखा ही रहा क्योंकि उस दिन साथ में भगवान ने भी भोजन किया। उतने अन्न में दोनों भोजन ठीक से नहीं कर पाते हैं।



देवउठनी एकादशी पर इन खास चीजें, जीवन के सभी दुख होंगे दूर

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। यह तिथि सभी एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इसी दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागृत होते हैं और शुभ व मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। यह तिथि सभी एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इसी दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागृत होते हैं और शुभ व मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है।इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा के साथ-साथ शिवलिंग का अभिषेक करना भी बेहद शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि देवउठनी एकादशी के दिन सच्चे मन से व्रत और श्रीहरि की आराधना करने से पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-शांति आती है। वहीं, शिवलिंग पर विशेष वस्तुएं अर्पित करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। आइए जानते हैं कि देवउठनी एकादशी के दिन शिवलिंग पर क्या चढ़ाना चाहिए और इसके क्या लाभ होते हैं-

आर्थिक तंगी होगी दूर

यदि आप धन की कमी या आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, तो देवउठनी एकादशी के दिन सुबह स्नान कर पूजा करें। इसके बाद शिवलिंग पर चावल अर्पित करें और शिव मंत्रों का जप करें। मान्यता है कि ऐसा करने से महादेव प्रसन्न होकर आर्थिक समस्याओं से मुक्ति दिलाते हैं।

मानसिक तनाव से मिलेगा आराम

शिवलिंग पर गंगाजल और दूध से अभिषेक करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से मानसिक तनाव और नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही जीवन में शांति और स्थिरता बनी रहती है।

पूरी होंगी सभी मनोकामनाएं

देवउठनी एकादशी के दिन शिवलिंग पर दही और शहद चढ़ाना भी अत्यंत फलदायी माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इससे भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्त की हर इच्छा पूर्ण करते हैं।

मिलेगा मनचाहा वरदान

यदि आप किसी खास वरदान की इच्छा रखते हैं, तो इस दिन शमी के फूल शिवलिंग पर अर्पित करें। ऐसा करने से जीवन में शुभ फल मिलते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।





देवउठनी एकादशी पर तुलसी के साथ शालिग्राम का विवाह

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी, श्री हरि प्रबोधिनी एकादशी और देवोत्थान एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन तुलसीजी का शालिग्राम के साथ विवाह करने की परंपरा भी प्रचलित है। शालिग्राम एक पत्थर होता है जो कि नेपाल के मुक्तिनाथ, काली गंडकी नदी के तट पर ही पाया जाता है।

- हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप और माता तुलसी का विवाह किया जाता है। तुलसी विवाह के साथ ही विवाह के शुभ मुहूर्त भी शुरू हो जाते हैं। इस दिन से शुभ या मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं।
- प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीहरि योग निद्रा से जागने के बाद सर्वप्रथम माता तुलसी की पुकार ही सुनते हैं। शालिग्राम के साथ तुलसी का आध्यात्मिक विवाह देव उठनी एकादशी को होता है। इस दिन तुलसी की पूजा का महत्व है।
- तुलसी दल अकाल मृत्यु से बचाता है तो शालीग्राम और तुलसी की पूजा से पितृदोष का शमन होता है।
- प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह कराने वालों पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा बनी रहती है।
- कहते हैं कि शालिग्राम के साथ तुलसी विवाह से कन्यादान जितना पुण्य कार्य माना जाता है।
- भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह कराने से वैवाहिक जीवन सुखमय व्यतीत होता है।
- महिलाएं सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत और पूजन करती हैं।
- इस दिन देवउठनी एकादशी की पौराणिक कथा का श्रावण या वाचन करना चाहिए। कथा सुनने या कहने से पुण्य की प्राप्ति होती है।
- कहते हैं कि देवोत्थान एकादशी का व्रत करने से हजार अश्वमेघ एवं सौ राजसूय यज्ञ का फल मिलता है।
- देवउठनी या प्रबोधिनी एकादशी का व्रत करने से भाग्य जाग्रत होता है। इस दिन भगवान विष्णु या अपने इष्ट-देव की उपासना करना चाहिए। इस दिन ''ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नम: ''मंत्र का जाप करने से लाभ मिलता है।

देवउठनी एकादशी का महत्व

देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु 4 माह की योग निंद्रा से बाहर आते हैं. उसके बाद वे फिर से सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव से प्राप्त करते हैं. कहा जाता है कि देवउठनी एकादशी को भगवान पाताल लोक को छोड़कर वापस अपने वैकुंठ धाम वापस आ जाते हैं. असुरराज बलि को दिए वचन के अनुसार, भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक पाताल लोक में रहते हैं.

देवउठनी एकादशी पर चातुर्मास का समापन

देवउठनी एकादशी के दिन चातुर्मास का समापन हो जाता है क्योंकि भगवान विष्णु योग निद्रा से बाहर आ जाते हैं. उस दिन से विवाह, मुंडन, सगाई, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते हैं. उस दिन से इनके लिए शुभ मुहूर्त देखे जाने लगते हैं.

देवोत्थान एकादशी पर आज से गूंजेंगी शहनाइयां



नोएडा। देवउठनी एकादशी के साथ शुक्रवार से शहर में शादी-विवाह के कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। चार महीने के बाद भगवान विष्णु के योग निद्रा से जागने की मान्यता के साथ ही विवाह, गृह प्रवेश समेत अन्य मांगलिक कार्य शुरू होंगे। इस अवसर पर शहर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और तुलसी विवाह के आयोजन होंगे। वहीं, घरों में भी लोग परंपरा के अनुसार पूजा कर प्रसाद वितरण करेंगे।

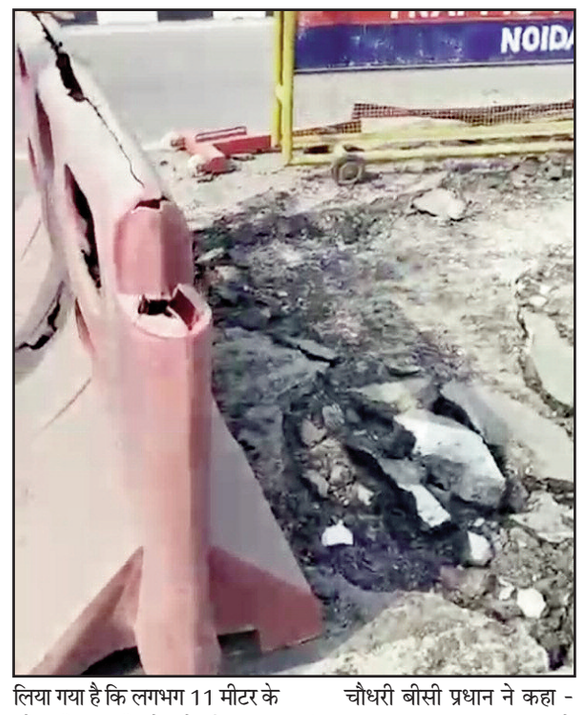
देवउठनी एकादशी पर शहर के प्रमुख मंदिरों में भगवान विष्णु और माता तुलसी की विशेष पूजा-अर्चना होगी। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में शुक्रवार को तुलसी के पौधे को चुनरी, फूल और अन्य पूजन सामग्री से सजाया जाएगा और शालिग्राम भगवान के साथ विवाह की रस्में पूरी की जाएंगी। इसके अलावा परिसर में श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में बाबा का विशेष शृंगार करने के बाद उनके नाम का पाठ होगा और प्रसिद्ध गायक भजन-कीर्तन की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा। सेक्टर-62 सी ब्लॉक स्थित शिव शक्ति मंदिर में शाम को बारात निकाली जाएगी, इसके बाद विवाह की रस्में निभाई जाएंगी। इसके अलावा सेक्टर-45 स्थित प्राचनी शिव मंदिर, सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर सहित शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी तुलसी विवाह का आयोजन होगा।

घरों में पूजा और तुलसी विवाह की तैयारी: देवउठनी एकादशी पर घरों में भी महिलाएं घर के आंगन में चौक बनाएंगी। भगवान विष्णु के प्रतीकात्मक चरण चिह्न बनाकर पूजा-अर्चना की जाएगी। साथ ही तुलसी के पौधे को चुनरी, फूल और अन्य पूजन सामग्रियों से सजाया जाएगा। इसके बाद गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी और शालिग्राम भगवान का विवाह कराया जाएगा। पूजा में फल, सिंघाडा, मूंगफली, मिठाई और मौसमी चीजें चढ़ाई जाएंगी। वहीं शाम को दीप जलाकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी।

सिंघाड़े और मूंगफली के बढ़े दाम: देवउठनी एकादशी पर होने वाली पूजा में इस्तेमाल होने वाले सिंघाड़े और मूंगफली की मांग बढ़ने से इनके दाम भी बढ़ गए हैं। सिंघाड़ा 100 रुपये किलो और मूंगफली 150 रुपये किलो तक बिक रही है। सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट और सेक्टर-18 की अट्टा मार्केट समेत शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में देवउठनी एकादशी की खरीदारी के लिए लोग पहुंच रहे है। दुकानदारों के अनुसार पूजा में इस्तेमाल होने वाले सिंघाड़े और मूंगफली की मांग बढ़ गई है। सिंघाड़ा आम दिनों में 60 से 70 रुपये किलो मिलता है, जबकि अब इसका दाम बढ़कर 100 रुपये किलो पहुंच गया है। इसी तरह मूंगफली भी 100 से 120 रुपये किलो के मुकाबले 150 रुपये किलो बिक रही है। दुकानदारों का कहना है कि देवउठनी एकादशी के साथ सर्दियों में मूंगफली की मांग ज्यादा रहती है, इसलिए आने वाले दिनों में इनके दाम और बढ़ेंगे।

शादी-विवाह के सीजन की तैयारियां: देवउठनी एकादशी के साथ शादी-विवाह का सीजन शुरू होने से शहर में इससे जुड़े कारोबार में भी तेजी आ गई है। बैंक्वेट हॉल और फार्म हाउस में सफाई, लाइटिंग और सजावट का काम पूरा हो गया है। कई बैंक्वेट हॉल और फार्म हाउस में तीन-चार दिनों से सगाई के कार्यक्रम हो चुकें है। सेक्टर-18 की अट्टा मार्केट, सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट और भंगेल मार्केट समेत शहर की अन्य जगहों पर दूल्हा-दुल्हन के कपड़ों की खरीदारी बढ़ गई है। दूल्हों के लिए शेरवानी और सूट, जबकि दुल्हनों के लिए लहंगे की सिलाई और खरीदारी हो रही है। साथ ही शादी में शामिल होने वाले ज्वेलरी, जूते, कॉस्मेटिक और गिफ्ट की दुकानों पर भी ग्राहक पहुंच रहे हैं। वहीं, बैंड-बाजा, ढोल और घुड़चढ़ी के लिए भी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नवंबर और दिसंबर के महीने में कुल 12 शुभ मुहूर्त पर विवाह संपन्न होंगे।

खबर का असर: एलिवेटेड रोड की मरम्मत का सी ई ओ ने लिया संज्ञान, 10 दिसंबर तक पूरा करने का दिया अल्टीमेटम



नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) द्वारा उठाए गए नोएडा के एमपी-2 एलिवेटेड रोड (सेक्टर 61-60 से सेक्टर 28-29 होते हुए सेक्टर-18 अट्टा बाजार) के एक माह से बंद होने के मुद्दे पर बड़ी कार्रवाई हुई है।

संगठन के महानगर उपाध्यक्ष (युवा) अरुण गौतम द्वारा शनिवार को मौके का निरीक्षण कर इस समस्या को प्रमुखता से उठाया गया था। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने इसे प्राधिकरण की लापरवाही और भ्रष्टाचार का उदाहरण बताते हुए तत्काल मरम्मत शुरू करने, ठेकेदार कंपनी व प्रोजेक्ट इंजीनियरों की जांच की मांग की थी।

इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित होने पर नोएडा प्राधिकरण के ष्टश्वह्र श्री कृष्णा करुणेश ने संज्ञान लिया है। जागरण में प्रकाशित खबर के अनुसार सेक्टर-18 की ओर जाने वाले कैरिज-वे पर करीब 26 दिन पहले सेगमेंट में दरार आई थी जिसके बाद एक लेन बंद की गई थी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि बेयरिंग कमजोर होने के कारण यह क्षति हुई है। पहले केवल गड्ढे को भरने की योजना थी लेकिन अब निर्णय लिया गया है कि लगभग 11 मीटर के पूरे क्षतिग्रस्त हिस्से को ही बदला जाएगा और सुरक्षा के दृष्टिगत पूरी एलिवेटेड रोड की विस्तृत तकनीकी जांच कराई जाएगी, जिसे 10 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश ष्टश्वह्र द्वारा दिए गए हैं।

चौधरी बीसी प्रधान ने कहा - 'हम ष्टश्वह्र साहब का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने जनहित में त्वरित संज्ञान लिया। यह लाखों नोएडा वासियों को जाम से राहत दिलाएगा। हमें उम्मीद है कि कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण होगा। '

ग्रेटर नोएडा में धूल उड़ाने पर दो सफाई कंपनियों पर 1-1 लाख का जुर्माना, ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी

ग्रेटर नोएडा। सड़कों की सफाई के दौरान पानी का छिड़काव नहीं करने और हवा में धूल उड़ाने के गंभीर मामले में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से बड़ी और सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। प्राधिकरण ने मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों के जरिए सड़कों की सफाई करने वाली दो निजी कंपनियों पर एक-एक लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। जिन कंपनियों पर यह आर्थिक दंड लगाया गया है, उनके नाम मैसर्स एंटनी वेस्ट हैंडलिंग सेल लिमिटेड और मैसर्स यदुवंशी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड हैं। प्राधिकरण की ओर से दोनों कंपनियों को आधिकारिक रूप से नोटिस जारी कर दिए गए हैं और उनसे तीन दिन के भीतर अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राधिकरण की तरफ से यह भी साफ चेतावनी दी गई है कि यदि कंपनियों का स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

प्राधिकरण के सीईओ डॉ. बलकार सिंह के कड़े निर्देशों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने यह पूरी कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर की सड़कों को पूरी तरह से धूल मुक्त बनाने के लिए ट्रक माउंटेड मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों के माध्यम से सफाई कराने का काम चल रहा है। सफाई के इस काम के दौरान मशीनों द्वारा पानी का छिड़काव बिल्कुल नहीं किया जा रहा था, जिसकी वजह से मशीनों के पीछे सड़क पर भारी धूल का गुबार उड़ने लगा था।

इस गड़बड़ी की शिकायत सोशल मीडिया के माध्यम से प्राधिकरण तक पहुंची थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तुरंत एक्शन लिया और दोनों कंपनियों के खिलाफ यह दंडात्मक कदम उठाया।

प्रदूषण नियमों की अनदेखी पर गिरी गाज: स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि 18 नवंबर 2026 को दोनों कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए गए हैं। ये दोनों कंपनियां इस समय ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों के संचालन और उनके रखरखाव के साथ-साथ सड़कों की यांत्रिक सफाई का महत्वपूर्ण काम संभाल रही हैं।

जारी किए गए नोटिस में इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के सख्त निर्देश लागू हैं। इन सभी के नियमों के तहत सड़कों की सफाई शुरू करने से पहले पानी का छिड़काव करना और सफाई प्रक्रिया के दौरान तयशुदा सभी सावधानियों का पालन करना पूरी तरह अनिवार्य है। इसके बावजूद मशीनों के जरिए अत्यधिक मात्रा में धूल उड़ना सीधे तौर पर एक गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। प्राधिकरण द्वारा लगाया गया जुर्माने का यह पैसा दोनों कंपनियों के आगामी बिलों से सीधे कटौती करके वसूला जाएगा।

प्राधिकरण के उपमहाप्रबंधक विजय रावल ने इस पूरे मामले पर अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा है कि शहर में प्रदूषण फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति अथवा फर्म को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ हमेशा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क सुरक्षा : जीवन की रक्षा, समाज की जिम्मेदारी और राष्ट्र का संकल्प : रामकुमार वालिया

नोएडा। किसान उपभोक्ता बहुराज्य सहकारी समिति लिमिटेड के अध्यक्ष राम कुमार वालिया ने सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए सड़क यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, जीवन बचाने का संकल्प है

सड़कें किसी भी देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति की महत्वपूर्ण आधारशिला होती हैं। सड़क मार्गों के माध्यम से ही देश का व्यापार, उद्योग, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ तथा आम जनजीवन गतिशील रहता है। आज भारत विश्व के सबसे बड़े सड़क नेटवर्क वाले देशों में शामिल है। देश में प्रतिदिन करोड़ों लोग अपने कार्यस्थल, विद्यालय, बाजार, अस्पताल तथा अन्य आवश्यक स्थानों तक पहुँचने के लिए सड़कों का उपयोग करते हैं।

लेकिन विकास और आधुनिक परिवहन सुविधाओं के साथ एक गंभीर चुनौती भी हमारे सामने खड़ी है, जिसे हम सड़क दुर्घटनाओं के रूप में देख रहे हैं। सड़क दुर्घटनाएँ केवल किसी व्यक्ति की जान नहीं लेतीं, बल्कि पूरे परिवार की खुशियाँ छीन लेती हैं। किसी घर का कमाने वाला सदस्य, किसी माँ का बेटा, किसी बच्चे का पिता अथवा किसी बहन का भाई असमय काल के गाल में समा जाता है। पीछे रह जाते हैं रोते-बिलखते परिजन, अधूरे सपने और जीवनभर का दुख।

इसलिए सड़क सुरक्षा को केवल यातायात पुलिस अथवा सरकार की जिम्मेदारी मानना उचित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक परिवार और पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सड़क दुर्घटनाओं के सरकारी आँकड़े : एक चिंताजनक वास्तविकता

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति कितनी गंभीर है, इसका अनुमान सरकारी आँकड़ों से लगाया जा सकता है।

भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में देशभर में कुल 4,87,707 सड़क दुर्घटनाएँ दर्ज की गईं, जिनमें 1,77,175 लोगों की मृत्यु हुई तथा 4,71,441 लोग घायल हुए।

इन आँकड़ों का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि प्रतिदिन औसतन लगभग 485 लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में चली जाती है। दूसरे शब्दों में कहें तो लगभग प्रत्येक तीन मिनट में एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना के कारण अपनी जान गंवा रहा है।

ये केवल सरकारी आँकड़े नहीं हैं, बल्कि लाखों परिवारों की पीड़ा और सामाजिक क्षति की कहानी हैं। यदि समय रहते सड़क सुरक्षा के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई गई तो यह समस्या भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती है।

सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण

सड़क दुर्घटनाओं के पीछे अनेक कारण होते हैं, जिनमें सबसे प्रमुख मानवीय लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी है।

1. तेज गति से वाहन चलाना : निर्धारित गति सीमा से अधिक गति में वाहन चलाना दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। तेज रफ्तार में वाहन चालक को अचानक सामने आने वाली बाधा से बचने का पर्याप्त समय नहीं मिलता।

2. हेलमेट का प्रयोग न करना : दोपहिया वाहन चलाते समय अनेक लोग हेलमेट का प्रयोग नहीं करते अथवा केवल पुलिस से बचने के लिए हेलमेट पहनते हैं। हेलमेट का सही ढंग से प्रयोग सिर की गंभीर चोट और मृत्यु के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

3. सीट बेल्ट नहीं लगाना : कार एवं अन्य चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट का प्रयोग जीवनरक्षक साबित हो सकता है। इसके बावजूद अनेक लोग छोटी दूरी का बहाना बनाकर सीट बेल्ट नहीं लगाते।

4. शराब पीकर वाहन चलाना : नशे की अवस्था में वाहन चलाने से व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता, प्रतिक्रिया का समय और वाहन पर नियंत्रण प्रभावित होता है। यह स्वयं चालक के साथ-साथ निर्दोष राहगीरों के जीवन के लिए भी खतरा है।

5. मोबाइल फोन का इस्तेमाल : वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, संदेश पढ़ना अथवा सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना अत्यंत खतरनाक है। कुछ सेकंड का ध्यान भटकना भी जानलेवा दुर्घटना का कारण बन सकता है।

6. यातायात संकेतों की अनदेखी : लाल बत्ती पार करना, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना संकेत दिए मुड़ना तथा ओवरटेक करने में लापरवाही बरतना भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देता है।



7. सड़कों की खराब स्थिति : सड़कों पर गड्ढे, खराब प्रकाश व्यवस्था, संकेतकों की कमी, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण भी दुर्घटनाओं के महत्वपूर्ण कारण हैं। इनके सुधार की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन और विभागों की है।

सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य

हम सभी को यह समझना होगा कि यातायात के नियम किसी व्यक्ति को परेशान करने के लिए नहीं बनाए गए हैं, बल्कि हमारी और दूसरों की जान बचाने के लिए बनाए गए हैं।

प्रत्येक वाहन चालक को वाहन चलाने से पहले निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए :

दोपहिया वाहन चलाते समय चालक और पीछे बैठने वाले व्यक्ति दोनों को निर्धारित मानकों के अनुरूप हेलमेट पहनना चाहिए।

चारपहिया वाहन में आगे और पीछे बैठने वाले यात्रियों को सीट बेल्ट लगानी चाहिए।

निर्धारित गति सीमा का पालन करना चाहिए।

शराब या किसी अन्य नशीले पदार्थ के सेवन के बाद वाहन कभी नहीं चलाना चाहिए।

वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

लाल बत्ती, जेब्रा क्रॉसिंग और अन्य यातायात संकेतों का सम्मान करना चाहिए।

एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को रास्ता देना चाहिए।

पैदल यात्रियों, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को सड़क पार करने में प्राथमिकता एवं सुरक्षित अवसर देना चाहिए।

वाहन चलाने से पहले ब्रेक, टायर, लाइट और अन्य आवश्यक उपकरणों की जाँच करनी चाहिए।

वाहन चलाते समय धैर्य, संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए।

सरकार, प्रशासन और समाज की संयुक्त भूमिका

सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए सरकार, प्रशासन, यातायात पुलिस, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को मिलकर काम करना होगा।

भारत सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए शिक्षा, सड़क एवं वाहन इंजीनियरिंग, यातायात नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन तथा दुर्घटना के बाद आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर कार्य किया जा रहा है।

इसके साथ ही दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान करके उनका सुधार, बेहतर सड़क निर्माण, संकेतकों की स्थापना, सीसीटीवी निगरानी, आधुनिक यातायात प्रबंधन और एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत करना भी आवश्यक है।

विद्यालयों और महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा को जागरूकता अभियान के रूप में चलाया जाना चाहिए। बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही यातायात नियमों की शिक्षा दी जानी चाहिए, ताकि वे बड़े होकर जिम्मेदार नागरिक और अनुशासित वाहन चालक बन सकें।

सामाजिक एवं राष्ट्रीय संगठनों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। विभिन्न संस्थाओं को गांवों, कस्बों, शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। नुक्कड़ सभाओं, संगोष्ठियों, रैलियों, पोस्टरों और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।

मेरा मानना है कि यदि प्रत्येक सामाजिक संगठन वर्ष में कुछ दिन सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए समर्पित कर दे, तो इस दिशा में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

दुर्घटना होने पर घायलों की सहायता करना भी हमारा मानवीय धर्म

सड़क सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को समय पर सहायता उपलब्ध कराना है। कई बार दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मृत्यु केवल इसलिए हो जाती है क्योंकि उसे समय पर अस्पताल नहीं पहुँचाया जा सका।

ऐसी परिस्थितियों में आम नागरिकों को मानवीय संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। दुर्घटना देखकर आगे बढ़ जाने के बजाय घायल व्यक्ति की सहायता के लिए आगे आना चाहिए और तुरंत एंबुलेंस तथा आपातकालीन सेवाओं को सूचना देनी चाहिए।

सरकार द्वारा निर्धारित गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति) व्यवस्था का उद्देश्य भी ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना है, जो सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करते हैं। हमें यह समझना होगा कि किसी अनजान व्यक्ति की जान बचाना भी समाज और राष्ट्र की महान सेवा है।

सड़क सुरक्षा में युवाओं और महिलाओं की भूमिका

भारत की युवा शक्ति देश का भविष्य है। युवाओं को चाहिए कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने मित्रों तथा परिवार के सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

विशेष रूप से युवा वर्ग में तेज गति से वाहन चलाने, स्टंट करने और सोशल मीडिया के लिए खतरनाक वीडियो बनाने की प्रवृत्ति को रोकना आवश्यक है। महिलाएँ भी परिवार में सड़क सुरक्षा की संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वे अपने बच्चों, पति और परिवार के अन्य सदस्यों को हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

मेरा संकल्प : दुर्घटनामुक्त भारत की ओर

एक सामाजिक कार्यकर्ता, राष्ट्रीय संगठन के अध्यक्ष तथा पूर्व राज्य मंत्री के रूप में मेरा मानना है कि देश की सच्ची प्रगति केवल चौड़ी सड़कों, बड़े एक्सप्रेस-वे और आधुनिक वाहनों से नहीं मापी जा सकती। वास्तविक प्रगति तब होगी जब इन सड़कों पर चलने वाला प्रत्येक नागरिक सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुँच सके।

हमें सड़क सुरक्षा को एक जन आंदोलन का रूप देना होगा। सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन केवल चालान के डर से नहीं, बल्कि अपने जीवन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान की भावना से करना होगा।

मैं देश के सभी नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संस्थाओं, किसान संगठनों, सहकारी संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से अपील करता हूँ कि वे सड़क सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं। प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले कि वह स्वयं यातायात नियमों का पालन करेगा और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करेगा।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि घर पर हमारा कोई अपना हमारी प्रतीक्षा कर रहा होता है। इसलिए कुछ मिनट बचाने के लिए अपनी और दूसरों की जिंदगी को खतरे में डालना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है।

अंततः मेरा यही संदेश है कि सड़क पर सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है, नियमों का पालन ही सच्ची समझदारी है और जीवन की रक्षा ही सबसे बड़ी मानव सेवा है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें, जहाँ सड़कें विकास का मार्ग बनें, दुर्घटनाओं का कारण नहीं। जहाँ प्रत्येक नागरिक सुरक्षित यात्रा करे और प्रत्येक परिवार अपने प्रियजनों के सकुशल घर लौटने की खुशी महसूस करे।

सड़क सुरक्षा अपनाएं, जीवन बचाएं और दुर्घटनामुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

नोएडा में 22 नवंबर को लगेगा निःशुल्क मेगा हेल्थ मेला, कई बीमारियों की होगी जांच



नोएडा। नोएडा में 22 नवंबर को निःशुल्क मेगा हेल्थ मेला-2026 का आयोजन किया जाएगा। नोएडा डायबिटिक फोरम और जुनून चैरिटेबल सोसाइटी की ओर से आयोजित इस स्वास्थ्य मेले को नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन सहित अन्य संस्थाओं का सहयोग रहेगा । इसमें विभिन्न स्वास्थ्य जांचों के साथ प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों को निःशुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच करेंगे।आरडब्ल्यूए सेक्टर- 11 के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य मेले का आयोजन सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल, सी-41 में किया जाएगा। रविवार सुबह 9 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। इसके लिए पंजीकरण सुबह 9 से 11 बजे तक किया जाएगा।मेले में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की जांच (पीएफटी), न्यूरोपैथी, बोन डेंसिटी (बीएमडी), ईसीजी, लिवर फाइब्रोस्कैन, एचबीए1सी, लिपिड और यूरिक एसिड सहित विभिन्न जांचें निःशुल्क की जाएंगी। इसके अलावा यथार्थ, फेलिक्स, कैलाश, मेट्रो, नियो, सुमित्रा, मानस एंड विनायक, इंडोगोल्फ, एनएमएच और प्रकाश अस्पतालों के चिकित्सक लोगों को निःशुल्क परामर्श देंगे। आयोजकों ने सभी लोगों से स्वास्थ्य मेले में पहुंचकर निःशुल्क जांच और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाने की अपील की है।

जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विकास कार्यों में तेजी एवं आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

गौतमबुद्धनगर। राज्य मंत्री, लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश एवं जनपद प्रभारी मंत्री गौतमबुद्धनगर बृजेश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था, राजस्व एवं मा0 मुख्यमंत्री जी के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान मा0 प्रभारी मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी योजनाओं एवं विकास कार्यों का प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच सके।

समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मा0 मंत्री जी ने निवास, आय एवं जाति प्रमाण पत्र सहित आमजन से जुड़ी विभिन्न राजस्व सेवाओं को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व सेवाओं का सीधा संबंध आम नागरिकों से है, इसलिए इनके निस्तारण में अनावश्यक विलंब न हो और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराई जाए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान गोल्डन कार्ड निर्माण, नियमित टीकाकरण, एम्बुलेंस सेवाओं तथा स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। मा0 मंत्री जी ने निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाए जाएं तथा शासन की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए। साथ ही सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

कृषि एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा करते हुए मा0 मंत्री जी ने किसानों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरकों एवं गुणवत्तापूर्ण बीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि संबंधी संसाधनों की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सिंचाई व्यवस्था की समीक्षा के दौरान नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त एवं सुचारु जलापूर्ति उपलब्ध कराई जाए, जिससे कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिल सके।

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत जनपद में संचालित सड़क निर्माण, मरम्मत एवं चौड़ीकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मा0 मंत्री जी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क व्यवस्था किसी भी क्षेत्र के विकास एवं निवेश को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वहीं, जल जीवन मिशन ग्रामीण एवं शहरी की समीक्षा करते हुए प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को प्राथमिकता से पूरा करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान मा0 मंत्री जी ने जनपद में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से प्राप्त विद्युत संबंधी प्रस्तावों एवं समस्याओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उद्योग विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने निवेश संबंधी एमओयू को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया में तेजी लाने, लंबित निवेश परियोजनाओं को शीघ्र गति प्रदान करने तथा औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने पर जोर दिया। साथ ही बैंकर्स समिति की बैठकों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

पुलिस ने 400 सीसीटीवी और 4000 नंबर किए ट्रैक, फ्लैट में चोरी करने वाले तीन बदमाश पकड़े, 34 लाख के जेवर , एक लाख कैश 5 लाख कराए फ्रीज

नोएडा। सेक्टर-50 की द क्रीसेंट अपार्टमेंट सोसायटी में दो फ्लैटों में हुई चोरी का खुलासा करने के लिए पुलिस ने करीब 400 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही घटनास्थल और आसपास सक्रिय रहे करीब 4 हजार मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया।

हाईवे और जिले की सीमाओं पर लगे कैमरों की फुटेज भी जांची गई। कई दिन की पड़ताल के बाद पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी प्रीति यादव ने बताया कि थाना सेक्टर-49 पुलिस ने तीनों आरोपियों को 19 नवंबर को सेक्टर-50 स्थित मेघदूतम पार्क के सामने से गिरफ्तार किया। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और दूसरी वारदातों में उनकी संलिप्तता की जानकारी जुटा रही है। इनके कब्जे से चोरी के करीब 34 लाख के जेवर, एक लाख रुपये कैश और वारदात में इस्तेमाल वैगनआर कार बरामद की गई है। आरोपियों के पास से दो फर्जी



नंबर प्लेट भी मिली हैं। वहीं, एक आरोपी के बैंक खाते में चोरी की रकम से जुड़े पांच लाख रुपये फ्रीज कराए गए हैं। डीसीपी ने बताया कि 13 अक्टूबर को द क्रीसेंट अपार्टमेंट, सेक्टर-50 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उनके फ्लैट और सोसायटी के एक अन्य फ्लैट में चोरी हुई है। चोर दोनों फ्लैटों के ताले तोड़कर कीमती सामान ले गए थे। मामले के खुलासे के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया था।

बारिश में कार खड़ी कर दीवार फांदकर घुसे थे बदमाश: पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बंद मकानों और फ्लैटों की रेकी कर चोरी करते हैं। 11 और 12 अक्टूबर की रात तीनों अपने एक अन्य साथी के साथ वैगनआर कार से नोएडा पहुंचे थे। पहचान छिपाने के लिए कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। आरोपी सेक्टर-50 स्थित सोसायटी के आसपास काफी देर तक घूमते रहे। बारिश होने के दौरान उन्होंने सोसायटी के कॉर्नर पर कार खड़ी की और दीवार फांदकर अंदर घुस गए।

आरोपियों ने चेहरे पर मास्क और सिर पर टोपी लगा रखी थी। इसके बाद बंद पड़े एक फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी की। फिर नीचे के एक अन्य बंद फ्लैट को भी निशाना बनाया। वारदात के दौरान आरोपियों ने आसपास के फ्लैटों के दरवाजों की बाहर से कुंडी लगा दी थी, ताकि कोई बाहर निकलकर उन्हें पकड़ न सके। चोरी करने के बाद सभी कार में बैठकर फरार हो गए।

दिल्ली में भी करते थे चोरी, कई मुकदमे दर्ज: पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में भी चोरी की वारदात करते थे। वारदात के बाद सभी अलग-अलग जगह चले जाते थे। कुछ दिन बीतने पर चोरी के सामान का आपस में बंटवारा करते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जहांगीरपुरी दिल्ली निवासी वीरेंद्र उर्फ सोनू (35), आजादपुर निवासी सन्नी उर्फ सोनू (39) और गोंडा निवासी जितेंद्र मौर्य उर्फ मुन्ना (31) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि जितेंद्र मौर्य के खिलाफ हत्या, लूट, हत्या के प्रयास और एनडीपीएस एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। सन्नी और वीरेंद्र के खिलाफ भी दिल्ली में चोरी के कई मामले दर्ज हैं। इनके एक अन्य साथी की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

ये सामान हुआ बरामद: पुलिस ने आरोपियों के पास से 100 ग्राम सोने का बिस्कुट, सोने का हार, दो सोने की बालियां, एक सोने का ब्रेसलेट, एक घड़ी और एक किलो 900 ग्राम चांदी की सिल्ली बरामद की है।

इसके अलावा एक लाख रुपये कैश, चोरी में इस्तेमाल वैगनआर कार, दो फर्जी नंबर प्लेट, कटर, पेचकस, प्लास और छेनी भी मिली है। आरोपियों के पास से तीन टोपी, तीन जोड़ी दस्ताने और तीन मास्क बरामद हुए हैं। पुलिस ने सन्नी के बैंक खाते में वारदात से संबंधित पांच लाख रुपये फ्रीज कराए हैं।

सेक्टर पी-3 इलाके की सड़कों पर उजाला बढ़ेगा

नोएडा। शहर के आवासीय सेक्टर पी-3 इलाके की सड़कों पर उजाला और अधिक बढ़ेगा। इसके लिए नई एलईडी स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट की संख्या बढ़ाई जा रही है। इस पर लगभग 1.32 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। यह काम अगले दो से तीन में पूरा करने का लक्ष्य है। सेक्टर की सड़कों पर अंधेरा रहने की समस्या आरडब्ल्यूए द्वारा उठाई गई थी।

प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी के मुताबिक सेक्टर पी- 3 सहित पूरे बिल्डर्स एरिया की 24 मीटर चौड़ी सड़क पर एक तरफ पहले से स्ट्रीट लाइट के खंभे लगे हैं। अब सड़क की दूसरी तरफ भी नए खंभे और लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। डी-ब्लॉक के हरित क्षेत्र में 4 नई हाईमास्ट लाइटें लगाई जा रही हैं। इससे अंधेरे की समस्या दूर हो जाएगी। वहीं, गेट नंबर 2, 3, 4, 5 एवं 6 पर बाजार की तर्ज पर नई हाईमास्ट लाइटें लगाई जा रही हैं। वरिष्ठ प्रबंधक अश्विनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि सेक्टर के ए एवं बी-ब्लॉक के जिन पार्कों में हाईमास्ट लाइट नहीं लगी थी, वहां पर भी हाईमास्ट लाइटें लगाई जा रही हैं। गेट नंबर 3 के पास निर्माणाधीन स्पोर्ट्स क्लब पी-3 में स्टेडियम की तर्ज पर 3 आधुनिक हाईमास्ट लाइटें लगाई जा रही हैं। ए और बी ब्लॉक के बीच स्थित हरित क्षेत्र में, जहां पार्क की तर्ज पर चारदीवारी का कार्य कराया जा चुका है, वहां ट्रैक के दोनों तरफ 6-6 मीटर ऊंची स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अमित भाटी का कहना है कि सेक्टर के विकास को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

अंधेरे वाले स्थानों पर लाइट लगाने का काम: रात के समय में लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो, इसके लिए अंधेरे वाले स्थान चिह्नित कर वहां पर एलईडी स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट लगाने का काम किया जा रहा है। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की टीमों द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है।

रेस्टोरेंट में भोजन करने से अधिवक्ता की तबीयत बिगड़ी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित केबी प्लाजा के एक रेस्टोरेंट में भोजन करने से अधिवक्ता की तबीयत बिगड़ गई। अधिवक्ता ने इस मामले में रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ बिसरख कोतवाली पुलिस और खाद्य सुरक्षा अधिकारी से शिकायत की है। अधिवक्ता श्याम सिंह भाटी ने बताया कि उनके बेटे का मंगलवार को जन्मदिन था। वह अपने परिवार के साथ उक्त रेस्टोरेंट में भोजन करने गए थे। वहां पर नूडल्स में बाल और मच्छर निकले। जब इसकी शिकायत रेस्टोरेंट संचालक से की तो उन्होंने गलती स्वीकार करने के बजाय उल्टे अपनी दबंगई दिखाते हुए वहां पर अपने बाउंसरों को बुला लिया। उनके परिवार के साथ दुर्व्यवहार किया।

घटना के बाद बड़ी संख्या में अधिकता बिसरख थाने पहुंच गए और रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ शिकायत दी। अधिवक्ता का आरोप है कि भोजन से उनकी तबीयत बिगड़ गई। दादरी के सरकारी अस्पताल में उन्होंने अपना इलाज कराया।

नोएडा की सियासत में नई हलचल, मीडिया रणनीतिकार निखिल सिंघल 100 से अधिक समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

नोएडा। नोएडा के मीडिया एवं जनसंपर्क क्षेत्र से जुड़े उद्यमी और नोएडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय, 24 अकबर रोड पर आयोजित सदस्यता कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी एवं वरिष्ठ नेता श्री राजेंद्र पाल गौतम ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर कांग्रेस के सह-प्रभारी श्री संजीव आर्य सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

निखिल सिंघल के साथ नोएडा से आए 100 से अधिक समर्थक, युवा और विभिन्न पेशों से जुड़े लोग भी कांग्रेस में शामिल हुए। वैश्य समाज से आने वाले सिंघल लंबे समय से नोएडा की हाईराइज सोसाइटियों के नागरिक मुद्दों को उठाते रहे हैं। उनके साथ पूर्व मंडल उपाध्यक्ष दिनेश मिश्रा ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। दिनेश मिश्रा वर्तमान में ब्राह्मण समाज महासंघ, गौतम बुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष हैं।

ह॥ अध्यक्ष के रूप में निखिल सिंघल फ्लैटों की लंबित रजिस्ट्री, बिल्डर संबंधी समस्याओं, मेट्रो कनेक्टिविटी, सड़क, बिजली, पानी, सुरक्षा, प्रदूषण और लिफ्ट एवं फायर सेफ्टी जैसे मुद्दों को उठाते रहे हैं। इससे पहले वह सेक्टर-119 स्थित एल्डेको आमंत्रण सोसाइटी की



अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (ह) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह विगोर मीडिया वर्ल्डवाइड के संस्थापक हैं।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद निखिल सिंघल ने कहा, 'सार्वजनिक जीवन से मेरा जुड़ाव हमेशा लोगों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए काम करने से रहा है। पिछले कई वर्षों में नोएडा के लोगों के साथ काम करते हुए उनके मुद्दों को करीब से जानने का अवसर मिला है। कांग्रेस जैसे प्रमुख राजनीतिक मंच से जुड़कर मुझे जनसेवा के अपने संकल्प को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। '

श्री सिंघल ने कहा कि नोएडा में लाखों फ्लैट खरीदारों की लंबित रजिस्ट्री सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। लोग जीवनभर की कमाई लगाकर घर खरीदते हैं, लेकिन वर्षों तक उन्हें अपने ही घर की रजिस्ट्री के लिए संघर्ष करना पड़ता है। यह केवल संपत्ति का नहीं, बल्कि मध्यमवर्गीय परिवारों के सम्मान और अधिकारों का सवाल है। उन्होंने मेट्रो कनेक्टिविटी, यातायात, बिजली, पानी, प्रदूषण और हाईराइज सोसाइटियों में लिफ्ट एवं फायर सेफ्टी को भी प्रमुख नागरिक मुद्दे बताया।

उन्होंने कहा, 'मैं कांग्रेस पार्टी के मंच से इन मुद्दों को मजबूती से उठाऊंगा। मेरा प्रयास रहेगा कि नोएडा के आम नागरिकों, युवाओं, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और मध्यमवर्गीय परिवारों की आवाज सरकार एवं प्रशासन तक पहुंचे। साथ ही पूरी निष्ठा से कांग्रेस पार्टी को नोएडा में मजबूत करने और संगठन का विस्तार करने के लिए काम करूंगा। 'प्रेस वार्ता के दौरान निखिल सिंघल ने कांग्रेस पार्टी से विशेष अनुरोध किया कि नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में फ्लैट रजिस्ट्री का मुद्दा लाखों लोगों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने आग्रह किया कि कांग्रेस पार्टी इसे अपने प्रमुख एजेंडे में शामिल करे, ताकि वर्षों से रजिस्ट्री की प्रतीक्षा कर रहे फ्लैट खरीदारों की समस्याओं को उचित राजनीतिक मंच पर उठाया जा सके। उल्लेखनीय है कि निखिल सिंघल ने 24 अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय में सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही फ्लैट रजिस्ट्री के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। इस अवसर पर नोएडा शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। विभिन्न हाईराइज सोसाइटियों के ह॥ अध्यक्ष एवं सदस्यगण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। गौतम बुद्ध नगर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दीपक चोटीवाला एवं महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव भी मौजूद रहे।

यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने निखिल सिंघल में अपना विश्वास जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि उनके नेतृत्व और प्रयासों से नोएडा शहर में कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलेगी। निखिल सिंघल ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आए सभी सम्मानित लोगों का हृदय से धन्यवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल के घर का ताला तोड़कर चोरी

नोएडा। सेक्टर बीटा-1 में बदमाशों ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल के बंद घर का ताला तोड़कर बिजली और सेनेटरी का सामान चोरी कर लिया। सेवानिवृत लेफ्टिनेंट कर्नल के बेटे ने मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर बीटा-1 में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल एसबी शर्मा का घर है। वह फिलहाल हैदराबाद में रहते हैं। उनका बेटा डॉ. अजय शर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर है। डॉ. अजय शर्मा ने पुलिस को शिकायत दी कि उनके बंद घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। पड़ोसी ने इस घटना के बारे में फोन कर उन्हें बताया।

जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि ताले टूटे थे। घर से बिजली के तार, बोर्ड, पानी की टोंटी पाइप आदि सामान गायब था। घर में लगे पंखे टूटे थे। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घर के आस-पास लगे सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

ई-नीलामी में 135 करोड़ में बिका भूखंड

नोएडा। सेक्टर-135 में दो एकड़ का भूखंड प्राधिकरण की ई-नीलामी में 135 करोड़ रुपये में बिका। जीवाईजीवाई ग्रुप ने सबसे अधिक बोली लगाकर यह व्यावसायिक भूखंड खरीदा। इस भूखंड को लगभग 6.5 लाख वर्ग फीट में प्रीमियम वाणिज्यिक विकास के लिए निर्धारित किया गया है। समूह के निदेशक नवनीत डी ने कहा कि अधिग्रहण वाणिज्यिक, आईटी और आईटीईएस खंडों में ग्रुप की उपस्थिति बढ़ाने की दिशा में यह एक और रणनीतिक कदम है।

नोएडा-ग्रेनो डिपो ने 25 हजार अधिक यात्रियों को सफर करा बनाया रिकार्ड

नोएडा। नोएडा-ग्रेनो डिपो ने बसों में बीते वर्ष के मुकाबले इस बार त्योहारों पर 25 हजार अधिक यात्रियों को सफर करा बनाया रिकार्ड बनाया है। कमाई भी 58 हजार से अधिक की हुई है। दोनों ही वर्षों में डिपो में बसों की संख्या 305 थी। गुरुवार को यह जानकारी जारी की गई है।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर से मिली जानकारी के मुताबिक इस बार दीपावली, भाईदूज और छठ महापर्व पर छह नवंबर से 17 नवंबर तक बसों के अतिरिक्त फेरों की सुविधा यात्रियों को दी गई थी। इस दौरान बसों ने 20 लाख 93 हजार 883 किलोमीटर का सफर तय किया और छह लाख 51 हजार 272 यात्रियों ने यात्रा की। टिकट के जरिए निगम ने 940.72 लाख रुपये कमाई की। बसों से प्रतिदिन कमाई का औसत 24714 रुपये रहा। वहीं, बीते वर्ष त्योहारों की अवधि के दौरान बसों ने कुल 20 लाख 34 हजार 656 किलोमीटर का सफर तय किया था और यात्रियों की संख्या छह लाख 26 हजार 035 थी। बसों से कमाई 881.85 लाख रुपये हुई थी। प्रतिदिन कमाई का औसत 23157 रुपये था। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने कहा कि चालक, परिचालक और पूरे स्टाफ के सहयोग से ही यात्रियों को बेहतर सुविधा व निगम को अच्छा राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि 12 दिन तक लगातार काम करने वाले कर्मचारियों को दिसंबर में मुख्यालय की ओर से निर्धारित की गई प्रोत्साहन राशि का भुगतान कर दिया जाएगा।

साधारण बसों में ऑनलाइन टिकट बुक करने की है सुविधा: नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो की बसों में मौके पर परिचालक से टिकट प्राप्त करने के अलावा ऑनलाइन टिकट बुक करने की सुविधा भी उपलब्ध है। इसमें उत्तर प्रदेश परिवहन निगम पर क्लिक करके टिकट बुक किया जा सकता है। ऑनलाइन टिकट बुक करने से यात्रियों द्वारा खाली सीटों की स्थिति देखकर अपनी पसंद की सीट, जैसे खिड़की वाली सीट या महिला यात्रियों के लिए आरक्षित सीट चुनी जा सकती है। ऑनलाइन सुविधा से भीड़भाड़ या त्योहारों के समय भी सीट पक्की रहती है। कई सेवाओं में बस की स्थिति और समय से जुड़े अपडेट मिल जाते हैं। अलग-अलग समय और रूट की तुरंत तुलना की जा सकती है। कई प्लेटफॉर्म पर ऑफर, आसान रद्दीकरण और यूपीआई या कार्ड से झंझट-मुक्त भुगतान की सुविधा मिलती है।

20 नवंबर से संचालित होंगे ईवीएम प्रदर्शन केंद्र

नोएडा। जिले में मतदाताओं को को ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली एवं जागरूक करने के लिए 20 नवंबर से ईवीएम प्रदर्शन केंद्र संचालित किए जाएंगे। गुरुवार को वेयरहाउस से राजनीतिक दलों की मौजूदगी में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें निकाली गईं।

जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम ने बताया कि कलेक्ट्रेट एवं तहसील स्तर पर नोएडा, दादरी तथा जेवर विधानसभा में ईवीएम प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों का संचालन 20 नवंबर से प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 05 बजे तक किया जाएगा। यहां आने वाले मतदाताओं को ईवीएम के माध्यम से मतदान करने तथा वीवीपैट के जरिए अपने मत की पुष्टि की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे मतदाता मतदान प्रक्रिया को सहजता से समझ सकें। प्रत्येक केंद्र पर एक रजिस्टर रखा जाएगा, जिसमें जागरूकता एवं प्रदर्शन के लिए आने वाले मतदाताओं का विवरण तथा ईवीएम में रिकॉर्ड किए गए मतों का दैनिक लेखा-जोखा दर्ज होगा। प्रशिक्षण एवं जागरूकता के लिए रिजर्व स्ट्रांग रूम को खोलने एवं बंद करने के लिए नामित अधिकारी का होगा, जो मशीनों का विवरण लॉगबुक में अंकित करेंगे। रिजर्व स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी तथा पुलिस बल का ड्यूटी रोस्टर भी निर्धारित की गई है।

इस्कॉन मंदिर दो हजार दीपों से जगमगाएगा

नोएडा। कार्तिक मास के समापन पर शहर के प्रमुख मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। एक महीने से चल रहे दीपदान महोत्सव का समापन धार्मिक आयोजनों के साथ होगा। इस उपलक्ष्य में मंदिरों में दीप जलाए जाएंगे और भजन-कीर्तन के साथ भगवान की विशेष पूजा-अर्चना होगी। शहर के इस्कॉन मंदिर, सनातन धर्म मंदिर और जगन्नाथ मंदिर में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इसके साथ ही शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में कार्तिक मास के दौरान एक महीने से चल रहे दीपदान महोत्सव का समापन होगा। मंदिर के जनसंपर्क अधिकारी एकांतधाम दास ने बताया कि इस अवसर पर पूरे मंदिर को दो हजार से दीपों से सजाया जाएगा। परिसर में सुबह से शाम तक भजन-कीर्तन,



भगवान का अभिषेक, भोग और पाठ का आयोजन होगा। कार्यक्रम में इस्कॉन के पदाधिकारी, वरिष्ठ पुजारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

सनातन धर्म और जगन्नाथ मंदिरों में आयोजन: सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में भी कार्तिक मास के समापन पर पूजा-अर्चना होगी। मंदिर के सेवादार हरिंद्र दुबे ने कहा कि परिसर में भजन-कीर्तन के साथ मां लक्ष्मी की पूजा की जाएगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। वहीं सेक्टर-121 स्थित जगन्नाथ मंदिर में समापन अवसर पर नाव चलाने की परंपरा निभाई जाएगी। इसके लिए मंदिर के बार करीब 15 फीट चौड़ा और 20 फीट लंबा जलकुंड बनाया जाएगा। इसमें पानी भरकर श्रद्धालु छोटी-छोटी नाव बनाकर चलाएंगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद बहल ने बताया कि कार्तिक मास के समापन पर नाव तैराने की इस परंपरा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा लेते है, इस बार भी श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं की जा रहीं है।

नोएडा की खस्ताहाल सड़कों पर सीईओ सख्त

नोएडा। नोएडा की सड़कों की हालत सुधारने के लिए लगातार निर्देश देने के बावजूद स्थिति नहीं सुधर रही है। प्रमुख सड़कों पर भी गड्ढे हैं और कई जगह निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। इस पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने नाराजगी जताई है। उन्होंने ऐसी सड़कों की रैंडम जानकारी ली, जिनका निर्माण अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। सीईओ ने स्पष्ट किया कि सभी ऐसी सड़कों के निर्माण से जुड़े टेंडरों का रिव्यू कराया जाएगा।

सीईओ ने बताया कि टेंडरों की समीक्षा में यह देखा जाएगा कि किस सड़क का निर्माण कब तक पूरा होना था और अभी उसकी वास्तविक स्थिति क्या है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों से स्टेटस रिपोर्ट ली जाएगी। जिन सड़कों का काम तय समय में पूरा नहीं हुआ है, उनमें देरी के कारणों की भी जांच होगी।

एमपी-2 समेत कई प्रमुख सड़कों पर गड्ढे: शहर में एमपी-2 रोड, बोटेनिकल गार्डन के पास, फेज-2 और सेक्टर-71 अंडरपास समेत कई स्थानों पर सड़कें खस्ताहाल हैं। जगह-जगह गड्ढे होने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। वहीं, सड़कों से उड़ने वाली धूल वायु प्रदूषण बढ़ा रही है। सीईओ ने कहा कि इन सड़कों का निर्माण जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा।

बनी हुई सड़कें उखड़ीं तो गुणवत्ता की भी होगी जांच: सीईओ ने बताया कि सिर्फ अधूरी सड़कों के टेंडर ही नहीं, बल्कि उन सड़कों की भी समीक्षा होगी जिनका निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ समय बाद ही उनकी सतह उखड़ने लगी है। शहरवासियों की ओर से सड़क की गुणवत्ता को लेकर मिलने वाली शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जाएगा।

बादलपुर में 13 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म, मुठभेड़ के बाद आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र के एक गांव में ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रही एक 13 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने इस वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी युवक बुधवार देर रात किशोरी को उसके घर से अगवा कर खेत में ले गया था। वहां उसने किशोरी के साथ मारपीट की और फिर जबरन दुष्कर्म किया। घटना के बाद परिवार के लोगों ने तुरंत पुलिस को इस मामले की शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और कार्रवाई शुरू की।

परिजनों की शिकायत मिलने के तुरंत बाद हरकत में आई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार तड़के किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद पीड़िता ने अपने साथ हुई ज्यादती और दुष्कर्म की पूरी जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस ने फौरन उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया। डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि कल्दा गांव में रहने वाली यह 13 वर्षीय किशोरी अपने मामा के घर रहकर एक स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। बुधवार रात करीब एक बजे पड़ोस में रहने वाले रोहित उर्फ चंद्रा (19) ने उसे घर से अगवा किया था। पुलिस के अनुसार, यह बात भी सामने आई है कि किशोरी आरोपी को मामा कहकर बुलाती थी।

मुठभेड़ के दौरान पैर में लगी गोली: मामला दर्ज करने के बाद पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी और इसके लिए पुलिस की टीमें इलाके में चेकिंग कर रही थीं। गुरुवार दोपहर के वक्त चेकिंग के दौरान पुलिस को आरोपी बंबावड़ गांव के पास दिखाई दिया। जब पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, तो आरोपी रोहित उर्फ चंद्रा ने पुलिसकर्मियों पर ही गोलियां चला दीं। अपनी रक्षा में पुलिस की तरफ से की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान गोली सीधे आरोपी के पैर में जा लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी रोहित उर्फ चंद्रा को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

नोएडा। गुरुवार को नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के सैक्टर-52 स्थित कार्यालय पर देश की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी एवं उन्हें याद किया।

इस अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि इंदिरा जी का साहसिक नेतृत्व, दूरदर्शिता और देश के प्रति समर्पण सदैव याद किया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रामकुमार शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपने नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया।



उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य यतेन्द्र शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी जी का जीवन देशसेवा, साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति की प्रेरणा देता है। उनके विचार और योगदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता लियाकत चौधरी ने कहा कि इंदिरा गांधी का देश के प्रति योगदान और उनकी स्मृतियां सदैव हमारे बीच जीवित रहेंगी।

इस अवसर पर नोएडा महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य नोएडा कांग्रेस नेता यतेन्द्र शर्मा, अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता लियाकत चौधरी,वरिष्ठ कांग्रेस नेता फिरे सिंह नागर,नोएडा महानगर के महासचिव कैप्टन क्र॥ रावत, उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी,महासचिव राम कुमार शर्मा,नॉर्थ ब्लॉक के अध्यक्ष राहुल पांडये,महिला नेत्री शिवानी पवार,नोएडा महानगर उपाध्यक्ष मधुराज,महानगर के सचिव सतीश पांचाल,कार्यालय प्रभारी अरुण प्रधान,मुकेश मिश्रा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर जबरन दाखिल हुआ शख्स, सीआईएसएफ ने धर दबोचा

इस घटना को एयरपोर्ट की सुरक्षा में चूक के रूप में देखा जा रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के डिपार्चर गेट पर संदिग्ध ने जबरन घुसने की कोशिश की। लेकिन, मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बिना देर किए उसे फौरन दबोच लिया। अब तक उसके पास से कोई वैध दस्तावेज भी प्राप्त नहीं हुआ है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जैसे ही उस व्यक्ति को जबरन अंदर दाखिल होते हुए देखा गया, तो क्रिक रिसपॉन्स टीम ने इसकी सूचना सीआईएसएफ को दी। जिसके बाद उसे फौरन दबोच लिया गया। इस घटना को एयरपोर्ट की सुरक्षा में चूक के रूप में देखा जा रहा है। जिसकी जांच की जा रही है।

पेशेवर अंदाज में संभाला गया पूरा मामला..

वहीं, सीआईएसएफ ने इस घटना के बारे में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर भी जानकारी दी। पोस्ट के मुताबिक, जवानों की सतर्कता और पेशेवर तरीके से जिस अंदाज में इस पूरी घटना को संभाला गया, उसके परिणामस्वरूप किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को धरातल पर उतरने से पहले ही टाल दिया गया। वैसे किसी भी व्यक्ति का इस तरह



से बिना किसी वैध दस्तावेज के एयरपोर्ट परिसर में दाखिल हो जाना सुरक्षा के चूक से जुड़ा मामला है। सीआईएसएफ के मुताबिक, हमारे जवान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद हैं। हमारे जवान एयरपोर्ट पर होने वाली हर गतिविधियों पर अपनी नजर बनाएं रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा नहीं हो। हालांकि, एयरपोर्ट पर जबरन दाखिल होने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके पीछे की मंशा के बारे में अभी तक कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है।

कोरोना के बाद बदल गया मच्छरजनित बीमारियों का मिजाज, डेंगू धीमा तो मलेरिया ने बढ़ाई चिंता



नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के बाद मच्छरजनित बीमारियों का मिजाज बदलने के संकेत मिले हैं। डेंगू के बढ़ने की रफ्तार धीमी हुई जबकि मलेरिया महामारी के बाद वह बढ़ने लगा, जो कोरोना से पहले घट रहा था।

यही हाल चिकनगुनिया और जापानी इंसेफेलाइटिस का भी है। डेंगू फैलाने वाले वायरस के आनुवंशिक स्वरूप में बदलाव और उस पर मौसम के बदलते मिजाज से पड़ रहे असर ने चिंता बढ़ा दी है। कोरोना महामारी के बाद मच्छरजनित बीमारियों की चुनौती केवल संक्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि वायरस के बदलते स्वरूप, जलवायु परिवर्तन और निगरानी व्यवस्था की कमजोरियां भी इससे जुड़ गई हैं। एमसीडी के चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक रावत के अनुसार कोरोना के बाद डेंगू फैलाने वाले मच्छरों की संवेदन और प्रभावशीलता घटी। इसके साथ ही डेंगू के गंभीर रूप डेंगू हेमरेजिक फीवर (डीएचएफ) और डेंगू शॉक सिंड्रोम (डीएसएस) के मामले भी घटे हैं, जबकि बचाव के उपायों में लोगों की भागीदारी भी बढ़ी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के वेक्टर कंट्रोल रिसर्च सेंटर के जनवरी 2026 के अध्ययन में 2014 से 2024 के बीच पांच मच्छरजनित बीमारियों का विश्लेषण किया गया। वर्ष 2020 को अलग रखकर महामारी से पहले और बाद की स्थिति की तुलना की गई। इसमें मलेरिया का घटता रुझान महामारी के बाद बढ़ने की दिशा में दिखा। चिकनगुनिया और जापानी इंसेफेलाइटिस में भी वृद्धि के संकेत मिले, जबकि डेंगू के मामलों में वृद्धि की गति धीमी रही। एनसीआर में वर्ष 2023 के 4045 नमूनों की जांच में 3702 (91.5 प्रतिशत) में डेंगू वायरस का सीरोटाइप-2 मिला। सीएसआइआर-आइजीआइबी के अध्ययन में वायरस के ई, एनएस4बी और एनएस5 जीन हिस्सों में गंभीर संक्रमण से जुड़े आनुवंशिक बदलाव पाए गए। मौलाना आजाद मेडिकल कालेज की डॉ. ब्राताती बनर्जी के अध्ययन में संजय कालोनी के 314 लोगों को शामिल किया गया। अगस्त 2020 से सितंबर 2021 तक चलाए गए जागरूकता अभियान के बाद मच्छरों वाले घरों का प्रतिशत 21.65 से घटकर 4.45 रह गया। एम्स दिल्ली और पीजीआइ चंडीगढ़ के 44 बच्चों पर हुए अध्ययन में 30 को गंभीर डेंगू हुआ।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के लाजपत नगर में मीडिया हाउस के बेसमेंट में लगी आग

नईदिल्ली, एजेंसी। लाजपत नगर-दो स्थित जी-5 के बेसमेंट में आग लगने की घटना में एक



युवक की मौत हो गई, वहीं एक झुलस गया। मृतक की पहचान 23 वर्षीय गौरव के रूप में हुई है। वहीं, 38 वर्षीय परमजीत शर्मा लगभग 30 प्रतिशत झुलस गए हैं, जिनका उपचार चल रहा है। फायर ब्रिगेड के मुताबिक बुधवार दोपहर 1.17 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर चार फायर टेंडर भेजे गए। वहीं बाद में एक और फायर टेंडर भेजा गया। दोपहर 2.05 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग बेसमेंट में बने मीडिया हाउस के कार्यालय में लगी थी। अंदर फंसे दो लोगों को बचाया गया, जिनमें से एक की मौत हो गई, वहीं दूसरे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जेपी नड्डा का बड़ा ऐलान, 2029 तक देश में जुड़ेंगी 75 हजार नई मेडिकल सीटें

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि



सरकार वर्ष 2029 तक 75 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटें जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने वर्धमान महावीर मेडिकल कालेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के रजत जयंती समारोह एवं आठवें वार्षिक दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए देश में चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विस्तार पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में चिकित्सा शिक्षा की क्षमता में काफी विस्तार हुआ है। देश में मेडिकल कालेजों की संख्या 387 से बढ़कर 863 हो गई है, जबकि एम्स की संख्या 20वीं सदी के अंत में केवल एक थी, जो अब बढ़कर 23 हो गई है। चिकित्सा शिक्षा की क्षमता बढ़ाने के संबंध में नड्डा ने 75 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटें बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिसंबर 2025 में प्रत्येक अतिरिक्त अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीट के लिए 1.5 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी थी। इसके तहत 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटें बनाने के लिए कुल 15 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा शिक्षा का विस्तार गुणवत्ता की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

रेशम पर रेशम से उकेरी जाती है तिलफी मीना की नक्काशी, एक साड़ी में लगते हैं दो माह

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर की खास हथकरघा साड़ी लोगों का ध्यान खींच रही है। 2.15 लाख रुपये कीमत वाली इस साड़ी की खासियत पारंपरिक 'तिलफी मीना' कारीगरी है, जिसे पूरी तरह हाथों से तैयार किया जाता है। मुबारकपुर से आए ताबिश के स्टॉल पर रा सिल्क, टूना सिल्क, रा मैंगो, कतान, आर्गेजा और टसर जैसी कई किस्मों की साड़ियां प्रदर्शित हैं। इनमें तिलफी मीना वाली साड़ी की सबसे अधिक चर्चा है। ताबिश के अनुसार, इसमें रेशम के कपड़े पर रेशम के धागों से बेहद बारीकी से डिजाइन उकेरा जाता है।

राष्ट्रपति ने मौत की सजा बदली उम्रकैद में

लगाई जीवनभर जेल की शर्त; दिल्ली हाईकोर्ट ने ठुकराई चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्वारा दया याचिका पर दिए गए उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दी कि राष्ट्रपति के दया याचिका आदेश में अदालत दखल नहीं दे सकती है। राष्ट्रपति ने मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदलते हुए शर्त लगाई गई थी कि दोषी को बिना किसी माफी के जीवन भर जेल में रहना होगा। न्यायमूर्ति नवीन चावला व न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने कहा कि दया याचिका से जुड़े आदेशों में न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित है। कोर्ट सिर्फ यह देख सकती है कि शक्ति का प्रयोग कैसे किया गया, राष्ट्रपति या राज्यपाल के आदेश को अपील की तरह नहीं देखा जा सकता। पीठ ने कहा कि एक बार जब कोर्ट पाती है कि राष्ट्रपति के पास सभी प्रासंगिक तथ्य थे और उन्होंने सभी प्रासंगिक कारकों पर विचार किया, तो कोर्ट केवल इस आधार पर राष्ट्रपति की राय को नहीं बदल सकती कि वह खुद दया याचिका पर अलग फैसला लेती।

मरने वालों में एक गर्भवती महिला भी शामिल

यह मामले पांच महिलाओं और दो बच्चों की हत्या के मामले में 1994 से जेल में बंद याचिकाकर्ता जितेंद्र उर्फ जीतू नैनसिंह गहलोत से जुड़ा है। उस पर अगस्त 1994 में पुणे के एक घर में डकैती के दौरान पांच महिलाओं और दो छोटे बच्चों की जघन्य हत्या का आरोप था। मरने वालों में एक गर्भवती महिला भी शामिल थी।



ट्रायल कोर्ट ने फरवरी 1998 में उसे मृत्युदंड दिया और उक्त निर्णय को बाम्बे हाई कोर्ट ने जुलाई 1999 और सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2000 में बरकरार रखा था। याचिकाकर्ता ने जून 2001 में राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दायर की थी, जिस पर 15 साल बाद 18 सितंबर 2016 को फैसला आया। राष्ट्रपति ने मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया, लेकिन शर्त लगाई कि किसी भी प्राधिकरण द्वारा उसकी सजा में कोई माफी नहीं दी जाएगी। दोषी की दलीलें क्या थीं? गहलोत ने तर्क दिया कि आगे माफी पर रोक असंवैधानिक है और अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति की शक्ति सरकार की माफी देने की वैधानिक शक्ति को खत्म नहीं कर सकती।

दिल्ली के युधिष्ठिर सेतु पर रफ्तार का कहर, फॉर्च्यूनर-ऑटो की टक्कर में दो की मौत और 8 घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र में युधिष्ठिर सेतु पर तेज रफ्तार फार्च्यूनर कार ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दो घायलों ने दम तोड़ दिया। हादसे में दो लोगों की मौत के बाद पुलिस ने मामले में गैर इरादतन हत्या से संबंधित बीएनएस की धारा 105 भी जोड़ दी है। पुलिस के अनुसार, हादसा बुधवार रात युधिष्ठिर सेतु पर हुआ था। फॉर्च्यूनर और ऑटो के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि आठ लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर कश्मीरी गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 281 (तेज गति से वाहन चलाना) और 125ए (लापरवाही से किए गए कृत्य से चोट पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। हालांकि, हादसे में घायल दो लोगों की उपचार के दौरान मौत होने के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया। इसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी में बीएनएस की धारा 105 भी जोड़ दी। पुलिस अब हादसे के कारणों का पता लगाने के साथ ही फॉर्च्यूनर चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

दिल्ली के लोगों के लिए अच्छी खबर, गिरा एक्यूआई का ग्राफ, पहुंचा 300 के नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोगों के लिए अच्छी खबर है। गुरुवार को एक्यूआई 300 के नीचे है। इससे साफ है कि हवा की गुणवत्ता में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है। पिछले कई दिनों से दिल्ली का एक्यूआई 300 से कम है। जिसे दिल्ली के लोग अपने लिए राहत के रूप में देख रहे हैं। बुधवार को भी एक्यूआई 300 से नीचे दर्ज किया गया था। हालांकि, लंबे समय से दिल्ली के लोग दमघोंटू हवा में सांस लेने को मजबूर थे। हवा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का सुधार दर्ज नहीं किया जा रहा था। कई बार तो एक्यूआई 500 और 600 को भी पार कर गया था। जिससे लोगों को काफी समस्याएं हो रही थीं। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और स्वास्थ्य संबंधी समस्यओं से जूझ रहे लोगों को। लेकिन, अब राहत की बात यह रही कि एक्यूआई लुढक रहा है।



प्रशासन की ओर से भी किए जा रहे कई प्रयास प्रशासन की ओर से हवा की गुणवत्ता में भी सुधार लाने के लिए भी कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। राहत की बात यह है कि इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। दिल्ली की फिजा में लगातार सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। साथ ही, बेशक हवा की गुणवत्ता सुधर रही हो। लेकिन, लोगों को लगातार सावधानी बरतने के सुझाव दिए जा रहे हैं, ताकि आगे चलकर उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। वहीं, दिल्ली में हवा की गुणवत्ता सुधरने के बाद अब ग्रेप 3 के तहत लगे प्रतिबंधों को हटा दिया गया है, ताकि अन्य प्रकार की गतिविधियां शिथिल नहीं हो जाए। ग्रेप-1 और ग्रेप-2 के तहत प्रतिबंध जारी रहेंगे।

नरेला से जहांगीरपुरी तक घर लेने के ऑप्शन

डीडीए की खुशहाल परिवार योजना में 445 फ्लैट्स, 4 लाख रुपये में बुकिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने धनतेरस के शुभ अवसर पर अपनी नई आवासीय योजना डीडीए खुशहाल परिवार योजना 2026 लॉन्च की थी। अब इसमें बुकिंग शुरू हो चुकी है। इस योजना के तहत मध्यम आय वर्ग के कुल 445 फ्लैट्स के लिए पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) खोले गए हैं। फ्लैट्स की अनुमानित कीमत उनके आकार, क्षेत्र और लोकेशन के हिसाब से अलग-अलग है।

एमआईजी फ्लैट की बुकिंग राशि 4 लाख रुपये तय की गई है। इसके अलावा आवेदकों को 2,500 रुपये का एकमुश्त (वन-टाइम) नॉन-रिफंडेबल रजिस्ट्रेशन शुल्क भी देना होगा। हालांकि, जिन आवेदकों ने पोर्टल पर पहले से रजिस्ट्रेशन करा रखा है, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन कराने की आवश्यकता नहीं है। इन फ्लैट्स की कीमत इनके आकार और क्षेत्र के आधार पर 43 लाख रुपये से लेकर 1.1 करोड़ रुपये तक रखी गई है। योजना के तहत दिल्ली के तीन प्रमुख इलाकों में एमआईजी श्रेणी के फ्लैट्स ऑफर किए जा रहे हैं... नरेला (सेक्टर ए1-ए4, पॉकेट 1बी और 1सी): 296 फ्लैट लोकनायकपुरम (पॉकेट ई): 132 फ्लैट जहांगीरपुरी: 17 फ्लैट महत्वपूर्ण तारीखें और



आवेदन प्रक्रिया रजिस्ट्रेशन की शुरुआत: 6 नवंबर 2026 (धनतेरस के दिन से) बुकिंग की शुरुआत: 16 नवंबर 2026

बुकिंग राशि और शुल्क

एमआईजी फ्लैट्स के लिए बुकिंग राशि चार लाख रुपये तय की गई है। पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग के लिए 2,500 रुपये का एकमुश्त रजिस्ट्रेशन शुल्क देना होगा। हालांकि, जिन लोगों ने पहले से पोर्टल पर पंजीकरण किया हुआ है, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन करने की आवश्यकता नहीं है।

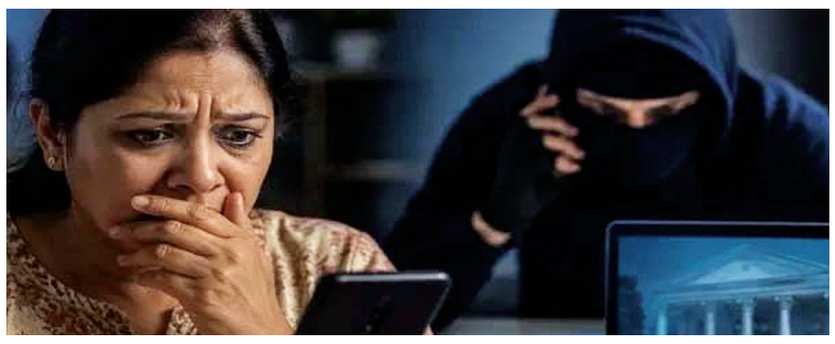
मुनाफा दिखाने के लिए वेबसाइट पर कराया विजिट

पाकिस्तान और दुबई के नंबरों से कॉल कर 10 गुना मुनाफे का दिया झांसा, दिल्ली की महिला से 13 लाख की ठगी

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और दुबई के नंबरों से कॉल कर ऑनलाइन निवेश में पांच से दस गुना मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने उत्तम नगर वेस्ट निवासी महिला से करीब 13 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने शुरुआत में छोटी रकम निवेश करवाकर उसे मुनाफे के साथ वापस कर दिया, जिससे महिला का भरोसा जीत लिया। विश्वास पक्का करने के बाद बड़ी रकम निवेश कराने पर वेबसाइट पर 18 लाख रुपये का बैलेंस दिखाया, लेकिन रकम निकालने की कोशिश करते ही अकाउंट ब्लॉक कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर द्वारका जिला साइबर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने लोगों से विदेश से आने वाले नंबरों की कॉल और ऑनलाइन निवेश के झांसे में नहीं आने की अपील की है। पीड़िता द्वारा पुलिस में दी गई शिकायत के अनुसार, आनंद विहार कॉलोनी, उत्तम नगर निवासी धनेश्वरी कुमारी के मोबाइल पर एक मैसेज आया था। इसमें लिंक दिया गया था। लिंक पर क्लिक करने के बाद उनके पास 92 और 97 से शुरू होने वाले विदेशी नंबरों से कॉल आने लगे।

कॉल करने वालों ने ऑनलाइन निवेश की वेबसाइट के बारे में बताया और दावा किया कि निवेश की रकम पांच से दस गुना तक बढ़ाई जा सकती है और जमा करने वाले जब चाहे अपनी पूरी रकम हुए मुनाफा के साथ निकाल सकते हैं।

क्यूआर कोड पर 13 लाख रुपये ट्रांसफर किए



महिला ने वेबसाइट पर दिए पेमेंट लिंक के माध्यम से छोटी रकम जमा करनी शुरू की। शुरुआत में पांच हजार रुपये निवेश करने पर उन्हें बेहतर रिटर्न के साथ रकम वापस मिल गई। रुपये वापस मिलने से उन्होंने उन पर विश्वास कर लिया और मोटा मुनाफा कमाने के लालच में उन्होंने अलग-अलग समय पर ठगों द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड के माध्यम से करीब 13 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। रुपये ट्रांसफर होते ही वेबसाइट पर उनका बैलेंस बढ़कर करीब 18 लाख रुपये दिखने लगा।

साइबर क्राइम टीम ने शुरू की जांच

इसके बाद जब महिला ने बैलेंस से 50 हजार रुपये निकालने का प्रयास किया तो वेबसाइट पर तकनीकी समस्या बताई गई। कई बार कोशिश करने के बावजूद रकम नहीं निकली। शिकायत करने पर हर बार जल्द तकनीकी समस्या बताकर उन्हें टाला जाने लगा। कुछ दिनों बाद ठगों ने उनका अकाउंट ब्लाक कर दिया।

इसके बाद पीड़िता ने साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर द्वारका साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बैंक खातों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ठगी में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है।

रक्षा मंत्रालय के रिटायर्ड अफसर से 2.02 करोड़ की ठगी, लखनऊ से तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को पांच दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर 2.02 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (आइएफएसओ) ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में लखनऊ से तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार कर उनके पास से मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड और चेकबुक बरामद की है। 70 लाख का हुआ लेनदेन.. डीसीपी गौरव त्यागी के मुताबिक, पीड़ित ने जनवरी में आइएफएसओ में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि अनजान नंबर से फोन आया। कॉलर ने दावा किया कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर जम्मू-कश्मीर में बैंक खाता खोला गया है, जिसमें 70 लाख रुपये का संदिग्ध लेनदेन हुआ है। इसके बाद ठगों ने खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर फर्जी जांच शुरू की और गिरफ्तारी का डर दिखाया। लगातार फोन पर निगरानी और मानसिक दबाव के चलते पीड़ित कई बार बैंक गए और ठगों के बताए अलग-अलग खातों में कुल 2.02 करोड़ रुपये भेज दिए। मामले में 15 जनवरी को आइएफएसओ में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने लेनदेन की जांच में पाया कि ठगी की रकम कई फर्जी और म्यूल बैंक खातों के जरिए घुमाई गई थी। तकनीकी सुरागों के आधार पर लखनऊ में दबिश देकर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार मोहम्मद इमरान खान एक कंपनी का डायरेक्टर है। उसकी कंपनी के बैंक खाते में ठगी की रकम में से 17 लाख रुपये भेजे गए थे। राम किशोर साइबर ठगी के लिए बैंक खाते जुटाकर आपरेटरों को देता था। रूपेंद्र प्रताप सिंह बेनिफिशियरी खातों का संचालन, रकम आगे भेजने और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए कमीशन बांटने का काम करता था।



बॉल-टैंपरिंग विवाद

पर कैमरून बैनक्रॉफ्ट का नया खुलासा, कहा-स्मिथ इस योजना से खुद को दूर रखना चाहते थे

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने हाल ही में प्रकाशित अपनी किताब 'सब्र' में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2018 में केपटाउन में खेले गए टेस्ट मैच में हुए बॉल-टैंपरिंग विवाद का जिक्र किया है। ख्वाजा ने दावा किया है कि इस मामले की जानकारी सिर्फ तीन लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। ख्वाजा के इस दावे के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में चर्चा है और इस विषय पर मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों के अलग-अलग बयान आ रहे हैं।



बॉल-टैंपरिंग का मुख्य चेहरा रहे कैमरून बैनक्रॉफ्ट ने अब इस बारे में नए खुलासे किए हैं। बैनक्रॉफ्ट का कहना है कि तब के ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना से खुद को दूर रखना चाहते थे। उस मैच का हिस्सा रहे बैनक्रॉफ्ट ने यह भी आरोप लगाया है कि बातचीत में डेविड वॉर्नर और उनके अलावा ड्रेसिंग रूम के अन्य सदस्य भी शामिल थे। द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन में छपी 4,000 शब्दों की एक रिपोर्ट में बैनक्रॉफ्ट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान बॉल-टैंपरिंग की घटना से पहले की घटनाओं पर फिर से बात की। उन्होंने याद किया कि स्मिथ बातचीत में शामिल हुए और यह साफ कर दिया कि वह इस प्लान में शामिल नहीं होना चाहते।



अपनी रिपोर्ट में बैनक्रॉफ्ट ने कहा है कि कप्तान स्टीव स्मिथ बातचीत में शामिल हुए और, जैसा कि मुझे याद है, उन्होंने खुद को दूर करने से पहले यह साफ कर दिया कि वह इसमें कोई हिस्सा नहीं लेना चाहते। बैनक्रॉफ्ट ने यह भी याद किया कि कुछ साथी खिलाड़ियों ने उन्हें सावधान रहने की चेतावनी दी थी, जबकि दूसरों ने कहा कि वे उनकी जगह पर यह काम नहीं करते। उन्होंने माना कि उन्हें पता था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करना चीटिंग है, लेकिन कहा कि एक युवा खिलाड़ी के तौर पर योगदान देने की उनकी इच्छा ने उनके फैसले पर असर डाला।

2027 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे ऐश बार्टी और शिंगो कुनिदा

नई दिल्ली । चार बार की मेजर चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ऐश बार्टी को खिलाड़ी श्रेणी में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। जापान के शिंगो कुनिदा, जो चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और 50 बार के मेजर चैंपियन हैं, उन्हें 'व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी' में चुना गया है। इस श्रेणी में उन खिलाड़ियों को जगह दी जाती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो। बार्टी तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) 2019, विंबलडन 2021



और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 के खिताब जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी जीता था। सिंगल्स में वह 2019 में वर्ल्ड नंबर 1 बनीं। वह कुल 121 हफ्तों तक टॉप पर रहीं, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल रहे। इसके साथ ही 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक वह 'ईयर-एंड नंबर 1' (साल के अंत में नंबर 1) रहीं। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के बाद, जब वह वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग पर थीं, तब उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया था। वह इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनेंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला होंगी।



शुरुआती वार के बाद भारत बेदम

वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत में शानदार पकड़ बनाकर मेजबान टीम पर दबाव बनाया, लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। शुरुआती सफलता के बाद भारतीय गेंदबाजों की लय बिगड़ती नजर आई और न्यूजीलैंड ने मुकाबले में वापसी करते हुए स्थिति अपने पक्ष में कर ली। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव ने टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अब भारतीय टीम के सामने खोई हुई लय हासिल करने और मुकाबले में दोबारा मजबूत स्थिति बनाने की चुनौती है।

वेलिंगटन टेस्ट: निकोलस का शतक, फिलिप्स सैकड़े के करीब, पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन बनाए

वेलिंगटन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान टॉम लैथम और डेवन कोनवे जल्दी आउट हो गए। लैथम 0 और कोनवे 4 के स्कोर पर आउट हुए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हेनरी निकोलस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रचिन रवींद्र (15), डेरिल मिशेल (1) और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल (5) के विकेट गिरने से टीम की मुश्किलें बढ़ गईं। 70 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी मेजबान टीम को निकोलस और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए ग्लेन फिलिप्स ने संभाल लिया है। दोनों ने अब तक नाबाद 173 रन की साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 5 विकेट पर 243 तक पहुंचा दिया है। दोनों बल्लेबाजों ने दो सेशन तक भारतीय टीम को विकेट से दूर रखा है। इस साझेदारी की वजह से कीवी टीम मुश्किल से निकलकर सम्मानजनक स्थिति में पहुंची है।





हेनरी निकोलस ने बेहतरीन शतक लगाया है। निकोलस 221 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 113 रन बनाकर खेल रहे हैं। निकोलस का यह 12वां टेस्ट शतक है। ग्लेन फिलिप्स भी शतक के करीब हैं। फिलिप्स 182 गेंदों का सामना करने के बाद 94 रन पर खेल रहे हैं। मैच के दूसरे दिन फिलिप्स के शतक पर नजर रहेगी। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 3 और अंशुल कंबोज-आकाशदीप ने 1-1 विकेट लिए हैं। पहले सेशन में कीवी टीम पर दबदबा बनाने वाले भारतीय गेंदबाज आखिरी 2 सेशन में संघर्ष करते नजर आए। इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में दो बड़े खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है। भारत की प्लेइंग इलेवन में दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम नहीं है। उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं हैं।

मो.सिराज और जडेजा को क्यों बाहर रखा गया?

वेलिंगटन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में गुरुवार से सीरीज का पहला टेस्ट शुरू हुआ। भारतीय टीम ने प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जगह नहीं दी है। इसे लेकर टीम मैनेजमेंट की आलोचना हो रही है। टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने सिराज की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने के फैसले का समर्थन किया है। सीतांशु कोटक ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे निजी तौर पर नहीं लगता कि सिराज को बाहर रखने का फैसला गलत था। चुना गया कॉम्बिनेशन बेसिन रिजर्व की कंडीशन के लिए सबसे सही



माना गया था।' कोटक ने सिराज से जुड़ी किसी भी समस्या को खारिज कर दिया और उन्हें एक वर्ल्ड-क्लास बॉलर बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ भी गलत नहीं दिख रहा है। टीम मैनेजमेंट को यही सबसे अच्छी प्लेइंग इलेवन लगी और वही खेली। श्रीलंका में हालात अलग थे और सिराज वहां दोनों टेस्ट खेले। किसी के साथ कुछ भी गलत नहीं है। यह बिल्कुल ठीक है।' कोटक ने कहा कि भारत ने ऐसे बॉलर्स के कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी जो ऐसी सतह पर पेस, सीम मूवमेंट और स्विंग पैदा कर सकें, जिस पर काफी घास हो और जिससे मदद की उम्मीद हो, खासकर मैच की शुरुआत में। भारत की प्लेइंग इलेवन से अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भी बाहर रखा गया है।

एटीपी फाइनल्स: टियाफो ने कोबोली को हराकर आखिरी चार की उम्मीदें जिंदा रखी

अल्काराज सेमीफाइनल में पहुंचे

ट्यूरिन । फ्रांसिस टियाफो ने एटीपी फाइनल्स में एक बड़ी जीत हासिल करते हुए सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। 28 साल के अमेरिकी खिलाड़ी ने फ्लेवियो कोबोली को 7-6(6), 6-0 से हराया। कोबोली के खिलाफ 90 मिनट में मिली जीत के साथ, टियाफो 2010 के बाद से निट्टो एटीपी फाइनल्स में मैच जीतने वाले चौथे अमेरिकी बन गए। इससे पहले टेलर फ्रिट्ज (6), जैक सॉक (2) और बेन शेल्टन (1) भी इसमें शामिल हो चुके हैं। टियाफो ने शुरुआती सेट में दो सेट पॉइंट बचाए और 2026 में अपनी शानदार काबिलियत दिखाई, जिससे वह इवान लेंडल ग्रुप में 1-1 से बराबरी पर आ गए और ट्यूरिन में आखिरी चार में जगह बनाने की दौड़ में बने रहे। शुक्रवार को अपने आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच में उनका सामना पूर्व चैंपियन डेनियल मेदवेदेव से होगा। कोबोली के खिलाफ पहला सेट जीतकर, टियाफो ने यह भी पक्का कर दिया कि दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे।



अल्काराज ने पहले डेनियल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 2-0 की बढ़त बना ली थी, जिसका मतलब है कि टियाफो को स्पैनियार्ड के लिए क्वालिफिकेशन पक्का करने के लिए सिर्फ एक सेट की जरूरत थी। उनके ग्रुप में दूसरा सेमीफाइनल स्पॉट शुक्रवार के खेल के दौरान तय होगा।

अल्काराज, जिन्होंने टियाफो और मेदवेदेव के खिलाफ अपनी शुरुआती दो जीत में सिर्फ 10 गेम गंवाए हैं, शुक्रवार को अपने आखिरी राउंड-रॉबिन मैच में कोबोली का सामना करेंगे।

वियना और पेरिस में ट्रॉफी जीतने के बाद स्पेन का यह खिलाड़ी लगातार 11 मैच जीत चुका है। अल्काराज अपना पहला एटीपी फाइनल्स टाइटल जीतने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले साल के चैंपियनशिप मैच में वह जानिक सिनर से हार गए थे।

बर्थडे स्पेशल: भारतीय सेना में भर्ती होने के बाद मिल्खा सिंह को मिली थी 'धावक' बनने की प्रेरणा

नई दिल्ली । भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में सरदार मिल्खा सिंह का नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। बंटवारे के समय पाकिस्तान से आकर भारत में बसने और मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हुए दुनिया के श्रेष्ठ धावकों में अपना नाम बनाने की मिल्खा सिंह की कहानी किसी भी व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है। मिल्खा सिंह का जन्म 20 नवंबर 1929 को गोविंदपुरा, पाकिस्तान में हुआ था। 1947 में हुए बंटवारे के समय वे बेहद मुश्किल परिस्थिति में किसी तरह अपनी जान बचाकर भारत पहुंचे थे। मिल्खा सिंह भारत में आने के बाद सुरक्षित तो हो गए, लेकिन जीवन जीने का संकट था। जीवन चलाने के लिए उनके पास कोई आधार नहीं था। मिल्खा सिंह को दौड़ने का शौक बचपन से था, लेकिन इसमें करियर हो सकता है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। बेहद बुरे हालात में शरणार्थी कैंपों में अपना जीवन व्यतीत कर रहे मिल्खा सिंह को नौकरी की तलाश थी। बचपन से दौड़ के प्रति उनकी ललक काम आई। वह 1951 में इसी दौड़ की बदौलत भारतीय सेना में भर्ती हुए। भर्ती के दौरान हुई क्रॉस-कंट्री रेस में वह छठे स्थान पर आए थे, इसलिए सेना ने उन्हें



खेलकूद में स्पेशल ट्रेनिंग के लिए चुना। सिकंदराबाद के ईएमई सेंटर में ही उन्हें धावक के तौर पर अपनी प्रतिभा का पता चला और यहीं से एक पेशेवर धावक के रूप में उनके करियर की शुरुआत हुई। इस तरह जीवन चलाने के लिए सेना में भर्ती होने वाले मिल्खा सिंह को यहीं पर उनकी जिंदगी का लक्ष्य मिला।

विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भोपाल में 19 नवंबर से 6 देशों के बीच खिताबी जंग

भारत की नजरें रिकॉर्ड चौथे खिताब पर

भोपाल । विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की शुरुआत 19 नवंबर से होने जा रही है, जिसका आयोजन नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए रिकॉर्ड चौथी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी। गत विजेता भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगा। मलेशिया के खिलाफ अपने पहले मैच के बाद, भारत 21 नवंबर को साउथ कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान का सामना करेगा। भारत का लक्ष्य टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम बनना है। फिलहाल भारत (साल 2016, 2023 और 2024) और साउथ कोरिया (साल 2010, 2011, 2018) ने तीन-तीन बार यह खिताब अपने नाम किया है।

19 से 28 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत, चीन, जापान, साउथ कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड हिस्सा लेंगे। सभी टीमें राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेलेंगी, जिसके बाद शीर्ष चार टीमें 27 नवंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फाइनल और तीसरे स्थान के लिए मुकाबला 28 नवंबर को होगा।

भारत इस टूर्नामेंट में एक शानदार साल के बाद



उतर रहा है, जिसमें टीम ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। हैदराबाद में हुए क्वालीफायर में टीम फाइनल तक अपराजित रही और एफआईएच वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया। इसके बाद, ऑकलैंड में हुए एफआईएच विमेंस नेशंस कप में भारत ने अपने सभी पांच मैच जीते और खिताब अपने नाम किया, जिससे उन्हें एफआईएच प्रो लीग में प्रमोशन मिल गया।

भारतीय टीम ने बेल्जियम में हुए विमेंस वर्ल्ड कप में भी अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखा और पांचवें स्थान पर रही। 1974 के बाद से टूर्नामेंट में यह भारत का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। इसके बाद जापान में हुए एशियन गेम्स में टीम ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की, जहां भारत ने महिला हॉकी में 44 साल के स्वर्ण पदक के सूखे को खत्म किया।

अब मेजबान भारत इसी लय को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी बरकरार रखना चाहेगा। हालांकि, उनके सामने चीन, जापान और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों की कड़ी चुनौती होगी।

दुनिया की चौथे नंबर की टीम चीन, भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगी, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले महीने एशियन गेम्स के फाइनल में उन्हें भारत के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। चीन भी इस प्रतियोगिता में अपना पहला खिताब जीतने के लिए उत्सुक होगा, जबकि साउथ कोरिया अपने तीन चैंपियनशिप खिताबों की संख्या को और बढ़ाने का लक्ष्य रखेगा। जापान, जो पहले ही दो बार यह टूर्नामेंट जीत चुका है, अपने मजबूत डिफेंस और तेज पासिंग गेम के जरिए कड़ी चुनौती पेश करेगा।